■ लालू के बेटे की सरकार बनी तो अपहरण हत्या व रंगदारी के तीन नए मंत्रालय होंगे
- 12

■ कंपनियों के तिमाही नतीजे और वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दशा
- 12

■ दक्षिण चीन सागर में चीनी गतिविधि का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करे आसियान
- 13

■ वाशिंगटन की तूफानी पारी से भारत ने ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया
- 14

आज का मौसम

29.0^0 अधिकतम तापमान

18.0^0 न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.19 | सूर्यास्त 05.25

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| अयोध्या |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 02:06 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

सोमवार, 3 नवंबर 2025, वर्ष 4, अंक 80, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के लॉन्च पैड से उड़ान भरता इसरो का प्रक्षेपण यान। ● एजेंसी

इसरो ने रचा इतिहास, बाहुबली रॉकेट से सबसे भारी उपग्रह प्रक्षेपित

अपनी वांछित कक्षा जीटीओ में सफलतापूर्वक हुआ स्थापित, बड़े समुद्री क्षेत्र में प्रदान करेगा बेहतर दूरसंचार कवरेज

श्रीहरिकोटा, एजेंसी

नई पीढ़ी के स्वदेशी बाहुबली एलवीएम 3- एम- रॉकेट से रविवार को सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किए गए सबसे भारी संचार उपग्रह सीएमएस- 03 को सफलतापूर्वक वांछित भू समकालिक स्थानांतरण कक्षा (जीटीओ) में स्थापित कर दिया गया।

इसरो ने इसे दुर्लभ उपलब्धि बताते हुए कहा कि सीएमएस-03 एक बहु-बैंड संचार उपग्रह है जो भारतीय भूभाग सहित एक विस्तृत समुद्री क्षेत्र में सेवाएं प्रदान करेगा। इसरो के अनुसार यह उपग्रह 2013 में प्रक्षेपित की गई जीसैट 7 शृंखला का प्रतिस्थापन भी है। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने याद दिलाया कि रॉकेट का पिछला प्रक्षेपण सबसे प्रतिष्ठित चंद्रयान 3 था, जिसने राष्ट्र को गौरव दिलाया। रविवार को भारी उपग्रह के साथ सफलता प्राप्त करने के बाद इसने एक और गौरव प्राप्त किया। प्रायोगिक मिशन सहित एलवीएम 3 के सभी आठ प्रक्षेपण सफल रहे हैं, जो 100 प्रतिशत सफलता दर दर्शाते हैं। अंतरिक्ष विभाग के सचिव नारायणन ने इस प्रक्षेपण को आत्मनिर्भर भारत का एक और उदाहरण बताते हुए कहा, इस उपग्रह को कम से कम 15 वर्षों तक संचार सेवाएं प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रविवार को भारतीय धरती से सबसे भारी संचार उपग्रह के सफल प्रक्षेपण पर इसरो के वैज्ञानिकों को बधाई दी।

पूरी तरह स्वदेशी

यह स्वदेशी रूप से डिजाइन एवं विकसित किया गया है। ये जटिल होती सुरक्षा चुनौतियों के बीच आत्मनिर्भरता के मार्ग पर चलते हुए उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग कर राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा करने के संकल्प का प्रतीक है।

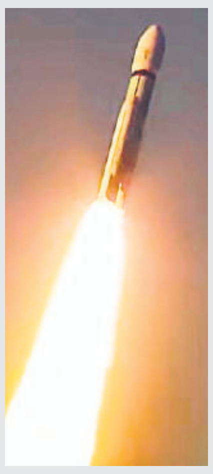

सबसे भारी उपग्रह

4410 किलोग्राम का यह उपग्रह अब तक का देश का सबसे भारी संचार उपग्रह होगा। इसमें कई उन्नत स्वदेशी तकनीकी घटक शामिल हैं, जिन्हें नौसेना की परिचालन और सामरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है।

देगा बेहतर कवरेज

जीसैट-7आर उपग्रह हिंद महासागर क्षेत्र में व्यापक और बेहतर दूरसंचार कवरेज प्रदान करेगा। इसके पेलोड में ऐसे उन्नत ट्रांसपोंडर लगाए गए हैं, जो विभिन्न संचार बैंडों पर ध्वनि, डेटा और वीडियो लिंक को सपोर्ट करने में सक्षम हैं।

नौसेना की दक्षता और क्षमता बढ़ाएगा जीसैट- 7 आर

श्रीहरिकोटा। इसरो की ओर से रविवार शाम प्रक्षेपित किया गया संचार उपग्रह जीसैट-7आर (सीएमएस-03) भारतीय नौसेना को अधिक दक्षता प्रदान करेगा।। यह उपग्रह भारतीय नौसेना का अब तक का सबसे उन्नत संचार प्लेटफॉर्म होगा जो इसकी अंतरिक्ष-आधारित संचार प्रणाली और समुद्री क्षेत्र जागरूकता क्षमताओं को अधिक बढ़ाएगा। उच्च क्षमता वाली बैंडविड्थ के साथ यह उपग्रह भारतीय नौसेना के जहाजों, विमानों, पनडुब्बियों और समुद्री संचालन केंद्रों के बीच सुरक्षित, निर्बाध तथा वास्तविक समय संचार को सुनिश्चित करेगा।

ब्रीफ न्यूज

प्रधानमंत्री 7 को दो दिवसीय दौरे पर पहुंचेंगे वाराणसी

वाराणसी। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने रविवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने दो दिवसीय दौरे पर 7 नवंबर को सायंकाल बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री हवाई अड्डे पहुंचेंगे। वहां उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। वहां से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सड़क मार्ग से सीधे बरेका गेस्ट हाउस पहुंचेंगे। तत्पश्चात् प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी दिन वरिष्ठ भाजपा नेताओं एवं प्रमुख लोगों के साथ बैठक करेंगे। पटेल ने बताया कि 8 नवंबर को पूर्वाह्न प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनारस रेलवे स्टेशन (मंडुआडीह) पर वाराणसी से खजुराहो तक चलने वाली वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

ट्रेन से गिरा राष्ट्रीय स्तर का तीरंदाज, मौत

कोटा। महाराष्ट्र के रहने वाले राष्ट्रीय स्तर के एक तीरंदाज की राजस्थान के कोटा जंक्शन पर ट्रेन से कथित तौर पर गिरने के कारण मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, नासिक निवासी अर्जुन सोनवाले (20) पंजाब के बठिंडा में एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद अपने साथियों और कोच के साथ घर लौट रहे थे। वह शकूर बस्ती-मुंबई सेंट्रल एसी स्पेशल ट्रेन से महाराष्ट्र जा रहे थे। रात करीब साढ़े आठ बजे कोटा जंक्शन पर ठहराव के लिए जब ट्रेन की गति धीमी हो रही थी, अर्जुन खाना खाने के लिए दूसरे डिब्बे में जाने के वास्ते बी4 डिब्बे के गेट पर खड़े थे, तभी गलती से फिसल गए तथा ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच के अंतराल में गिर गए।

46 से घटकर 38 रह गए नक्सल प्रभावित जिले

नई दिल्ली। भारत में नक्सल हिंसा से प्रभावित जिलों के वर्गीकरण की ताजा समीक्षा में पाया गया कि अप्रैल में नौ राज्यों में इनकी संख्या 46 थी जो अब घटकर 38 रह गई है और चिंताजनक जिलों की श्रेणी में केवल चार तथा सबसे अधिक प्रभावित जिलों की श्रेणी में महज तीन जिले रह गए हैं। यह समीक्षा 'वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिए राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015' के एक हिस्से के रूप में की गई।

सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था से ही पूरे होंगे सुशासन के लक्ष्य : योगी

मुख्यमंत्री ने डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में की शिरकत

● कहा- सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना ही जीवन का सर्वोच्च मंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुदृढ़ न्यायिक व्यवस्था ही सुशासन की आधारशिला है। न्याय जितना सशक्त होगा, समाज में व्यवस्था और विश्वास उतना ही गहरा होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता के लिए न्याय का सुदृढ़ तंत्र आवश्यक है।

मुख्यमंत्री रविवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (आरएमएलएनएलयू) लखनऊ के चतुर्थ दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सत्य बोलना और धर्म का आचरण करना केवल विश्वविद्यालय का दीक्षा मंत्र नहीं, बल्कि जीवन का सर्वोच्च मार्गदर्शन है। धर्म हमारे लिए केवल आस्था नहीं, बल्कि जीवन पद्धति का हिस्सा है। योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार न्यायिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। ई-कोर्ट प्रणाली, साइबर लॉ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित प्रशिक्षण पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

प्रदेश के दस जिलों में इंटीग्रेटेड कोर्ट कॉम्प्लेक्स के निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। जहां एक ही परिसर में सभी स्तरों के न्यायालय, अधिवक्ता कक्ष और आवासीय सुविधाएं उपलब्ध होंगी। महिलाओं और बच्चों से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए 380 से अधिक फास्ट ट्रैक और पॉक्सो कोर्ट स्थापित की गई हैं। इस अवसर पर सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली, प्रदेश मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, विवि के कुलपति प्रो. अमर पाल सिंह आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की विभिन्न पाठ्यक्रमों के 309 विद्यार्थियों को उपाधियां और 21 मेधावियों को स्वर्ण, रजत, कांस्य व स्मृति पदक प्रदान किए गए।

मेधावी छात्रा को उपाधि प्रदान करते मुख्यमंत्री योगी, सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली और कुलपति अमरपाल सिंह।

केस जीतने से जरूरी उसमें न्याय मिलना : न्यायमूर्ति सूर्यकांत

लखनऊ: देश के भावी प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि मैं जब लोकल कोर्ट में प्रैक्टिस करता था तब एक प्रापर्टी विवाद का केस अति आत्मविश्वास में हार गया था। उस दिन से मैं एक नोटबुक अपने पास रखने लगा। उसमें सबकुछ नोट करता हूं, ताकि रिव्यू कर सकूं। स्टेट में एडवोकेट जनरल रहने के दौरान भी मैंने बहुत कुछ सीखा। सेल्फ एग्जामिनेशन की आदत डाली। उन्होंने यह भी बताया कि मैंने ऐसे वकीलों को देखा है जो एक्सीलेंट थे। लेकिन खुद को अपग्रेड न करने की वजह से आउटडेटेड हो गए। डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने विधि विद्यार्थियों से यह भी कहा कि केस जीतने से ज्यादा महत्वपूर्ण न्याय मिलना है। 15 साल की प्रैक्टिस के बाद आप खुद से यह सवाल पूछेंगे कि क्या मेरे केस में आने वाला जजमेंट आगे के 100 केसों को हल करने में मदद करेंगे।

जोधपुर में हुए भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत

राजस्थान के जोधपुर जिले में हादसे के बाद टेंपो-ट्रैवलर से लोगों को निकालते लोग।

● धार्मिक कार्यक्रम से लौट रहे श्रद्धालुओं से भरा टेंपो ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकराया, दो लोग घायल

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के जोधपुर जिले में फलोदी के पास रविवार रात एक भीषण सड़क हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों के अनुसार हादसे में मरने वालों में ज्यादातर महिलाएं हैं। ये सभी लोग एक धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद लौट रहे थे।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा भारतमाला राजमार्ग पर मतोड़ा गांव के पास हुआ। यात्रियों को लेकर जोधपुर की ओर आ रहा एक टेंपो ट्रैवलर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गया। जोधपुर के पुलिस आयुक्त ओम प्रकाश ने इस हादसे में 15 यात्रियों की मौत और दो के गंभीर रूप से घायल होने की पुष्टि की। घायलों को पहले प्राथमिक उपचार के लिए ओसियां के अस्पताल ले जाया गया और बाद में जोधपुर रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार पीड़ित जोधपुर के सूरसागर इलाके के निवासी थे और बीकानेर के पास कोलायत में कपिल मुनि आश्रम में पूजा-अर्चना करने के बाद लौट रहे थे। सभी शवों को ओसियां के सरकारी अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हादसे पर शोक जताया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर लिखा, फलोदी के मतोडा में सड़क हादसे में 18 लोगों की मृत्यु का समाचार मिला है। मैं ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति और उनके परिजनों को हिम्मत देने की प्रार्थना करता हूं।

लोहे की रॉड से पीटकर पत्नी की हत्या

संवाददाता, मौदहा (हमीरपुर)

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के कम्हरिया गांव में शनिवार को पति-पत्नी के बीच हुए विवाद में कोटेदार पति ने पत्नी की लोहे की रॉड से पीट पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पति तीन वर्षीय बेटे को उसी कमरे में छोड़कर फरार हो गया। बच्चे के रोने की आवाज से लोगों को घटना की जानकारी हुई।

गांव निवासी कोटेदार मोइनुद्दीन पुत्र फखरुद्दीन का शनिवार देर रात पत्नी रोशनी (32) से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस पर कोटेदार ने लोहे की रॉड से पीट पीटकर पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद उसने अपने तीन वर्षीय बच्चे को उसी कमरे में बंद कर फरार हो गया। रविवार को तड़के कमरे के अंदर बंद कमरे में बच्चे के रोने की आवाज सुनकर परिजनों ने दरवाजा खोला तो रोशनी लहूलुहान शव मिला। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया वहीं आरोपी को हिरासत में लिया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि रोशनी की हत्या उसके पति मोइनुद्दीन ने ही की है।

रोशनी (फाइल)

● मौदहा कोतवाली क्षेत्र के कम्हरिया गांव का मामला तीन वर्षीय बेटे को उसी कमरे में छोड़कर फरार

महिला विश्व कप

अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगातीं शेफाली वर्मा।

भारत ने द. अफ्रीका को दिया 299 रनों का लक्ष्य

नवी मुंबई : भारत ने शेफाली वर्मा (87 रन) और दीप्ति शर्मा (58 रन) के अर्धशतक की बदौलत रविवार को यहां महिला वनडे विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट पर 298 रन बनाए। शेफाली ने वनडे में अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान सात चौके और दो छक्के लगाए। दीप्ति ने 58 गेंद में तीन चौके और एक छक्का जड़ा। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने 45 रन और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने 34 रन का योगदान दिया। दक्षिण अफ्रीका के लिए अयाबोंगा खाका ने तीन जबकि नोनकुलुलेको मलाबा, नादिन डि क्लर्क और चोले ट्रॉयोन ने एक एक विकेट झटके। समाचार लिखे जाने तक दक्षिण अफ्रीका ने 15 ओवर में दो विकेट खोकर 78 रन बनाए थे। (विस्तृत खेल पेज पर)

हवा की रफ्तार थमने से दिल्ली में और दमघोंटू हुआ प्रदूषण

नई दिल्ली। हवा की धीमी गति के कारण प्रदूषकों का फैलाव कम होने के बीच दिल्ली की हवा और ज्यादा दमघोंटू हो गई। राष्ट्रीय राजधानी का एक्यूआई रविवार सुबह 386 रहा, जबकि शनिवार को एक्यूआई 303 ही था। दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (एक्यूईडब्ल्यूएस) के अनुसार शनिवार शाम और रात के दौरान उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा की गति आठ किमी घंटे से कम हो गई, जिससे वायु प्रदूषण और सघन हो गया।

विकसित बिहार का मतलब है युवाओं को रोजगार देना

● मोदी बोले- जंगलराज को करना पड़ेगा करारी हार का सामना

● आरा में आयोजित चुनावी सभा में विपक्षी दलों पर साधा निशाना

आरा/नवादा, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि विकसित भारत की बुनियाद बिहार है और विकसित बिहार का अर्थ है राज्य के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना।

उन्होंने दावा किया कि इस बार बिहार की जनता राजग को रिकॉर्ड संख्या में सीट दिलाने जा रही है और जंगलराज को करारी हार का सामना करना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने आरा में आयोजित एक चुनावी सभा में कहा, राजग का घोषणापत्र बिहार के तेज विकास के लिए समर्पित एक दूरदर्शी दस्तावेज है। यह ईमानदार और स्पष्ट सोच वाला घोषणापत्र है, जबकि जंगलराज वाले झूठे वादों का पुलिंदा लेकर आए हैं। लेकिन, ये जनता है, सब जानती है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, किसानों के हित में कदम और महिलाओं के सशक्तीकरण के उपाय-ये सभी राजग के घोषणापत्र के प्रमुख बिंदु हैं। मोदी ने कहा, 1.30 करोड़ महिलाओं को उनके खातों में 10,000 रुपये मिले हैं।

कांग्रेस और राजद बिहार की पहचान मिटाना चाहते हैं : मोदी ने कहा, चाहे कांग्रेस हो या राजद, दोनों बिहार की पहचान मिटाना चाहते हैं। ये घुसपैठियों की रक्षा करना चाहते हैं। बिहार की जनता को तय करना है कि राज्य के संसाधनों पर हक बिहार के लोगों का होगा या घुसपैठियों का।

फैसला | छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य के आठ गांवों में प्रतिबंध लगाने वाली याचिकाओं का किया निपटारा

पादरियों-ईसाइयों के प्रवेश पर रोक का पोस्टर असंवैधानिक नहीं

बिलासपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य के आठ गांवों में पादरियों और धर्मांतरित ईसाइयों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने वाले होर्डिंग को हटाने के अनुरोध वाली दो याचिकाओं का निपटारा कर दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि ये होर्डिंग प्रलोभन या धोखाधड़ी के जरिये धर्मांतरण को रोकने के लिए लगाए गए थे और इन्हें असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु की खंडपीठ ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि संबंधित ग्राम सभाओं ने ये होर्डिंग स्थानीय जनजातियों और सांस्कृतिक विरासत के हितों की रक्षा के लिए एहतियाती उपाय के रूप में लगाए हैं। खंडपीठ ने कांकेर जिले के दिग्बल टांडी और बस्तर जिले के नरेंद्र भवानी की ओर से दायर याचिकाओं का निपटारा करते हुए 28 अक्टूबर को यह फैसला सुनाया। याचिकाकर्ताओं ने ईसाइयों और उनके धर्म गुरुओं को मुख्यधारा के ग्रामीण समुदाय से कथित तौर पर अलग-थलग किए जाने का मुद्दा उठाया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि पंचायत विभाग ने जिला पंचायत, जनपद पंचायत और ग्राम पंचायत को 'हमारी परंपरा, हमारी विरासत' नाम से प्रस्ताव/शपथ पारित करने का निर्देश दिया था। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि ग्राम पंचायत को भेजे गए परिपत्र का वास्तविक उद्देश्य उन्हें गांवों में पादरियों और 'धर्मांतरित ईसाइयों' के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने वाला प्रस्ताव पारित करने का निर्देश देना था। उन्होंने अदालत को बताया था कि कांकेर की भानुप्रतापपुर तहसील में घोटिया ग्राम पंचायत ने एक होर्डिंग लगाकर कहा है कि गांव 5वीं अनुसूची क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां पंचायत) अधिनियम 1996 के प्रावधान लागू हैं।

● कोर्ट ने कहा- ये होर्डिंग प्रलोभन या धोखाधड़ी के जरिये धर्मांतरण रोकने के लिए लगाए गए

पेसा नियम ग्राम सभा को स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी गतिविधि से रक्षा का देती है अधिकार

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि ग्राम सभा के होर्डिंग के आधार पर, अन्य गांवों के पादरियों और 'धर्मांतरित ईसाइयों' को धार्मिक कार्यक्रमों के लिए घोटिया में प्रवेश करने से रोका जाता है, जिससे अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों में भय की भावना पैदा होती है। याचिकाकर्ताओं के वकीलों ने दलील दी कि ग्राम सभाएं ऐसे प्रस्ताव पारित नहीं कर सकतीं, जो संविधान और कानून के खिलाफ हों। अतिरिक्त महाधिवक्ता वाईएस ठाकुर ने कोर्ट को बताया कि पेसा नियम ग्राम सभा को स्थानीय सांस्कृतिक विरासत को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी गतिविधि से रक्षा करने का अधिकार देता है। कहा कि उक्त होर्डिंग में इस बात का जिक्र किया गया है कि गांव में रहने वाले अनुसूचित जनजातियों के लोगों को लालच देकर धर्मांतरण कराया जा रहा है।

अमृत विचार

अयोध्या, सोमवार, 3 नवंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

स्टार्टअप्स को मिलेगी 50 करोड़ की फंडिंग

अमृत विचार, लखनऊ : भारत की पहली एआई ऑगमेंटेड मल्टीडिसिप्लिनरी चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने युवाओं में नवाचार और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए 'कैंपस टैंक' की शुरुआत की। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने इस अनूठे कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। छह मिलियन यूएस डॉलर (लगभग 50 करोड़ रुपये) की फंडिंग के साथ शुरू हुई यह पहल युवाओं को अपने स्टार्टअप आइडिया को हकीकत में बदलने का अवसर देगी। कैंपस टैंक के साथ ही चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने 'सीयू एआई स्पेस' की भी शुरुआत की। यह मंच छात्रों, स्टार्टअप्स और उद्योग विशेषज्ञों के लिए एआई आधारित रिसर्च, डेवलपमेंट और इनोवेशन का एक कोलैबोरेटिव वातावरण तैयार करेगा। इसमें अत्याधुनिक तकनीक और एआई उपकरणों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

बिजली विभाग में पुरानी सामग्री का होगा ऑडिट

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश का बिजली विभाग व्यवसायिक दृष्टिकोण से भी तमाम रणनीतियों पर क्रियाशील है। दरअसल, विद्युत वितरण व्यवस्था को सुधारने के लिए इसी व्यवसायिक योजना के तहत चल रहे ढांचागत विकास कार्य में निकलने वाली पुरानी सामग्री को जमा न करने पर कार्रवाई का निर्णय लिया गया है। पावर कारपोरेशन अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने बीते दिनों चेतावनी देते हुए कहा है कि निष्प्रयोज्य पुरानी सामग्री को विभागीय भंडार गृहों में वापस जमा कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसी सामाग्रियों का आडिट भी कराया जाए और जहां सामग्री मानक के अनुरूप वापस नहीं हुई हों, वहां जिम्मेदारी तय कर एक्शन लेने के साथ वसूली भी की जाए। चूंकि, विद्युत वितरण व्यवस्था के सुधार कार्यों में सामग्री बदल कर नयी लगाई जाती है, इसी क्रम में पुरानी सामग्री का अनुचित लाभ कोई न करे, इसी पर रोक लगाने के लिए ताजा हिदायत दी गई है।

भारत पर्व में बिखरी यूपी की संस्कृति

अमृत विचार, लखनऊ : गुजरात के एकता नगर में 1 से 15 नवंबर तक चल रहे भारत पर्व 2025 में उप्र. पर्यटन एवं संस्कृति विभाग उप्र. की सांस्कृतिक और लोक परंपराओं को प्रस्तुत कर रहा है। उप्र. पर्यटन के स्टॉल पर संगीत और पारंपरिक व्यंजनों का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। यह जानकारी उप्र. पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। पर्यटन मंत्री ने रविवार को जारी बयान में बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित भारत पर्व 2025 में उप्र. स्टॉल पर आगंतुकों के लिए राज्य के विभिन्न गंतव्यों की सचित्र जानकारी उपलब्ध होगी, जो राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विविधता और सामूहिक गौरव का संदेश देगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश के विभिन्न अंचलों से आए श्रेष्ठ लोक कलाकार अपने-अपने क्षेत्र की विशिष्ट लोक शैली का प्रदर्शन करेंगे।

अखिलेश ने गठबंधन के लिए मांगा वोट

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बिहार में इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित रैलियों में वादों की बौछार करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनेंगे तो आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे की तरह सड़क बनायेंगे। सपा प्रमुख ने रविवार को सराय रंजन, सीतामढ़ी, छपरा विधानसभा क्षेत्रों में तीन चुनावी जनसभाओं को सम्बोधित किया।

देव दीपावली पर लाखों दीपों से जगमग हुई काशी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : देव दीपावली के अवसर पर काशी प्रकाश, आस्था और संस्कृति के संगम से प्रकाशित हुई है। घाटों पर देव दीपावली समितियों और कुंडों व तालाबों पर स्थानीय समितियों द्वारा एक साथ लाखों दीप जलाए गए। पर्यटन विभाग और महोत्सव समिति, वाराणसी ने मिलकर 10 लाख से अधिक मिट्टी के दीप प्रज्जवलित किए। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।

पर्यटन मंत्री ने रविवार को बताया कि गंगा के घाटों और उसके पार के तटों को सम्मिलित कर कुल 20 सेक्टर बनाए गए थे। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इस मौके पर 25 मिनट का भव्य काशी-कथा 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग एवं लेजर शो का आयोजन किया गया। इस प्रस्तुति में काशी के प्राचीन गौरव, गंगा की महिमा और भगवान विश्वनाथ की नगरी की आस्था को आधुनिक तकनीक के माध्यम से दर्शाया गया। संयुक्त निदेशक दिनेश कुमार ने बताया कि इस दौरान 8 मिनट का विशेष लेजर शो हुआ, साथ ही श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार के सामने ग्रीन आतिशबाजी का आयोजन भी किया गया।

मानसिक रोगी बढ़ रहे, मगर मेडिकल कॉलेजों में सीटें नहीं

पद्माकर पाण्डेय, लखनऊ

- कॉलेजों में एमडी साइकेट्री की एक भी सीट नहीं बढ़ी
- प्रदेश में मानसिक रोग विशेषज्ञों की भारी कमी

अमृत विचार : भागदौड़ भरी जिंदगी, काम का दबाव और प्रतिस्पर्धा के इस दौर में मानसिक रोग चुनौती बनते जा रहे हैं। मानसिक रोग की दवाओं पर निर्भर रहने वालों की बड़ी संख्या है जो स्वयं को स्वस्थ मानते हैं। दफ्तरों से लेकर व्यापारिक जगत तक, तनाव से ग्रस्त लोगों की तादाद लगातार बढ़ रही है। रोगियों के सापेक्ष प्रदेश मानसिक रोग विशेषज्ञ तैयार करने के लिए मेडिकल कॉलेजों में एमडी (साइकेट्री) की नई सीट नहीं बढ़ाई गई हैं।

वर्तमान में प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में मानसिक रोग विशेषज्ञों की स्थिति बेहद चिंताजनक है। प्रदेश के 75 जिलों में महज 60 से 62 मानसिक रोग विशेषज्ञ ही कार्यरत हैं, जिनमें से 34 मनोरोग विशेषज्ञ नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के तहत संविदा पर कार्य कर रहे हैं। राज्य मानसिक स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.अरविंद श्रीवास्तव का कहना है कि अगर मेडिकल कॉलेजों में एमडी साइकेट्री की सीटें बढ़ाई जातीं, तो नियमानुसार हर नये मेडिकल कॉलेज को अनिवार्य सेवा बांड के तहत दो-दो साल के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर मिल सकते थे। इससे प्रदेश में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होता। दूसरी तरफ जानकारी के अनुसार, प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों ने नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी), नई दिल्ली से मानसिक रोग विषय में पीजी सीटों की मांग ही नहीं की होगी, जबकि अन्य विषयों में सीटों में इजाफा किया गया है।

किस मेडिकल कॉलेज में कितनी सीटें

प्रदेश के छह पुराने मेडिकल कॉलेजों में ही साइकेट्री में एमडी की सीमित सीटें हैं, तमाम नए मेडिकल कॉलेजों में विभाग ही स्वीकृत नहीं हैं। इनमें केजीएमयू, लखनऊ में सबसे ज्यादा 12 सीटें हैं, इनमें छह राज्य कोटे और छह ऑल इंडिया कोटे की शामिल हैं। आगरा के आईएमएमएच में आठ सीटें और एसएनएमसी में पांच सीट हैं, दोनों मेडिकल कॉलेजों की कुल 13 सीटों में सात ऑल इंडिया कोटे की हैं। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज की तीन सीटों में दो राज्य कोटे की हैं, मेरठ मेडिकल कॉलेज की तीन सीटों में मात्र एक राज्य की है, एमएलएन प्रयागराज मेडिकल कॉलेज की दो सीटों में एक-एक राज्य और ऑल इंडिया कोटे की हैं। इसके अलावा केन्द्रीय विश्वविद्यालय बीएचयू वाराणसी में छह सीटें, एएमयू अलीगढ़ में दो सीटें हैं, इन आठ सीटों में चार सीटें उत्तर प्रदेश कोटे में आती हैं।

निजी क्षेत्र में 75 सीटें

इस तरह सरकारी मेडिकल कॉलेजों से हर साल मात्र 41 मानसिक रोग विशेषज्ञ ही तैयार होते हैं। जबकि प्रदेश के कुल 23 निजी और अल्पसंख्यक मेडिकल कॉलेजों में क्रमशः 66 और 9 सीटें अल्पसंख्यक कोटे की हैं, यानी कुल 75 सीटों पर हर साल एमबीबीएस चिकित्सकों को दाखिला मिल रहा है।

> मंडल स्तर के अस्पतालों में विशेषज्ञों की तैनाती है, इसके अलावा हर जिला अस्पताल में मन कक्ष हैं, जहां चिकित्सक के अलावा एनएचएम के माध्यम से क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट की तैनाती है। अस्पताल आने वाले हर मानसिक रोगी को इलाज उपलब्ध हो रहा है।
>
> -डॉ.रतन पाल सिंह 'सुमन', स्वास्थ्य महानिदेशक, उप्र.

भरथापुर के पीड़ितों को बसाने के लिए योगी ने दिए 21.55 करोड़

बहराइच में नाव हादसे के पीड़ितों से की मुलाकात, 4-4 लाख की राहत राशि सौंपी

हादसे के प्रभावितों को चेक सौंपते मुख्यमंत्री योगी।

पीड़ित परिवारों को राहत सामग्री वितरित करते मुख्यमंत्री, साथ में अन्य।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने एक माह के भीतर पीड़ित परिवारों के विस्थापन का दिया निर्देश

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को बहराइच पहुंचकर हाल ही में नाव हादसे में अपनों को खो चुके परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी और हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस दुख की घड़ी में आपके साथ खड़ी है, किसी को भी बेघर या बेसहारा नहीं रहने दिया जाएगा।

योगी ने मौके पर पीड़ित परिवारों को चार-चार लाख रुपये की राहत राशि के चेक सौंपे। उन्होंने कहा कि हादसे से प्रभावित सभी परिवारों को शीघ्र राहत और पुनर्वास मिल सके, इसके लिए शासन स्तर पर विशेष व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भरथापुर के सभी विस्थापित परिवारों को अब सुरक्षित और बेहतर जीवन मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने घटना स्थल का हवाई सर्वेक्षण कर हालात का जायजा लिया और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली। इसके बाद जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि एक माह के भीतर भरथापुर के सभी पीड़ित परिवारों का विस्थापन पूरा किया जाए। इसके लिए 21 करोड़ 55 लाख रुपये की धनराशि तत्काल स्वीकृत कर दी गई है। योगी ने कहा कि भरथापुर के सभी परिवारों को उनके गांव के नाम से कॉलोनी बनाकर पुनर्वासित किया जाएगा। कॉलोनी में बिजली, पानी, सड़क, शौचालय, स्कूल और स्वास्थ्य केंद्र जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि किसी भी पीड़ित परिवार को असुरक्षित या असुविधाजनक स्थिति में नहीं रहने दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि भरथापुर के साथ-साथ बहराइच के उन अन्य गांवों की भी सूची तैयार की जाए जो जंगलों या नदी क्षेत्र के बीच बसे हैं। ऐसे सभी परिवारों को चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित स्थानों पर विस्थापित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि यदि इसके लिए अतिरिक्त बजट की आवश्यकता हो, तो प्रस्ताव तत्काल शासन को भेजा जाए। योगी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल मुआवजा देना नहीं, बल्कि स्थायी पुनर्वास और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना है। उन्होंने अफसरों को चेताया कि राहत और आवास प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि जंगलों में रह रहे अन्य परिवारों को भी चरणबद्ध तरीके से सुरक्षित स्थानों पर बसाया जाएगा, ताकि ऐसी दुर्घटनाएं दोबारा न हों।

हर महिला में जगे विश्वास कि न्याय व्यवस्था उसके साथ खड़ी है : नामित सीजेआई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति ने की एआई चैटबॉट 'न्याय मार्ग' की शुरुआत
- महिलाओं की न्यायिक सुरक्षा और प्रजनन स्वायत्तता पर की गई चर्चा

अमृत विचार : उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (यूपीएसएलएसए) द्वारा रविवार को न्यायिक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (जेटीआरआई), लखनऊ में कानूनी सहायता के माध्यम से प्रजनन स्वायत्तता में बाधाओं को दूर करना, विषय पर एक संवेदनशीलता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारत के सर्वोच्च न्यायालय एवं इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों की मौजूदगी में हुआ।

कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में नामित सीजेआई न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि परिस्थितियां कैसी भी हों, प्रत्येक महिला यह आत्मविश्वास पाने की अधिकारी है कि न्याय व्यवस्था उसके साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने उप्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की उपलब्धियों की सराहना करते हुए एआई चैटबॉट "न्याय मार्ग"की शुरुआत पर बधाई दी और कहा कि यह प्रयास लाभार्थियों और उनके अधिकारों के बीच की दूरी को पाटेगा।

लखनऊ : कार्यक्रम की दीप जलाकर शुरुआत करते न्यायमूर्ति सूर्यकांत।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने समाज में महिलाओं की स्थिति का उल्लेख किया और संकल्प कार्यक्रम जैसे प्रयासों की सराहना की, जो प्रजनन स्वायत्तता से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता को बढ़ावा देते हैं। न्यायमूर्ति अरुण भंसाली, मुख्य न्यायाधीश, इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने कहा कि यह कार्यक्रम तथा न्याय मार्ग चैटबॉट न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता व न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी ने डिजिटल माध्यमों द्वारा विधिक सहायता को अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाने पर बल दिया।

कभी नरम तो कभी गरम रहेगा मौसम का मिजाज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- नवंबर में रातें गर्म रहने का अनुमान, हो सकती है औसत से अधिक वर्षा

अमृत विचार : बीते दिनों उत्तर प्रदेश जहां मोंथा चक्रवात से प्रभावित रहा, वहीं अब आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज कभी नरम तो कभी गरम रहेगा। मौसम विभाग का अनुमान है कि नवंबर में रातें गर्म रहेंगी और ऐसा सामान्य से औसत मासिक न्यूनतम तापमान अधिक रहने के कारण होगा। इस बीच प्रशांत महासागर में उत्पन्न कमजोर ला-निना की परिस्थितियां नवंबर व दिसंबर में भी जारी रहेंगी। इन परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव से नवंबर में औसत से अधिक वर्षा भी संभव है।

दरअसल, मोंथा चक्रवात का प्रभाव पूर्वी उप्र. के साथ लखनऊ और आसपास के जिलों में खूब दिखाई दिया था। राज्य में अब मौसम बदल रहा है, ऐसे में नवंबर में रातें गर्म रहने का अनुमान है। सामान्य से औसत मासिक न्यूनतम तापमान अधिक रहने के कारण से ऐसा होगा। वहीं, प्रशांत महासागर में उत्पन्न कमजोर ला-निना की परिस्थितियों से नवंबर व दिसंबर में भी जारी रहने और उसके नकारात्मक हिंद महासागरीय द्विध्रुव परिस्थितियों के संयुक्त प्रभाव से नवंबर में औसत से अधिक बारिश संभव है।

कतार लगाने के बजाय इकाइयों से खाद लें किसान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कृषि मंत्री बोले- प्रदेश में है पर्याप्त खाद, किसानों को उनकी जोत के अनुपात में उपलब्ध

अमृत विचार: राज्य सरकार ने किसानों को कतार लगाने के बजाय अपनी सुविधानुसार इकाइयों से खाद लेने का सुझाव दिया है। स्पष्ट किया कि बीते साल की उपलब्धता 24.32 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष इस 1.59 लाख मीट्रिक टन अधिक खाद इस अवधि में उपलब्ध है।

कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने रविवार को विभागीय अधिकारियों के साथ खाद की ताजा उपलब्धता की समीक्षा की और अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से किसानों को आश्वस्त किया कि राज्य में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है जिसे किसानों को उनकी जोत के अनुपात में उपलब्ध कराया जा रहा है।

कृषि मंत्री ने कहा कि एमएफएमएस पोर्टल के अनुसार 2 नवंबर तक कुल 35.68 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हो चुका है, जिनमें से 9.77 लाख मीट्रिक टन की बिक्री की जा चुकी है। इस प्रकार राज्य में 25.91 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का स्टॉक किसानों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपलब्ध है। कृषि मंत्री ने कहा कि रबी सीजन के लिए उर्वरकों की उपलब्धता और वितरण पर निरंतर निगरानी रखी जा रही है।

भाजपा को जिताने की कोशिश कर रहीं मायावती : उदितराज

अमृत विचार, लखनऊ : दलित, ओबीसी, अल्पसंख्यक और आदिवासी संगठनों का परिसंघ (डोमा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उदित राज का आरोप है कि बसपा सुप्रीमो मायावती बिहार में भाजपा को जिताने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इसीलिए कांशीराम की पुण्यतिथि पर बसपा सुप्रीमो ने बिहार में भाजपा को जिताने के लिए लखनऊ में रैली की। रविवार को राजधानी के राज्य अतिथि गृह में उदितराज ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि एक ओर मायावती मुसलमानों को जोड़ने की बात करती हैं, लेकिन भाजपा के साथ सहानुभूति रखने के कारण ही वह वर्षों से जेल में बंद उमर खालिद, शरजील इमाम, मीरान हैदर और गुलफिशा फातिमा की जमानत पर प्रतिक्रिया नहीं देतीं।

माइक्रोप्लानिंग से तय होगी जीत : धर्मपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भाजपा ने शिक्षक-स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर बनाई रणनीति
- समीक्षा बैठक में मतदाता पुनरीक्षण पर खास जोर

अमृत विचार : भारतीय जनता पार्टी ने आगामी शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के एमएलसी चुनाव को लेकर अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। रविवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में हुई बैठक में प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने इसे प्रबंधन का चुनाव बताते हुए कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर माइक्रो प्लानिंग का मंत्र दिया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि बूथ स्तर पर सटीक रणनीति और सक्रिय कार्यकर्ता ही जीत का आधार हैं। हर कार्यकर्ता को मतदाता बनाने, उनसे संपर्क और अधिकतम मतदान सुनिश्चित कराने की जिम्मेदारी मिलेगी। धर्मपाल सिंह ने कहा कि यह चुनाव केवल संख्या नहीं, बल्कि समन्वय और रणनीति की परीक्षा है। धर्मपाल सिंह ने कहा कि पार्टी को समन्वय बनाकर काम करना होगा। प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी योग्यता के अनुसार जिम्मेदारी सौंपी जाए, ताकि हर स्तर पर प्रभावी परिणाम मिल सकें। उन्होंने कहा कि शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और विद्यालयों तक पहुंचकर मतदाता बनाने का काम किया जाए, वहीं स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में घर-घर संपर्क अभियान चलाकर मतदाता पंजीकरण बढ़ाया जाए।

लखनऊ में बैठक के दौरान उपस्थित प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह व अन्य।

उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे लक्ष्य तय कर टीम वर्क के जरिए काम करने से सफलता आसान होती है। कॉलेजों की सूची तैयार कर क्षेत्रवार समीक्षा और संवाद के फार्मूले पर काम करना जरूरी है। धर्मपाल ने कहा कि वर्तमान में पार्टी के आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान, सरदार पटेल 150वीं जयंती समारोह अभियान, वंदे भारत अभियान और बिरसा मुंडा जनजातीय गौरव अभियान के साथ-साथ मतदाता पुनरीक्षण अभियान चल रहे हैं। सभी अभियानों में सक्रिय सहभागिता के साथ एमएलसी चुनाव के लिए अधिक से अधिक मतदाता बनाना ही प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए।

बैठक में एमएलसी चुनाव के प्रदेश संयोजक एवं प्रदेश महामंत्री अमर पाल मौर्य ने अब तक हुए कार्यों का बिंदुवार ब्यौरा प्रस्तुत किया।

कर चोरी

राज्यकर विभाग के अधिकारियों की सुस्ती और मिलीभगत से फैल रहा फर्जी कंपनियों का जाल

तकनीक को हथियार बनाकर हो रही जीएसटी की जालसाजी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में 'एक टैक्स-एक राष्ट्र' की संकल्पना अब 'एक घोटाला-अनेक रूप' में बदलता दिख रहा है। मुरादाबाद, भदोही और महराजगंज सिर्फ बानगी है, जीएसटी लागू होने के आठ साल बाद भी कर चोरी का नेटवर्क पूरे प्रदेश में नई तकनीक और मिलीभगत से ज्यादा संगठित नजर आ रहा है।

प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद, भदोही और महराजगंज जैसे जिलों में लगातार ऐसे मामले उजागर हो रहे हैं, जो बताते हैं कि फर्जी कंपनियों और बोगस इनवॉइसिंग के जरिए सरकारी खजाने को करोड़ों का चूना लगाया जा रहा है, जबकि विभागीय स्तर पर कार्रवाई कागजी फाइलों में ही दम तोड़ देती है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में तीन वर्षों के दौरान जीएसटी फ्रॉड के मामले दोगुने हो गए हैं। वर्ष 2022-23 में अकेले 134 मामले सामने आए थे।

राज्य कर विभाग के सूत्रों के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में विभिन्न जिलों-शहरों में ऐसे मामलों का पूल बनता जा रहा है। उदाहरण के तौर पर, लखनऊ में दो कंपनियों के खिलाफ लगभग 7.35 करोड़ रुपये की कर चोरी की प्राथमिकी दर्ज की गई है। इन कंपनियों ने ऑनलाइन पंजीकरण कराकर खुद को सक्रिय दिखाया, लेकिन चुनौतियों में पाया गया कि उनका वास्तविक व्यापार पता मौजूद नहीं था और फर्जी बिल जारी करके कर चोरी हुई थी।

केस - 1

मुरादाबाद क्षेत्र में हाल ही में एक थोक गद्दा विक्रेता के गोदामों पर छापे में पाया गया कि कई गोदामों में पुराने इनवॉइस व किए गए कारोबार का रिकार्ड नहीं था। विभागीय टीमें आठ स्थानों पर एक साथ कार्रवाई में जुटीं, तो भ्रष्टाचार का बड़ा नेटवर्क सामने आया।

केस - 2

भदोही जिले में एक ट्रेडिंग फर्म पर आरोप है कि उसने लगभग 55 .49 रुपये करोड़ का घोटाला किया और अवैध इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के माध्यम से 7 .29 करोड़ रुपये की राशि का लाभ उठाया गया।

केस - 3

महराजगंज में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया, जिसमें एक दिव्यांग व्यक्ति के नाम पर फर्जी फर्म बनाई गई और उसे 86 लाख रुपये का जीएसटी नोटिस मिला। इस घोटाले ने न सिर्फ कर प्रणाली की साख को चुनौती दी है, बल्कि डिजिटल पहचान व दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न खड़े किए हैं।

फर्जी डेटा एंट्री के आगे फेल डिजिटल सिस्टम

- राज्य कर विभाग जीएसटी-टू ए, ई-वे बिल और डेटा एनालिटिक्स पर गर्व करता है, लेकिन यही डिजिटल सिस्टम फर्जी डेटा एंट्री के आगे पंगु साबित हो रहे हैं। कई व्यापारियों ने नाम बदलकर एक ही पते पर दर्जनों फर्में बना ली हैं। ईमेल और मोबाइल वेरिफिकेशन से आगे कोई भौतिक जांच नहीं होना, इसे और खतरनाक लूट में तब्दील करता जा रहा है। कई जिलों में स्थानीय कर अधिकारी, दलालों और सॉफ्टवेयर ऑपरेटरों का नेटवर्क सक्रिय है। विभाग ने कुछ फर्मों के पंजीकरण रद्द किए और विभागीय अधिकारीयों को निलंबित व जांच के घेरे में लाया गया है। मगर यह सवाल बना हुआ है कि व्यापक स्तर पर क्यों नियमों का उल्लंघन हो रहा है और निगरानी प्रणाली क्यों असमर्थ दिख रही

फर्जी इनवॉइस तैयार करने के लिए रेट तय

- फर्जी इनवॉइस तैयार करने के लिए 5 हजार से 10 हजार प्रति बिल तक का 'कट' तय होता है। कुछ मामलों में ऑडिट में मदद के नाम पर अनौपचारिक रेट तय कर दिए जाते हैं। प्रश्न यह है कि जब तकनीक और सिस्टम मौजूद हैं तो जिम्मेदारी तय क्यों नहीं होती? यह सिर्फ भ्रष्टाचार का मामला नहीं, बल्कि राजस्व और विश्वसनीयता दोनों की चोरी है। अगर तत्काल कदम नहीं उठाए गए तो डिफेंस कॉरिडोर, इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट और विकसित यूपी 2047 जैसे लक्ष्य साधना आसान नहीं होगा।

बागवानी में 390 घंटे का निःशुल्क प्रशिक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्रशिक्षण के लिए राज्य के विभिन्न मंडलों में केंद्र नामित

अमृत विचार : राज्य सरकार बागवानी क्षेत्र में रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक योजना शुरू कर रही है। इसके लिए उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा वर्ष 2025-26 में निःशुल्क माली प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि आवास, भोजन, प्रशिक्षण सामग्री एवं यात्रा व्यय भी सरकार वहन करेगी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण 390 घंटे (लगभग 50 दिन) का दिया जाएगा । इस प्रशिक्षण के लिए राज्य के विभिन्न मंडलों में केंद्र नामित कर दिए गए हैं। नामित केन्द्रों में लखनऊ में मलिहाबाद केंद्र अंतर्गत अयोध्या, बरेली, देवीपाटन मंडल और आलमबाग केंद्र अंतर्गत लखनऊ, झांसी, वाराणसी मंडल, बस्ती केंद्र अंतर्गत बस्ती, गोरखपुर, आजमगढ़ मंडल, प्रयागराज केंद्र में प्रयागराज, मीरजापुर, चित्रकूट मंडल, सहारनपुर केंद्र अंतर्गत सहारनपुर, मुरादाबाद, मेरठ मंडल और कन्नौज केंद्र अंतर्गत कानपुर, आगरा, अलीगढ़ मंडल नामित किए गए हैं, इनमें किसी भी जिले का नागरिक अपने निकटतम प्रशिक्षण केंद्र पर पंजीकरण कर सकता है।

जमीन से 191 फिट ऊंचे राम मंदिर के शिखर पर होगा ध्वजारोहण

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री सहित अतिथियों को दिया गया न्योता, 25 को सुबह 10 बजे प्रधानमंत्री के आने की उम्मीद ■ तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: श्री राम मंदिर के शिखर पर 25 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ध्वजारोहण करेंगे। यह देश के सभी मंदिरों से ऊंचा ध्वज होगा। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का दावा है कि धरती से मंदिर के 191 फीट ऊपर ध्वजारोहण का यह पहला अवसर होगा। इस आयोजन को संपन्न कराने के लिए सेना के एक्सपर्ट जवानों की भी मदद ली जा रही है।

राम मंदिर का विहंगम दृश्य

श्रीराम जन्मभूमि परिसर में ध्वजारोहण के कार्यक्रम की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस आयोजन में शामिल होने वाले 8000 अतिथियों की बैठने की व्यवस्था की जा रही है। 25 नवंबर को प्रधानमंत्री के आगमन के मद्देनजर आदि गुरु शंकराचार्य द्वार पर सजावट का कार्य किया जा रहा है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कार्यक्रम की जानकारी दी। बताया कि राम मंदिर बनकर तैयार हो गया है। दर्शनार्थी राम दरबार के भी दर्शन कर रहे हैं, परकोटा के सभी मंदिर तैयार है। इसमें छः मंदिरों को तैयार किया गया है। इनमें प्रतिमाओं को स्थापित कर पूजन का कार्य किया जा रहा है। कलश स्थापना और दंड भी लगाए जा चुके हैं। शेषावतार समेत इन मंदिरों पर भी ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा।

- ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का दावा, पहली बार हिंदुस्तान में ऐसा होगा
- शेषावतार समेत परकोटा के छह मंदिरों पर भी होगा ध्वजारोहण

कहा श्रद्धालुओं से संबंधित वह सभी योजनाएं पूर्ण हो चुकी है। मंदिर परिसर में सप्त ऋषियों के मंदिर भी बनकर तैयार हो गए हैं, कुबेर टीला पर जटायु की विशाल प्रतिमा स्थापित है।अंगद टीला पर गिलहरी की मूर्तियों को स्थापित किया गया है। इसके अलावा यात्री सुविधा केंद्र भी बनकर तैयार हो गया हैं जहां प्रति दिन 80000 से अधिक श्रद्धालु अपने सामानों को रख सकते है। वर्षा काल में बचाव के लिए प्रवेश द्वार और विकास मार्ग पर कैनोपी लगाए जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है।

संघ प्रचारक व राम मंदिर में होने वाले कार्यक्रम के व्यवस्था प्रभारी गोपाल जी राव ने बताया कि 25 नवंबर की कार्यक्रम को लेकर मात्र 20 दिन बचे है। एलएंडटी और टाटा कंस्ट्रक्शन दोनों अपनी भूमिका अच्छे से निभा रहे हैं। सभी ओर से काम चल रहा है परकोटा का निर्माण कार्य हो चुका है।फिनिशिंग के साथ फ्लोरिंग, प्लंबरिंग और ग्रीनरी के साथ सड़क बनाने का कार्य किया जा रहा है। एक साथ सभी दिशाओं में कार्य चल रहा है, जिसमें ढाई हजार मजदूर काम कर रहे है। उम्मीद जताई कि 15 नवंबर तक सभी कार्य पूर्ण हो जाएंगे। कुछ छोटा-मोटा कार्य बचा रहेगा तो 25 के बाद करेंगे।

न्यूज ब्रीफ

मां-बेटे ने मिलकर श्रद्धालुओं को पीटा, केस

अयोध्या, अमृत विचार : कोतवाली अयोध्या अंतर्गत तुलसी उद्यान के पास शनिवार की शाम मामूली बात पर मां-बेटे व अन्य ने मिलकर कुछ श्रद्धालुओं की पिटाई कर दी। पंचकोसी परिक्रमा मेले के दौरान हुई मारपीट से यहां अफरा तफरी मच गई। पीड़ित वेद प्रकाश आचार्य निवासी रघुनाथ कुंज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शनिवार को उनके परिवार के कुछ लोग अयोध्या आए थे। शाम करीब चार बजे तुलसी उद्यान के पास कुछ दुकानदारों ने उनसे अभद्रता की। जब मैं वहां पहुंचा तो दुकानदार शिवकुमारी व उनके पुत्र प्रेम व अन्य तीन-चार लोगों ने मिलकर उन्हें पीटा। इसमें परिवार की कुछ महिलाओं को चोट भी आई। अयोध्या कोतवाल मनोज कुमार शर्मा ने बताया की तहरीर के आधार पर मां-बेटे के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

गोपालगंज पहुंचा अयोध्या कांग्रेस का प्रचार दल

अयोध्या, अमृत विचार : कांग्रेस जिलाध्यक्ष चेतनारायण सिंह, महानगर कांग्रेस अध्यक्ष सुनील कृष्ण गौतम, जिला प्रवक्ता शीतला पाठक के नेतृत्व में अयोध्या कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल बिहार विधानसभा चुनाव में प्रचार-के लिए गोपालगंज पहुंच गया। जिलाध्यक्ष सिंह ने बताया कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के निर्देश पर गोपालगंज विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी ओम प्रकाश गर्ग और कूचायकोट विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी हरि नारायण कुशवाहा के पक्ष में जनसंपर्क एवं प्रचार कार्य कर रहा है। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य लोगों से कांग्रेस पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों को साझा कर रहे हैं।

होटल, गेस्ट हाउस और होम स्टे की बुकिंग में तेजी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : रामनगरी अयोध्या एक बार फिर भक्ति और उत्साह के रंग में रंगने को तैयार है। 25 नवंबर को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में होने वाले ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह में श्रद्धालुओं व पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद यह पहला बड़ा धार्मिक आयोजन है, जिसमें देश-विदेश से करीब 10 हजार मेहमान, संत-महात्मा और वीआईपी शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं, होटल, गेस्ट हाउस और होम स्टे में बुकिंग की होड़ मची हुई है। व्यापारियों के चेहरों पर लंबे समय बाद फिर रौनक देखने को मिल रही है।

- राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह में भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद
- व्यापारियों के चेहरे पर लौटी रौनक, कारोबार में आई तेजी

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार 21 से 25 नवंबर तक चलने वाले इस समारोह का मुख्य आकर्षण 25 नवंबर को आठ मंदिरों के शिखरों पर भगवा ध्वज फहराना होगा। इस समारोह की घोषणा होते ही अयोध्या में पर्यटन का ग्राफ चढ़ता नजर आ रहा है। अभी से शहर के होटल, गेस्ट हाउस, होम स्टे आदि में ऑनलाइन बुकिंग शुरू हो गई। हाल यह है कि बड़े होटलों ने समारोह के आसपास दिनों में कमरों के रेट को दोगुना कर दिया है। स्थानीय होटल व्यवसायी जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में भीड़ कम होने से कारोबार मंदा पड़ा था। नवंबर में समारोह की घोषणा के बाद से ऑनलाइन बुकिंग की बाढ़ आ गई है। 21 से 25 नवंबर के बीच बुकिंग लगभग फुल हो गई है। होम स्टे संचालक बीएन मिश्र ने बताया कि विदेशी पर्यटक भी राम मंदिर के दर्शन के लिए आ रहे हैं। इसके अलावा पूरे देश से लोग ऑनलाइन नंबर प्राप्त कर बुकिंग के लिए संपर्क कर रहे हैं।

व्यापारियों का बढ़ा उत्साह, शुरू की तैयारियां

रामनगरी के व्यापारियों में उत्साह का ठिकाना नहीं है। राम मंदिर के आसपास के बाजारों में पूजा सामग्री, मिठाई, स्मृति चिन्ह और पारंपरिक वस्त्रों की बिक्री में 50 फीसदी की तेजी आई है। उ.प्र. उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अयोध्या धाम के अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने बताया कि समारोह के दौरान भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। इससे व्यापार में भी उछाल आएगा। इसको लेकर व्यापारियों ने अभी से तैयारियां कर दी है। कहा कि यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि आर्थिक पुनरुत्थान का प्रतीक भी बनेगा। अयोध्या के व्यापारियों को उम्मीद है कि इससे स्थानीय रोजगार बढ़ेगा और कारोबार में स्थिरता आएगी। व्यापारी नेता राकेश गुप्त ने बताया कि दीपावली से व्यापार में तेजी आई है। नवंबर में समारोह के बाद से माघ मेला तक व्यापार में तेजी रहेगी।

कराएं किसान रजिस्ट्री, पाएं लाभ

अयोध्या, अमृत विचार: फार्मर रजिस्ट्री न कराने वाले किसान पीएम किसान निधि सहित अन्य सरकारी योजनाओं से वंचित हो सकते हैं। फार्मर रजिस्ट्री सभी किसानों को कराना अनिवार्य है। सहायक विकास अधिकारी कृषि रंजीत तिवारी ने बताया कि चाहे वह पीएम किसान निधि का लाभार्थी हो या न हो। लेकिन रजिस्ट्री कराना जरूरी है। पीएम की अगली किश्त प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। फसल बीमा, कृषि निवेश, केसीसी की सहायता त्वरित और आसानी से प्राप्त करने के लिए फार्मर रजिस्ट्री नितांत आवश्यक है। रजिस्ट्री जनसेवा केंद्र, सहायक एप और ग्रामवार लगने वाले कैंप के जरिए करा सकते है।

संतों ने मां सरयू को अर्पित की 101 मीटर लंबी चुनरी

सरयू के तट पर मां सरयू को चुनरी अर्पित करते संत-महंत। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

- बैंड बाजे के साथ हनुमानगढ़ी से निकाली शोभायात्रा, दिखाए करतब

अमृत विचार: बड़े भक्तमाल मंदिर के संस्थापक महंत रामशरण दास जी महाराज के 50वें साकेतोत्सव के अवसर पर रविवार को मां सरयू को 101 मीटर चुनरी अर्पित करने के लिए भव्य शोभायात्रा निकाली गई। मंदिर के बड़े महंत कौशल किशोर दास महाराज के सानिध्य और वर्तमान महंत अवधेश कुमार दास महाराज के संयोजन में हनुमानगढ़ी के शाही निशान, बैंड-बाजे एवं दर्जनों रथों के साथ यह शोभायात्रा बड़े भक्तमाल मंदिर से प्रारंभ हुई।शोभायात्रा हनुमानगढ़ी, श्रृंगारहाट, लता मंगेशकर चौक होते हुए मां सरयू के तट पर पहुंची। वहां सर्वप्रथम शाही निशान का पूजन किया गया। इसके बाद मां सरयू को सवा कुंतल दूध से अभिषेक किया गया। फल-फूल अर्पित किए गए। संत-महंतों ने आरती उतारी। इसके बाद सभी संतों ने मां सरयू को चुनरी अर्पित की। शोभायात्रा में हनुमानगढ़ी के नागा संतों ने अद्भुत करतब दिखाकर भक्तों का मन मोह लिया।

महंत अवधेश कुमार दास महाराज ने कहा कि बड़े भक्तमाल महाराज के आशीर्वाद से आश्रम में निरंतर सेवा कार्य चल रहा है। प्रतिवर्ष सरयू माता को चुनरी अर्पित की जाती है। भंडारा आयोजित होता है, लेकिन इस वर्ष श्री महाराज जी का 50वां साकेतोत्सव होने के कारण यह आयोजन विशेष है। बताया कि पंचकोसी परिक्रमा के तहत भगवान राम की सेवा करने वाले भक्तों को प्रतिदिन सम्मानित किया जा रहा है। चुनरी महोत्सव में चक्रवर्ती सम्राट दशरथ जी के राजमहल बड़ा स्थान के पीठाधीश्वर महंत बिंदुगद्याचार्य स्वामी देवेंद्रप्रसादाचार्य, जानकी घाट बड़ा स्थान के महंत जन्मेजय शरण, बावन मंदिर के महंत वैदेही वल्लभ शरण, तुलसीदास छावनी के महंत जनार्दन दास, महंत रामजी शरण, राम कचेहरी महंत शशिकांत दास, पत्थर मंदिर के महंत मनीष दास, श्रृंगीऋषि आश्रम के पीठाधीश्वर महंत हेमंत दास, कृष्ण गोपाल दास, महंत नागा रामलखन दास सहित सैकड़ों संत-महंत मौजूद रहे।

छात्रवृत्ति पोर्टल ब्लैक आऊट, छात्र परेशान

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : बीते शिक्षा सत्र में संस्थानों की लापरवाही से छूटे छात्रों को मिलने वाली छात्रवृत्ति की आवेदन प्रक्रिया ठप हो गई है। लखनऊ स्थित छात्रवृत्ति पोर्टल पिछले तीन दिनों से ठप्प पड़ा है, जिससे अयोध्या के ग्रामीण और शहरी इलाकों के विद्यार्थी आवेदन तक नहीं भर पा रहे। शुक्रवार अंतिम तिथि थी, लेकिन तकनीकी खराबी ने सबकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

कॉलेजों और स्कूलों से जुड़े छात्रों ने बताया कि वे सुबह से रात तक पोर्टल पर ट्राई करते रहे, लेकिन न फॉर्म सबमिट हो रहा, न प्रिंटआउट निकल पा रहा। छात्रा अशिंका तिवारी ने कहा हमारे गांव में 50 से ज्यादा बच्चे इसी छात्रवृत्ति पर निर्भर हैं। संस्थान की गलती से पिछले साल छूट गए थे, अब ये क्या हो गया? सरकार ने तो वादा किया था। बीते शैक्षिक सत्र 2024-25 में संस्थानों की चूक से वंचित रह गए इन छात्रों के लिए शासन ने विशेष निर्देश जारी किए थे। लेकिन पोर्टल की इस 'डिजिटल ब्लैकआउट' ने पूरी अयोध्या बेल्ट को प्रभावित कर दिया है। समाज कल्याण विभाग में उच्चाधिकारियों की आपात बैठक बुलाई गई है, जहां समय-सीमा बढ़ाने पर चर्चा चल रही है। सूत्रों के मुताबिक अगले 48 घंटों में फैसला हो सकता है।

- तीन दिनों से ठप छात्र वृत्ति पोर्टल, विद्यार्थी आवेदन से वंचित

> छात्रवृत्ति पोर्टल में लखनऊ से दिक्कत है। आज रात तक या कल सुबह तक ठीक हो जाएगा। संभवत: आवेदन तिथि भी विस्तारित की जा सकती है। है।
> **- आरबी सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी**

स्थानीय छात्र संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द राहत न मिली तो धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी आरके पांडेय ने रविवार को बताया कि पोर्टल न चलने से बड़ी संख्या में छात्र विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन में पूछने आ रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन को भी इसकी कोई जानकारी नहीं है। आनलाइन आवेदन होने के कारण स्थानीय स्तर पर कोई मदद भी नहीं की जा सकती है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सदस्य अंकित मिश्रा ने बताया कि पोर्टल न चलने की शिकायत को लेकर लखनऊ ईकाई से संपर्क किया गया है।

उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह को नियुक्ति पत्र सौंपते पूर्व सांसद डॉ. निर्मल खत्री। अमृत विचार

सुरेंद्र सिंह बने कांग्रेस उद्योग प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष

अयोध्या, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक जायसवाल ने पूर्व सांसद डा. निर्मल खत्री की संस्तुति पर युवक कांग्रेस व आईआईए के पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह को उद्योग व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। जायसवाल ने अपेक्षा की है कि नवनियुक्त जिलाध्यक्ष संगठन से ज्यादा से ज्यादा व्यापारियों को जोड़कर कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाएंगे। राहुल गांधी के नेतृत्व को बल प्रदान करेंगे। जिला प्रवक्ता शीतला पाठक ने बताया पूर्व सांसद खत्री ने नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें बधाई दी। मौके पर कांग्रेस की जिलाध्यक्ष चेतनारायण सिंह, महानगर अध्यक्ष सुनील कृष्णा गौतम, पूर्व जिलाध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह, रामदास वर्मा, पीसीसी उग्रसेन मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष राजकुमार पांडे, जिला महासचिव बृजेश रावत, कविंद्र साहनी, प्रवीण श्रीवास्तव, फ्लावर नकवी आदि ने श्री सिंह को बधाई दी।

अवध विवि में नैक मूल्यांकन की तैयारी तेज, 28 समितियां जुटा रहीं आंकड़े

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक के आगामी मूल्यांकन के लिए तैयारियां चरम पर पहुंच गई हैं। कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए 28 विशेषज्ञ समितियों का गठन किया है। ये समितियां विभिन्न शैक्षणिक विभागों, प्रशासनिक खंडों और सहायक इकाइयों से जुड़ी हैं, जो विश्वविद्यालय की गुणवत्ता को सिद्ध करने वाले आंकड़ों को तत्परता से संग्रहित करने में लगी हुई हैं।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने निर्देश दिया कि नैक मूल्यांकन में शैक्षणिक उत्कृष्टता, अनुसंधान उत्पादकता, बुनियादी सुविधाओं, छात्र संतुष्टि और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे मानदंडों पर पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। समितियां पाठ्यक्रम अद्यतनीकरण, फैकल्टी योग्यता, लाइब्रेरी संसाधन, खेलकूद व्यवस्था, प्लेसमेंट आंकड़े, पर्यावरण संरक्षण प्रयास और डिजिटल पहल जैसे क्षेत्रों से प्रमाणित डेटा एकत्र कर रही हैं। उन्होंने जोर दिया कि सभी दस्तावेज सटीक, अद्यतन और ऑडिट-योग्य हों, ताकि विश्वविद्यालय 'A' ग्रेड या उससे ऊपर का प्राप्त कर सके।मीडिया प्रभारी आरके पांडेय ने बताया कि यह अभियान गति पकड़ चुका है। मूल्यांकन टीम के दौरे से पूर्व एक व्यापक पोर्टफोलियो और मॉक ऑडिट आयोजित किया जाएगा। छात्र संघों को भी प्रक्रिया में शामिल किया गया है, जहां वे सर्वेक्षणों के जरिए सकारात्मक फीडबैक प्रदान कर रहे हैं।

नंदीग्राम महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम

मसौधा, अयोध्या

अमृत विचार: गोविंद बोलो हरि गोपाल बोलो... राधारमन हरि गोपाल बोलो...। जैसे अनेकों रसधार कीर्तन और भजनों की बेजोड़ प्रस्तुतियों ने नंदीग्राम महोत्सव की सांस्कृतिक संध्या के कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। 251 जड़ी बूटी से आयोजित महायज्ञ के प्रति लोगों का आकर्षण है।

महोत्सव के धार्मिक अनुष्ठानों के बीच रात्रिकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ यज्ञाध्यक्ष भिखारी बाबा जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी, छोटी छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास ने योगिराज भरत के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। महंत परमात्मा दास, बाल कथा व्यास संपूर्णानंद और भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष कमला शंकर पांडे ने अतिथियों को माल्यार्पण कर अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भोजपुरी गीतों, भजनों, लोकगीतों ने लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शशिकांत द्विवेदी के भजन, मनीष कुमार के फरवाही नृत्य, आराध्या गौतम के नृत्य की प्रस्तुति पर महिलाएं और मौजूद सभी लोग झूमने लगे। दिल्ली के मशहूर गायक शनि द्विवेदी ने अपने भजनों से समा बांध दिया।

नंदीग्राम महोत्सव में बीकापुर विधायक डॉ. अमित सिंह चौहान को स्मृति चिन्ह देते महोत्सव आयोजक संत परमात्मा।

- नंदीग्राम महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम-आकर्षण का केंद्र 251 जड़ी-बूटियों से पांच कुंडीय महायज्ञ

कार्यक्रम में बीकापुर विधायक डा. अमित सिंह चौहान, शैलेन्द्र पांडेय मोनू, कृपानिधान तिवारी, विनोद कुमार पांडे, रमाकांत पांडेय, सोमनाथ बाबा, विमल दुबे, सूर्य कांत पांडेय, सोनू पांडेय, विवेकानंद तिवारी, अमित सिंह सहित अन्य से पंडाल खचाखच भरा रहा। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थानाध्यक्ष पूराकलंदर संजीव सिंह, चौकी प्रभारी भदरसा कमलेश साहनी दलबल के साथ मुस्तैद रहे।

ब्रेन हैमरेज से हुई थी नवजात की मौत

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : रुदौली कोतवाली क्षेत्र में 24 अक्टूबर को शारदा सहायक नहर के पास मिले नवजात शिशु की मौत ब्रेन हेमरेज से होने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने शव की पहचान न हो पाने के कारण 72 घंटे बाद पोस्टमॉर्टम कराया था। पुलिस के अनुसार मृत नवजात की उम्र दो से तीन दिन की लग रही थी। संभावना है कि जन्म के तुरंत बाद ही बच्चे को नहर में फेंक दिया गया था। पहचान के लिए आसपास के इलाकों और निजी अस्पतालों से संपर्क किया जा रहा है। सीओ रुदौली आशीष निगम ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के अनुसार शिशु की मौत ब्रेन हेमरेज और इंट्राक्रैनील ब्लीड से हुई है। अभी तक बच्चे की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि अस्पताल से शिशु नहर तक कैसे पहुंचा। इसके लिए फुटेज खंगाले जा रहे हैं और आसपास के अस्पतालों में पूछताछ चल रही है। संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- 24 अक्टूबर को शारदा सहायक नहर के पास मिला था शव

बोर्ड परीक्षा | ऑनलाइन होगा परीक्षा केंद्रों का निर्धारण, नवंबर के लिए जारी की गई कार्यों की समय सारणी

बोर्ड के साथ जिला प्रशासन ने शुरू की परीक्षा तैयारी

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। बोर्ड ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षक को नवम्बर में होने वाले विभिन्न कार्यों की पूरी समय सारणी भेज दी है। इस बार परीक्षा केंद्रों का निर्धारण पूरी तरह से आनलाइन होगा। गत वर्ष जिले में 461 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे इस बार यह संख्या बढ़ सकती है। परीक्षा केंद्रों का ऑनलाइन निर्धारण शुचिता और विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए किया जा रहा है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपदीय केंद्र निर्धारण समिति और तहसील स्तरीय सत्यापन समितियां पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगी। सभी विद्यालयों, छात्रों, अभिभावकों और प्रबंधकों से अपील की गई है कि निर्धारित समयसीमा में ऑनलाइन भागीदारी सुनिश्चित करें और कोई आपत्ति या सुझाव पोर्टल पर समय से दर्ज करें। जिला स्तर पर बोर्ड परीक्षा के लिए आठ सदस्यों वाला पैनल बनाया जाएगा। यह पैनल आगामी दिनों में जिला और तहसील स्तरीय समितियों से समन्वय बना कर बोर्ड परीक्षा की तैयारी कराएगा।

बोर्ड परीक्षा की चरणबद्ध प्रक्रिया

- **10 नवंबर तक** - विद्यालयों से भौतिक संसाधनों (कक्षाएं, फर्नीचर, सीसीटीवी आदि) का विवरण ऑनलाइन अपलोड
- **17 नवंबर तक** - तहसील स्तरीय समिति से भौतिक सत्यापन।
- **24 नवंबर तक** - सत्यापित रिपोर्ट ऑनलाइन अपलोड।
- **27 नवंबर तक** - परिषद द्वारा चयनित केंद्रों की प्रारंभिक सूची जारी।
- **28 नवंबर** - डिबार और अनर्ह विद्यालयों की सूची प्रदर्शित।
- **4 दिसंबर तक** - आपत्तियां/प्रत्यावेदन ऑनलाइन दर्ज करने की अंतिम तिथि।
- **11 दिसंबर तक**-जिला विद्यालय निरीक्षक से आपत्तियों का निस्तारण
- **17 दिसंबर तक** - अनुमोदित केंद्र सूची वेबसाइट पर अपलोड
- **22 दिसंबर तक** - पुन: आपत्ति दर्ज करने की सुविधा।
- **30 दिसंबर तक**- अंतिम परीक्षा केंद्रों की सूची होगी जारी।

> यह प्रक्रिया बोर्ड परीक्षाओं को नकल-विहीन बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह नई व्यवस्था पिछले वर्षों की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए लागू की जा रही है, जिससे परीक्षा केंद्रों का चयन निष्पक्ष और तकनीकी रूप से मजबूत हो। **- डॉ. पवन कुमार तिवारी, डीआईओएस**

पंडित रामकिंकर सम्मान से सम्मानित हुए साहित्यकार यतींद्र मिश्र, महेंद्र मोहन व कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: रामनगरी अयोध्या के परिक्रमा मार्ग स्थित रामायणम आश्रम में युग तुलसी पद्मभूषण रामकिंकर उपाध्याय के 101वें प्राकट्य उत्सव पर रविवार को पंडित राम किंकर सम्मान समारोह से तीन विभूतियों को अलंकृत किया गया। साहित्यकार यतींद्र मिश्र, महेंद्र मोहन व कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को आश्रम की परमाध्यक्ष मंदाकिनी रामकिंकर ने रामकिंकर सम्मान से सम्मानित किया। महेंद्र मोहन व सुनील शर्मा कतिपय कारणों से समारोह में नहीं पहुंच सके। इसके अलावा एनसीबीटी-औरंगाबाद के डायरेक्टर हर्षवर्धन जाजू को भी सम्मानित किया गया।

रामायणम आश्रम में आयोजित सम्मान समारोह में शामिल अतिथि।

प्रतिष्ठित पीठ रामायणम आश्रम में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अध्यात्म व धर्म के मर्मज्ञ महंत मिथिलेश नंदिनी शरण ने वनवास की लीला का जिक्र करते हुए कहा कि लोकतंत्र को बहुमत से जीतने की व्याधि ने ग्रस लिया है। रामजी ने कभी समर्थन की चिंता नहीं की। सारी अयोध्या उन्हें वन जाने से रोक रही थी, उनके समर्थन में थी, लेकिन उन्होंने समर्थन की चिंता नहीं की।मिथिलेश नंदिनी ने कहा कि पद्मभूषण रामकिंकर ने रामचरित मानस की असाधारण, मौलिक व नवीन व्याख्या की। वरिष्ठ साहित्यकार यतींद्र मिश्र ने कहा कि अयोध्या की मिट्टी में तुलसी की वाणी और रामकिंकर की तपस्या की सुगंध है। रामायणम आश्रम की परमाध्यक्ष मंदाकिनी रामकिंकर ने कहा कि रामचरित मानस सनातन धर्म की निधि तो है, अब संपूर्ण विश्व की एक अमूल्य धरोहर घोषित हो चुकी है। मानस का प्रत्येक शब्द मंत्रात्मक है। हमारी चिंता जेन-जेड यानी युवा पीढ़ी है। मानस को पाठ्य तो बना दिया है, प्रयोग बनाना बाकी है।

- पद्मभूषण रामकिंकर ने की रामचरित मानस की असाधारण, मौलिक व नवीन व्याख्या-मिथिलेश

कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर 35 घंटे बंद रहेगा हाईवे

चार नवंबर की दोपहर 12 बजे से पांच नवंबर की रात 11 बजे तक लागू रहेगा डायवर्जन

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : चौदह कोसी व पंचकोसीय परिक्रमा में उमड़ी भारी भीड़ को देखते हुए यातायात पुलिस ने कार्तिक पूर्णिमा मेले पर हाईवे व अयोध्या धाम में डायवर्जन लागू करने का निर्णय लिया है। प्रशासन द्वारा जारी डायवर्जन प्लान के अनुसार चार नवंबर की दोपहर 12 बजे से पांच नवंबर की रात 11 बजे तक या भीड़ रहने तक हाईवे पर सभी प्रकार के मालवाहक वाहन जैसे ट्रक, डीसीएम व ट्रैक्टर आदि का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इन वाहनों को डायवर्ट कर अन्य मार्ग से गंतव्य को भेजा जाएगा। एसपी यातायात एपी सिंह ने बताया कि यह डायवर्जन श्रद्धालुओं व आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों पर लागू नहीं होगा।

हाईवे पर इस तरह रहेगा डायवर्जन

- सुल्तानुपर से आने वाले वाहनों को कूड़ेभार से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- रायबरेली से आने वाले वाहनों को हलियापुर से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- आजमगढ़, अम्बेडकरनगर से आने वाले वाहनों को गोहन्ना मोड़ अम्बेडकरनगऱ से दोस्तपुर होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से गन्तव्य को भेजा जाएगा।
- बाराबंकी की ओर से आने वाले वाहनों को भिटरिया रामसनेही घाट से हैदरगढ़ से पूर्वाचल एक्प्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- जनपद बस्ती की ओर से आने वाले वाहनों को लोलपुर से नवाबगंज गोंडा की ओर डायवर्ट किया जाएगा।
- जनपद गोण्डा की ओर नवाबगंज से आने वाले वाहनों को लकड़मंडी से लोलपुर से बस्ती की ओर डायवर्ट किया जाएगा।
- जनपद गोरखपुर से वाहनों का डायवर्जन-गोरखपुर से लिंक एक्सप्रेस-वे होकर पूर्वाचल एक्सप्रेस-वे पर किया जाएगा।
- जनपद गोरखपुर-संतकबीरनगर-बस्ती से आने वाले वाहनों को फुटहिया चौकी थाना-नगर से कलवारी से टांडा से अकबरपुर, यहां से दोस्तपुर होकर पूर्वाचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- गोरखपुर, संतकबीरनगर, बांसी, मेहदावल, डुमरियागंज, उतरौला, बलरामपुर, गोण्डा से आने वाले वाहन जरवल रोड तिराहा से वापस आकर बहराइच की ओर जाकर टिकोरा मोड़ से चहलरी घाट रोड होते हुए सिधौली सीतापुर-लखनऊ मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा।
- जनपद बलरामपुर, बहराइच, गोंडा, श्रावस्ती से अयोध्या होकर लखनऊ जाने वाले वाहनों को टिकोरा मोड़ से चहलरी घाट रोड होते हुए सिधौली सीतापुर-लखनऊ मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा।
- जनपद कानपुर की ओर से आने वाले वाहनों को कानपुर, उन्नाव, मौरावां, मोहनलालगंज, गोसाईगंज, चांद सराय से पूर्वाचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- जनपद लखनऊ में आगरा एक्सप्रेस-वे से आने वाले वाहनों को मोहान, जुनाबगंज, से मोहनलालगंज से गोसाईगंज से पूर्वाचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- जनपद सीतापुर, शाहजहांपुर, से आने वाले वाहनों को आईआईएम रोड दुबग्गा से आलमबाग, नहरिया से शहीदपथ होते हुए अहीमामऊ से होते हुए पूर्वाचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।

अयोध्या धाम में वाहनों के प्रवेश पर रहेगी रोक

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : कार्तिक पूर्णिमा मेला पर अयोध्या में किसी प्रकार के वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। स्थानीय लोगों को पहचान पत्र दिखाकर दो पहिया वाहन से आने-जाने की अनुमति दी जाएगी। इसको लेकर यातायात पुलिस ने अयोध्या धाम में भी अंदरूनी डायवर्जन लागू किया है। यह डायवर्जन चार नवंबर की रात 12 बजे से मेला व भीड़ समाप्ति तक लागू रहेगा। यह प्रतिबंध आवश्यक सेवाओं वाले वाहनों पर लागू नहीं होगा।

शहर में इस तरह रहेगा डायवर्जन

- **लकड़मंडी चौराहा बैरियर :** लता मंगेशकर चौक व घाट पर स्नानार्थियों व श्रद्धालुओ की भीड़ होने के कारण गोंडा की ओर से पुराना सरयू पुल होकर आने वाले सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वाहन लोलपुर (गोण्डा) बाईपास होकर अपने गन्तव्य को जाएंगे।
- **साकेत पेट्रोल पंप बैरियर :** नयाघाट, लता मंगेशकर चौक पर भीड़ होने के कारण सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। साकेत पुल के बाएं, दाहिने खाली मैदान, बैकुण्ठ धाम के बगल खाली स्थान, बालूघाट के बगल मल्टीलेवल पार्किंग व सूर्या पैलेस के बगल खाली स्थान पर बनी पार्किंग में वाहन खड़े होंगे।
- **हनुमान गुफा चौराहा बैरियर :** हनुमान गुफा से नयाघाट, लता मंगेशकर चौक की ओर सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। फटिकशिला आश्रम के बगल व हनुमानगुफा चौराहे के बगल पार्किंग में वाहन खड़े होंगे।
- **रामघाट चौराहा बैरियर :** तपस्वी छावनी से रामपथ की ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वाहन कांशीराम कालोनी परिक्रमा मार्ग से अपने गन्तव्य को जाएंगे। यहां बड़ा भक्तमाल की बगिया के खाली मैदान पर वाहन खड़े होंगे।
- **दीनबन्धु नेत्र चिकित्सालय बैरियर :** छोटी छावनी से रामपथ पर की ओर आने वाले सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वाहन कांशीराम कालोनी परिक्रमा मार्ग से अपने गन्तव्य को जाएंगे।
- **विद्याकुण्ड बैरियर :** जैन मन्दिर से होकर रामपथ की ओर आने वाले समस्त प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वाहन आसिफबाग, लंगड़वीर चौराहा होते हुए अपने गन्तव्य को जाएंगे।
- **उदया चौराहा बैरियर :** टेढ़ी बाजार की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के चार पहिया वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वाहन उदया फ्लाईओवर होकर अपने गन्तव्य को जाएंगे। वाहन गैस गोदाम तिराहा के बगल उदया पार्किंग में खड़े होंगे।
- **रानोपाली तिराहा बैरियर :** टेढ़ीबाजार की तरफ आने वाले सभी प्रकार के दो पहिया वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वाहन रानोपाली क्रासिंग होते हुए लंगड़वीर चौराहा होकर अपने गंतव्य को जाएंगे।
- **टेढ़ी बाजार चौराहा बैरियर :** श्रीराम अस्पताल की ओर सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वाहन लंगड़वीर फ्लाईओवर होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे। वाहन अरूंधति मल्टीलेवल पार्किंग-1 व 2 में खड़े होंगे।
- **चूड़ामणि चौराहा बैरियर :** टेढ़ी बाजार चौराहा की तरफ जाने वाले सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वाहन आसिफबाग व गैस गोदाम होते हुए अपने गंतव्य को जाएंगे।
- **गैस गोदाम (परिक्रमा मार्ग) बैरियर :** कांशीराम कालोनी, चक्रतीर्थ, राजघाट चौराहा की तरफ सभी प्रकार के वाहन प्रतिबंधित रहेंगे। वाहन उदया फ्लाईओवर होकर अपने गन्तव्य को जाएंगे।

स्थानीय लोगों ने बाइक को जलने से बचाया

अयोध्या, अमृत विचार: थाना रामजन्मभूमि क्षेत्र के रामपथ पर हनुमानगढ़ी चौराहे के पास चलती बुलेट बाइक के ईंधन टैंक के पास एकाएक धुआं निकलने लगा। चालक तत्काल मार्ग पर वाहन खड़ा कर कुछ दूर पीछे हट गया। स्थानीय लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए बाइक पर पानी डालना शुरू कर दिया, जिससे वाहन जलने से बच गया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक चालक ने उन्हें बताया कि वह अभी एजेंसी से बुलेट बनवाकर निकला था। इसके बाद एकाएक किन्हीं कारणों से धुआं निकलने लगा। हालांकि कुछ देर बाद एजेंसी के लोग वाहन ले गए।

वार्षिक शिवाला मेला में मौजूद विधायक रामचंद्र यादव। अमृत विचार

नशे से दूर रहना ही सच्ची भक्ति : रामचंद्र यादव

मवई, अमृत विचार : मवई ब्लॉक क्षेत्र के शिवाला चौराहा घोडवल में रविवार की शाम वार्षिक शिवाला मेला एवं भंडारा श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधायक रामचंद्र यादव ने श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया। पांच वर्ष पूर्व ग्रामीणों के सहयोग से भगवान शंकर का भव्य मंदिर शिवाला चौराहा पर निर्मित कराया गया था। तबसे ही प्रत्येक वर्ष एकादशी के अवसर पर यहां भव्य मेले और भंडारे का आयोजन होता आ रहा है, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। इस दौरान विधायक ने श्रद्धालुओं को जागरूक करते हुए कहा कि नशे से दूर रहना ही सच्ची भक्ति है। जब मन और शरीर शुद्ध होंगे, तभी भगवान का सच्चा भजन संभव है। हमें अपने समाज को नशामुक्त और प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर रामप्रेस यादव, धर्मेंद्र वर्मा, अखिलेश यादव, बलदेव यादव, रामबरन यादव, श्यामजी कौशल, रामलखन रावत समेत अन्य मौजूद रहे।

वीरांगना ऊदा देवी पासी व झलकारीबाई कोरी का शहीदी सम्मान दिवस 16 को

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार: अयोध्या के फॉर एवर लॉन में 16 नवंबर को वीरांगना ऊदा देवी पासी व झलकारीबाई कोरी का शहीदी सम्मान दिवस मनाया जाएगा। मुख्य अतिथि सपा के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद अवधेश प्रसाद होंगे। रविवार को समाजवादी पार्टी अनुसूचित प्रकोष्ठ के मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष सोहनलाल रावत की अध्यक्षता में सहादतगंज सांसद आवास पर कार्यक्रम की तैयारी बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि वीरांगना ऊदा देवी पासी ने लखनऊ के सिकंदराबाद चौराहे पर 16 नवंबर को 36 अंग्रेजों को मार गिराया था इसके बाद अंग्रेज ब्रिगेडियर ने पेड़ पर बैठी वीरांगना ऊदा देवी पासी को गोली मार दी थी। उनके बलिदान दिवस के सम्मान में और झलकारी बाई कोरी, संत रविदास और कई महापुरुषों व संतों के सम्मान में 16 नवंबर को फॉर एवर लॉन में सम्मान दिवस आयोजित किया जा रहा है। इसमें जिले के प्रत्येक गांव से लोगों को बुलाया जाएगा। बैठक में जिला उपाध्यक्ष ओपी पासवान, राम जी पाल, प्रहलाद रावत, सुनील कोरी, राम सतन कोरी, रमेश रावत, श्यामलाल सहित अन्य मौजूद रहे।

सहादतगंज स्थित आवास पर कार्यकर्ताओं को संबोधित करते सांसद अवधेश प्रसाद।

आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा गढ़ रहीं देश की महिलाएं : रजनी तिवारी

महिला महाविद्यालय गद्दोपुर, गोसाईगंज में आयोजित संगोष्ठी में महिला सुरक्षा की शपथ लेतीं उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी।

अयोध्या कार्यालय

- भाजपा महिला मोर्चा ने गद्दोपुर महिला महाविद्यालय में आत्मनिर्भर भारत विषय पर की संगोष्ठी

अमृत विचार : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की महिलाएं आत्मनिर्भरता की नई परिभाषा गढ़ रही हैं। आज महिलाएं शिक्षा, रोजगार, नवाचार और सामाजिक नेतृत्व के हर क्षेत्र में अपनी भूमिका सशक्त रूप से निभा रही हैं। यह बातें प्रदेश की उच्च शिक्षा राज्यमंत्री रजनी तिवारी ने कही।

वह रविवार को भाजपा महिला मोर्चा से महिला महाविद्यालय गद्दोपुर, गोसाईगंज में आत्मनिर्भर भारत विषय पर एक संगोष्ठी को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान केवल आर्थिक नीति नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन की क्रांति है। सरकार ने 'स्टार्टअप इंडिया', 'स्टैंडअप इंडिया' और 'मुद्रा योजना' जैसी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है। कहा कि भाजपा सरकार का लक्ष्य है कि हर महिला आत्मनिर्भर बने, अपने परिवार और समाज की प्रेरणा बने।

एमएलसी हरिओम पांडेय ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के बिना आत्मनिर्भर भारत का सपना अधूरा है। भाजपा सरकार ने महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा के लिए जो कदम उठाए हैं, वे देश के भविष्य को नई दिशा दे रहे हैं। अयोध्या पहुंचने पर सर्किट हाउस में जिलाध्यक्ष संजीव सिंह की अगुवाई में उनका स्वागत किया गया। संगोष्ठी में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष साधना नेगी, जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी, राघवेन्द्र पाण्डेय, पूर्व मंत्री विद्यावती राजभर, सुमन पासवान, चेयरमैन विजय लक्ष्मी जायसवाल, प्रसून लता सिंह, सीमा सिंह, माधुरी, सरिता कसौंधन, सरिता पाण्डेय सहित बडी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

कार्तिक पूर्णिमा पर सरयू तट पर जमा होगें लाखों श्रद्धालु

अयोध्या कार्यालय

- जोन व सेक्टरों में मजिस्ट्रेट व पुलिस अफसरों की तैनाती
- नागरिक सुविधाओं के साथ सफाई व्यवस्था पर फोकस

अमृत विचार: अयोध्या के प्रसिद्ध कार्तिक पूर्णिमा एवं परिक्रमा मेले के दो पर्व सकुशल निपट गए। अब जिला प्रशासन ने सबसे महत्वपूर्ण पूर्णिमा मेले की तैयारी शुरू कर दी है। इसमें अयोध्या के पवित्र सरयू में स्नान के लिए लाखों श्रद्धालुओं का जमावड़ा सरयू तट पर होगा। इसी लिहाज से व्यवस्थाएं भी की जा रही हैं।

खराब मौसम के बावजूद अयोध्या का प्रसिद्ध 14 कोसी और पंचकोसी परिक्रमा सकुशल निपट गई।प्रशासन के अफसरों ने राहत की सांस ली। अब कार्तिक पूर्णिमा स्नान की तैयारी है। प्रशासन से जारी कार्यक्रम के मुताबिक कार्तिक पूर्णिमा मेले का मुख्य स्नान पर्व चार नवंबर को रात्रि 21:07 बजे से पांच नवंबर शाम 6:42 बजे संपन्न होगा। यह इस मेले का महत्वपूर्ण पर्व है। जिसमें डेढ़ किमी की परिधि में लाखों श्रद्धालुओं का जमावड़ा होता है। सरयू में स्नान के बाद श्रद्धालु मठ मंदिरों में दर्शन पूजन करते हैं।ऐसे में पूरी अयोध्या भीड़ से अट जाती है। इसलिए व्यवस्थाएं भी मजबूत करनी होती है। जिला प्रशासन ने स्नान पर्व को लेकर तगड़ी व्यवस्था की है। डायवर्जन के साथ ही शांति व सुरक्षा के साथ नागरिक सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

घाट से लेकर महत्वपूर्ण भीड़ भाड़ वाले मठ मंदिरों को जोनल व सेक्टरों में बांटकर मजिस्ट्रेटों और पुलिस अफसरों की तैनाती की गई है। मेला क्षेत्र को चार जोन में बांटकर सुपर जोनल, जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ ही स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है। घाट जोन, नागेश्वर नाथ जोन, हनुमानगढ़ी जोन, कनक भवन जोन के साथ यातायात को लेकर बड़ी व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही गुप्तार घाट को अलग से जोन बनाया गया है। कुल लगभग 60 से ज्यादा मजिस्ट्रेट और उनके साथ पुलिस अफसर लगाए गए हैं।

पीने के पानी, प्रकाश, सफाई, मे आई हेल्प यू सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई है। श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुविधा के मद्देनजर एंबुलेस के साथ डाक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ को लगाया गया है। बनाए गए कंट्रोल रूम में शिफ्ट वार डियूटी के साथ मजिस्ट्रेटों की तैनाती की गई है।

अपर जिलाधिकारी नगर व मेलाधिकारी योगानंद पांडेय ने बताया कि स्नान पर्व को लेकर व्यापर व्यवस्थाएं की गई है। जिससे सरयू स्नान के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को कोई दिक्कत न होने पाए।

मंडलीय रबी उत्पादकता समीक्षा गोष्ठी आज

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कुमारगंज के ऑडिटोरियम हॉल में तीन नवंबर को मंडलीय रबी उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस गोष्ठी में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि कृषि उत्पादन आयुक्त इसकी अध्यक्षता करेंगे।

गोष्ठी में अयोध्या और देवीपाटन मंडल के मंडलायुक्त, सभी जिलों के जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी के साथ कृषि, पशुपालन, सिंचाई और गन्ना सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी भाग लेंगे। अयोध्या के उप कृषि निदेशक डॉ. पीके कनौजिया ने बताया कि इसमें किसानों के लिए 23 स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां उन्हें उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। मत्स्य विभाग के वरिष्ठ और जिला स्तरीय अधिकारी भी गोष्ठी में मौजूद रहेंगे। सभी मंडलों के जिलों से प्रगतिशील किसानों को भी आमंत्रित किया गया है। गोष्ठी में कृषि, कृषि रक्षा, पशुपालन, उद्यान, डेयरी, मत्स्य, भूमि संरक्षण, रेशम और एनआरएलएम सहित अन्य संबंधित विभागों के स्टॉल लगेंगे। इन स्टॉलों पर किसानों को कृषि यंत्रों, उपकरणों, कृषि रक्षा रसायनों और उन्नत कृषि तकनीकों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

भरतकुंड भदरसा में सड़क का शिलान्यास करते चेयरमैन मोहम्मद राशिद व अन्य।

भरतकुंड क्षेत्र में किया सड़कों का शिलान्यास

पूराबाजार, अयोध्या। अमृत विचार : नगर पंचायत भरतकुंड भदरसा के चेयरमैन मो. राशिद ने रविवार को सड़कों का शिलान्यास किया। वार्ड नं 12 में ललक पुरवा में राम अचल के मकान से राम बली यादव के मकान होते हुए पक्की सड़क तक और सिकंदर यादव के मकान से सुरेश के मकान के सामने तक रबड़ मोल्ड इंटर लॉकिंग सड़क व कवर्ड नाली के निर्माण का शिलान्यास किया। कैल गांव में शिव रतन के मकान से राम सिंह यादव के मकान होते हुए घनश्याम के मकान तक और संजय के मकान से राम आशीष के मकान तक रबड़ मोल्ड इंटर लॉकिंग सड़क और नाली कवर्ड का निर्माण कार्य, वार्ड नं नौ में सूफियान के मकान से मस्जिद होते हुए अकबर अली के मकान तक सीसी सड़क व कवर्ड नाली का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर सभासद दीपक यादव, मो. जफर, सिराज मामा, मुनव्वर खान, प्रदीप यादव, राजू वर्मा, सूरज निषाद, साबिर खान, लल्लू यादव, रामजगत, राजेंद्र, प्रकाश, मुरली यादव, सुरेन्द्र यादव, आशीष यादव, पवन यादव आदि मौजूद रहे।

शहीद संत कंवरराम को सिंधी समाज ने दी श्रद्धांजलि

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: सेंट्रल पंचायत अयोध्या व सिंधु सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को अमर शहीद संत कंवर राम साहिब के बलिदान दिवस व बाबा साईं चांडूराम साहिब की स्मृति में सामूहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम झूलेलाल मंच मैदान पर आयोजित किया गया। जिसमे सिन्धी समाज के लोगों ने संत कंवर राम व बाबा साईं के जीवन पर चर्चा की। भजनों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की। मौजूद समाज के लोगों ने दो मिनट सामूहिक मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित दी।

सिंधी सेंट्रल पंचायत के मुखिया ओम प्रकाश अंदानी व शहर के मुखिया पवन जीवानी ने कहा कि पूज्य सन्त जन ने भक्ति, प्रेम, आपसी सौहार्द व सेवा का आजीवन पाठ पढ़ाया और सदैव समाज को सकारात्मक दिशा का मार्ग प्रशस्त करते आए हैं। सिंधु सेवा समिति के संरक्षक मोहन मंध्यान ने कहा कि 140 वर्ष पूर्व सिंध के सक्खर जिले के जरवारन गांव में जन्में संत कंवर राम बाल्यकाल से ही संत प्रवृति के थे। समिति के अध्यक्ष व पूर्व राज्यमंत्री अमृत राजपाल ने कहा कि अमर शहीद संत कंवर राम व पूज्य साईं चाण्डू राम दोनों संतो का जीवन त्याग व तपस्या से भरा था। कार्यक्रम में समाजसेवी वेद प्रकाश राजपाल, सरल ज्ञाप्रटे, गिरधारी चावला, जय प्रकाश क्षेत्रपाल, नरेंद्र क्षेत्रपाल आदि ने संबोधित किया व संचालन कमल रावलानी ने किया। अवध विश्वविद्यालय सिंधी भाषा विभाग के आचार्य कपिल हासानी, नवीन मन्ध्यान, मनोज खत्री, जय प्रकाश कारवानी, विनीत कारवानी आदि ने अपने भजनों से पूज्य संतजनों को श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर सिंधी समाज के मुखिया राजकुमार जीवानी, भीमन दास माखेजा, धर्मपाल रावलानी, राजकुमार मोटवानी, सुनील रामानी, अशोक मंध्यान आदि मौजूद रहे।

शहीद संत कंवर राम के बलिदान दिवस पर दीप प्रज्जवलन करते सिंधी समाज के लोग

राम मंदिर आंदोलन के बलिदानी कारसेवकों को दी गई श्रद्धांजलि

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण का कार्य संपन्न हो गया। ट्रस्ट मंदिर आंदोलन में प्राणों की आहुति देने वाले कारसेवकों के नाम शहीद स्तंभ लगाकर सम्मान देने की तैयारी में है। इसके पूर्व दिगंबर अखाड़ा में स्थापित शहीद स्मारक पर बलिदानी कारसेवकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसमें महज चंद लोग शामिल हुए। कारसेवक स्व. रमेश चंद पांडे के आवास पर परिवार के लोगों ने धार्मिक अनुष्ठान कर देश के लिए मंगल कामना की।

30 अक्टूबर व दो नवंबर 1990 के दिन बड़ी संख्या में अयोध्या पहुंचे कारसेवको ने भगवान श्री राम के मंदिर को मुक्त कराने के लिए विवादित ढांचे पर चढ़कर भगवा ध्वज फहराया था। इस दौरान तत्कालीन मुलायम सिंह यादव की सरकार ने अयोध्या में गोली चलाने का आदेश दिया। इसमें कई कारसेवकों के शहीद होने की खबर रही। अयोध्या कि वह गलियां आज भीशहीद कारसेवकों की याद दिलाती हैं।

रविवार को दिगंबर अखाड़ा स्थित शहीद स्मारक पर विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शरद शर्मा, दिगंबर अखाड़ा के व्यवस्था प्रभारी आशुतोष, दिनेश जायसवाल, अधिवक्ता राजीव शुक्ला समेत अन्य लोगों ने पुष्प अर्पित किया। शरद शर्मा ने कहा कि आज ही के दिन दो नवंबर को कार सेवकों ने उसे विवादित ढांचे पर चढ़कर भगवा लहराया था। गोलियां चलाई गई थी। यह वही स्थान है जहां उन कर सेवकों की हुतात्मा स्थापित है। बताया कि 25 नवंबर को ध्वजारोहण के बाद इन कारसेवकों की आत्मा को शांति मिलेगी। क्योंकि आज उनका संकल्प पूर्ण हो गया है। कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट भी इन वीर शहीदों की स्मृति में शहीद स्तंभ स्थापित करने जा रहा है। अगले वर्ष से राम मंदिर परिसर में शहीद कारसेवकों को श्रद्धांजलि अर्पित करने का कार्य होगा।

दिगम्बर अखाड़ा में बलिदानी कारसेवकों को श्रद्धांजलि देते हुए लोग। अमृत विचार

कारसेवक स्व. रमेश पांडेय को श्रद्धाजंलि अर्पित करते मनीष पांडेय व अन्य।

शहीद कारसेवक को दी श्रद्धांजलि

अयोध्या, अमृत विचार : श्री राम मंदिर आंदोलन के दौरान कारसेवा में बलिदान हुए रमेश पांडेय की पुण्यतिथि पर हिंदू महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनीष पांडेय ने बलिदानी कारसेवकों के आवास पर पहुंचकर उनके चित्र पर माल्यार्पण पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। उन्होंने बलिदान हुए कारसेवक वासुदेव गुप्ता, राजेंद्र धरिकार, रमेश पांडेय एवं राम अचल गुप्ता सहित अन्य बलिदानी कारसेवकों के परिवार वालों को बुनियादी सुविधाएं, आर्थिक सहायता, एवं परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी प्रदान करने की मांग की। श्रद्धांजलि देने वाले रमेश पांडेय की पत्नी गायत्री पांडेय, पुत्र सुरेश पांडेय, रिया, सीमा, अथर्व, मयंक सहित अन्य शामिल रहे।

शुजागंज में स्व. रामअचल की समाधि पर श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित की गई सभा।

शहीद कारसेवक राम अचल गुप्ता को दी गई श्रद्धांजलि

शुजागंज, अयोध्या। अमृत विचार : राम मंदिर आंदोलन में शहीद हुए कारसेवक राम अचल गुप्ता की पुण्यतिथि पर रविवार को शुजागंज स्थित उनके समाधि स्थल पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन भी किया गया। राम अचल गुप्ता के ज्येष्ठ पुत्र संजय गुप्ता व संदीप गुप्ता ने सबसे पहले अपने पिता की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं फिल्म "कारसेवक" की शूटिंग का शुभारंभ भी हुआ। निर्देशक अखिलेश कुमार उपाध्याय हैं। सभा में भाजपा के जिला उपाध्यक्ष शिव गोविंद पांडेय, जिला महामंत्री अशोक कसौधन, सेना प्रमुख धनुष, रविशंकर पांडे, लखन सेन त्रिपाठी, संदीप, उमाशंकर तिवारी, भास्कर त्रिपाठी, भाजपा नेता शिवानंद मिश्रा, रामदीन वर्मा, महेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

पुनरीक्षण अभियान में खोजे जाएंगे डुप्लीकेट मतदाता

बीएलओ के साथ दलों के बीएलए से सहयोग की अपील ▪ सूची में एआई से चिंहित नामों पर होगा विशेष फोकस

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : मतदाता पुनरीक्षण अभियान के दौरान सूची में शामिल डुप्लीकेट मतदाता खोजे जाएंगे। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में यह काम खासा महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बीएलओ के साथ दलों के बीएलए से इसमें बेहतर सहयोग की अपील की जा रही है। एक जनवरी 2025 को 18 साल पूरी कर चुके युवक और युवतियां भी अभियान के दौरान मतदाता बन पाएंगे।

नए मतदाताओं को मतदाता सूची में शामिल किए जाने के लिए आयोग से पुनरीक्षण अभियान तो हर साल चलाया जाता है। अमूमन यह अभियान सितंबर से दिसंबर के बीच चलाया जाता है।

• 18 साल की आयु पूरी कर चुके युवा भी बन सकेंगे मतदाता

मकसद मृतक या स्थान परिवर्तन कर गए मतदाताओं को नए सिरे से सूची में शामिल करना होता है। साथ ही एक जनवरी को 18 साल की आयु पूरी करने वाले युवाओं को सूची में शामिल करना होता है।लेकिन इस बार पुनरीक्षण अभियान कुछ खास है। इसका कारण देश में चल रहा मतदाताओं का आंकड़ा है। मतदाता सूची में मतदाताओं की संख्या को लेकर सियासी तूफान है। खासतौर से बिहार चुनाव को लेकर हाय तौबा मची थी। सूची की खामी अहम मुद्दा रहा।

कारण जो भी हो लेकिन मतदाताओं और पुनरीक्षण में लगे लोगों की लापरवाही इसका बड़ा कारण माना जा रहा है। एक तो मृत या शिफ्टेड मतदाता इसकी जानकारी नहीं देते, दूसरे मतदाता पुनरीक्षण की खानापूर्ति। पुनरीक्षण में लगे बीएलओ घर-घर जाने के बजाए किसी एक स्थान और कुछ व्यक्तियों से जानकारी के आधार पर सूची को अपडेट करते रहे। हालांकि आनलाइन प्रासेस से अब संवेदनशीलता थोड़ी बढ़ी लेकिन मृतक मतदाताओं के नाम सूची में होने से इनकार नहीं किया जा सकता है। इसी तरह सूची के ड्राफ्ट तैयार करने और इसका परीक्षण करने की खानापूर्ति भी बड़ा कारण रहा। सूची में नाम बढ़ाने की ठेकेदारी प्रथा के चलते डुप्लीकेट मतदाता बरकरार रह जाने से सूची के मतदाताओं का आंकड़ा तो बढ़ जाता है लेकिन वास्तव में सूची अपडेट नहीं होती। केवल फोकस नए मतदाताओं का नाम बढ़ाने पर होता है। अतीत में नाम बढ़वाने और फोटो आईडी के लिए लोग भटकते रहते थे।

सियासी हलचल के बाद आयोग से प्रशासन तक सक्रिय हुए हैं। इस बार फोकस बढ़ा है। मतदाता सूची को अपडेट किए, जाने में गड़बड़ी न होने देने के प्रयास भी हैं लेकिन यह खासतौर से बीएलओ की सक्रियता पर निर्भर करेगा। इसीलिए राजनीतिक दलों की बैठक में विभाग के अफसरों ने बीएलए की सक्रियता की अपील की जिससे नए मतदाता बनाए जाने के साथ डप्लीकेट मतदाता चिंहित किए जा सकें।

अयोध्या में चिंहित किए गए थे 30 हजार डुप्लीकेट मतदाता

अयोध्या में लगभग 22 साल पहले लगभग 30 हजार डुप्लीकेट मतदाता चिंहित किए गए थे। आयोग में शिकायत के बाद निर्वाचन आयोग के सचिव ने यहां का दौरा किया। इसके बाद आयोग की टीमों ने मोहल्लों में जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया तो पता चला कि एक परिवार के मतदाता दो परिवारों में दर्ज हैं। इन्हें चिंहित कर सूची से हटाया गया। अयोध्या विधानसभा क्षेत्र के मतदाताओं संख्या लगभग 3 .02 लाख से गिरकर 2.70 लाख पर पहुंच गई थी।

सहादतगंज स्थित भाजपा कार्यालय में बैठक को सम्बोधित करते नगर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता।

भाजपा ने शुरू की विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की तैयारी

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग से शुरू किए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने तैयारी तेज कर दी है। तय किया गया है कि कार्यकर्ता घर-घर जाएंगे। नए मतदाताओं का नाम सूची में जुड़वाने, संशोधन और विलोपन के लिए जागरूक करेंगे। इसके लिए बूथ स्तर पर विशेष टोलियां बनाई जा रही हैं। यह मतदाताओं से संवाद स्थापित कर आवश्यक प्रपत्र भरवाने में सहयोग करेंगी। अभियान की तैयारी को लेकर शुक्रवार को सहादतगंज स्थित पार्टी कार्यालय में विधायक वेद प्रकाश गुप्ता और महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बैठक की। मंडल और बूथ स्तर पर जिम्मेदारी तय करने पर चर्चा की गई। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में अब 12 सौ मतदाता पर एक बूथ बनेगा। पहले यह संख्या 15 सौ थी। बताया कि हर घर संपर्क अभियान के लिए मंडल व बूथ पदाधिकारियों और बीएलए-दो की बैठक आठ नवम्बर को होगी, इसमें पदाधिकारियों की भूमिका तय की जाएगी। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। पुनरीक्षण अभियान में हर कार्यकर्ता की सक्रिय भागीदारी जरूरी है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रह जाए। हर कार्यकर्ता को बूथ स्तर पर जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए। बैठक में संयोजक तिलक राम मौर्या, शैलेन्द्र कोरी, मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर, हेमंत जायसवाल, मुकेश तिवारी, रमेश पाण्डेय, वरूण चौधरी, वीरेन्द्र वर्मा, अमल गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

बिगड़ी मेरी बना दे ओ खाटू वाले श्याम...

भेलसर, अयोध्या।

अमृत विचार : श्रीश्याम ताली कीर्तन मंडल से दिलीप कसौधन के निवास पर श्री श्याम बाबा का जन्मदिन धूमधाम के साथ मनाया गया। केक काटा। आतिशबाजी की और एक-दूसरे को बधाईयां दी गई।

मौके पर पण्डित जुगुल किशोर शर्मा से विधिवत पूजा पाठ कराने के बाद भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन शैलेंद्र शर्मा ने किया। शुभारंभ रोहित कौशल की गणेश वंदना से हुआ। सुल्तानपुर से आई भजन गायिका अंशिका लहरी ने सज धज कर बैठयो, सांवरियो यो बैठो मुस्काके... , कण कण में बास है जिसका, तिहूंलोक पे राज है उसका...., श्याम प्रभु को कोई अपना बनाकर देखो, कितना प्यार लुटाया प्रेम बढ़ाकर देखो... बिगड़ी मेरी बना दे ओ खाटू वाले श्याम वाले और श्री श्याम ताली कीर्तन मंडल के भजन प्रवाहक पंकज आर्य ने सुंदर भजन गाया। इसी के साथ नीरज शर्मा, संदीप कौशल और सूरज सोनी ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी। महिलाएँ, बच्चे भजनों पर नृत्य करते रहे। अंत में श्री श्याम बाबा के भव्य दरबार में श्याम भक्तों द्वारा केक काटा गया, आतिशबाजी कर श्री श्याम बाबा के जन्म की बधाईयां दीं। नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष अशोक कसौधन, दिनेश कसौधन, मनीष वैश्य,आशीष कौशल, राहुल कौशल, सर्वेश राठौर, पवन कसौधन, अमित गुप्ता मोनू, प्रमोद आर्य सहित बड़ी संख्या में श्याम भक्त मौजूद रहे। वहीं श्री श्याम जन्मोत्सव का दूसरा कार्यक्रम गोयल सदन में आयोजित किया गया। स्थानीय भजन गायक मनीष चौरसिया , विनोद कसौधन, अमित गर्ग और वत्सल गर्ग से भजनों की प्रस्तुति दी गई। अजय गोयल, सुधीर सिंघल, विष्णु अग्रवाल,अशोक गर्ग आदि मौजूद रहे।

श्री श्याम जन्मोत्सव पर सजा खाटू श्याम का दरबार। अमृत विचार

प्रदेशीय खो-खो प्रतियोगिता में जुटेगें सैकड़ों खिलाड़ी

अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार: प्रदेशीय विद्यालयीय खो-खो प्रतियोगिता में मंगलवार से यहां प्रदेश के सभी मंडलों के सैकड़ो बालक व बालिका खिलाड़ी जुटेंगे। मंडलीय विद्यालयीय क्रीड़ा समिति के सचिव धर्मेन्द्र सिंह ने बताया कि अंडर-14, 17 व अंडर-19 वर्ग में आयोजित होने वाली प्रदेशीय खो-खो प्रतियोगिता का डॉ. आंबेडकर राज्य विद्यालयीय क्रीड़ा संस्थान स्टेडियम में चार नवम्बर को शुभारंभ व आठ नवम्बर को समापन होगा। प्रतियोगिता के बालक वर्ग में सभी 18 मंडलों की टीमें और बालिका वर्ग में 18 मंडल सहित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय उ.प्र. टीम प्रतिभाग करेगी। प्रतियोगिता में चार से छह नवम्बर तक बालक वर्ग के मुकाबले व छह से आठ नवम्बर तक बालिका वर्ग के मुकाबले होंगे। आठ नवम्बर को पुरस्कार वितरण के साथ प्रतियोगिता का समारोहपूर्वक समापन होगा। प्रतियोगिता के मैच के लिए खो-खो मैदान बनाने का काम लगभग पूरा हो चुका है। बालक व बालिका वर्ग की प्रतिभागी टीमों के आवास की व्यवस्था नगर के विभिन्न विद्यालयों में की गई है। प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों व खेल प्रेमियों में खासा उत्साह है।

शहजाद रिजवी और फरजाना महंदी ने सुनाया दास्तान-ए-अशफाक

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अशफाक उल्ला खां मेमोरियल शहीद शोध संस्थान ने काकोरी एक्शन शताब्दी वर्ष पर शहीद अशफाक उल्ला खां के जीवन पर आधारित दस्तानगोई का आयोजन किया। नारायण दास खत्री अध्ययन केंद्र रीडगंज में आयोजित कार्यक्रम में इप्टा लखनऊ के दास्तानगो शहजाद रिजवी और फरजाना महंदी ने शानदार प्रस्तुति किया। उन्होंने शहीद नगरी शाहजहांपुर से शुरूआत करते हुए 1857 के शहीद मौलवी अहमद उल्ला शाह की शहादत और गद्दारों की विस्तृत जानकारी दी।

दस्तानगोई कार्यक्रम में प्रस्तुति देते शहजाद रिजवी तथा फरजाना महंदी।

कार्यक्रम की शुरुआत शहीद अशफाक उल्ला खां की तस्वीर पर माल्यार्पण से की गई। संस्थान के प्रबंध निदेशक सूर्यकांत पाण्डेय ने आयोजन का उद्देश्य तथा किस्सागोई के लेखक और किस्सागो का परिचय दिया। दोनों किस्सागो ने अशफाक के जीवन पर आधारित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से अभिनय सहित प्रकाश डाला। सभी श्रोताओं ने उनकी प्रस्तुति की मुक्तकंठ से प्रशंसा किया।

किस्सागो द्वय ने काकोरी एक्शन में उनके योगदान और उनके संगठन के उद्देश्यों की सजीव चित्रण किया। श्रोताओं की आंखें नम हो गई। देश के क्रांतिकारी इतिहास को संजोए रखने का यह अनूठा प्रयोग कामयाब रहा। संस्थान का अगला आयोजन 26 नवंबर को काकोरी एक्शन के दस्तावेजों की प्रदर्शनी का है। इस अवसर पर स्वप्निल श्रीवास्तव, रघुवंश मणि, आरडी आनन्द, कृष्ण प्रताप सिंह, सुमन गुप्ता, अयोध्या प्रसाद तिवारी, अतीक अहमद, ओमप्रकाश यादव, सत्यभान सिंह, उमेश सिंह समेत अन्य मौजूद रहे।

छात्राओं को सुरक्षा व घरेलू हिंसा से बचाव की दी जानकारी

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देशन में मिशन शक्ति अभियान के तहत जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों में घरेलू हिंसा से संबंधित कानूनों और महिला सुरक्षा के प्रावधानों के बारे में छात्राओं को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस अभियान का उद्देश्य छात्राओं में आत्मरक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

कार्यक्रम राजकीय हाईस्कूल डिहवा मोहिदीनपुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राजकीय मॉडल इंटर कॉलेज पहतीपुर खजूर डीह, शांति आश्रम इंटर कॉलेज सया, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज भीटी, राजकीय बालिका हाईस्कूल फरीदपुर कुतुब टांडा,

मिशन शक्ति के तहत आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में मौजूद छात्राएं। अमृत विचार

अभियान

जनता इंटर कॉलेज बनगांव जदीद, राजकीय हाईस्कूल पहोतीपुर, ग्राम स्वालंबी इंटर कॉलेज रनीवा, अजय प्रताप इंटर कॉलेज भीटी, भगवती प्रसाद मेमोरियल इंटर कॉलेज बलानगर, बीआरबी इंटर कॉलेज नसरुल्लापुर, विवेकानंद इंटर कॉलेज विद्युत नगर तथा जनता इंटर कॉलेज उतरेथू सहित विभिन्न विद्यालयों में आयोजित किए गए। कार्यक्रमों के दौरान छात्राओं को महिला सुरक्षा और सहायता से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। जिनमें 1090 वूमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्पलाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन, 101 अग्निशमन सेवा, 102 गर्भवती महिलाओं के लिए एम्बुलेंस सेवा, 108 आपातकालीन स्वास्थ्य सेवा तथा 112 आपातकालीन पुलिस हेल्पलाइन प्रमुख हैं।

छात्राओं ने रंगोली बनाकर जागरूकता का दिया संदेश: छात्राओं ने इन कार्यक्रमों में बढ़-चढक़र हिस्सा लिया तथा बीआरबी इंटर कॉलेज नसरुल्लापुर और भगवती प्रसाद इंटर कॉलेज बिलंगल में छात्राओं द्वारा जागरूकता के लिए रंगोली बनाकर संदेश दिया गया। इसके साथ ही राजकीय बालिका हाईस्कूल फरीदपुर कुतुब टांडा में रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं को जूडो-कराटे का प्रशिक्षण भी दिया गया। विद्यालयों के प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने छात्राओं को महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और उनकी सुरक्षा के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियां पूरी

बसखारी (अंबेडकरनगर)। प्रभावती कैलाश चैरिटेबल के तत्वाधान में सोमवार को आयोजित होने वाले सर्वधर्म सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तैयारियां अन्तिम चरण में है। 3 नवंबर दिन सोमवार को प्रभावती कैलाश चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से 21 गरीब बेटियों की शादी शाही अंदाज में अवध मैरिज लॉन बसखारी में संपन्न होगी। इस अविस्मरणीय पल का साक्षी बनने के लिए कई वरिष्ठ समाजसेवियों के साथ राजनेता, अधिकारी और जनपद व अन्य जनपदों के साथ भारी संख्या में श्रेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित होंगे। ट्रस्ट द्वारा कुल 63 गरीब परिवार की बेटियों की शादी ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. शरद यादव के नेतृत्व में कराई गईं हैं। उन्होंने सभी लोगों से इस कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है।

आपराधिक प्रवृति के 13 लोगों के शस्त्र लाइसेंस हुए निलंबित

संवाददाता, आजमगढ़

अमृत विचार। जिले में पुलिस प्रशासन ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जनसुरक्षा सुनिश्चित करने के तहत बड़ी कार्रवाई की है। आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त पाए गए 13 शस्त्र लाइसेंस धारकों के लाइसेंस निरस्त / निलंबित कर दिए गए हैं। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में की गई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ० अनिल कुमार के कुशल निर्देशन में आजमगढ़ पुलिस ने अपराधी प्रवृत्ति के शस्त्र धारकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। जनपद में चल रहे अभियान के तहत उन व्यक्तियों की पहचान की गई, जो अपराधों में लिप्त पाए गए थे या जिनके विरुद्ध विभिन्न आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

पुलिस जांच में पाया गया कि इन लोगों के पास शस्त्र रहना जनहित में नहीं है क्योंकि उनकी गतिविधियों से लोकशांति और जनसुरक्षा को खतरा था। ऐसे में प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उनके शस्त्र लाइसेंस निलंबित कर दिए हैं। इसमें भैंसकुर निवासी दीपक कुमार राय पुत्र शिवकुमार राय, गड़ौरा मझौरा निवासी राजेश राय पुत्र रमाशंकर राय, पठखौली नई बस्ती निवासी पंकज कुमार सिंह पुत्र राजनाथ सिंह, देवगांव निवासी डॉ. अवधराज मिश्रा पुत्र स्व. रामकिशोर मिश्रा, चेवता निवासी अमरजीत यादव पुत्र स्व रामनिवास यादव, जहानगंज निवासी श्यामा राम पुत्र डीआर यादव आदि लोग शामिल हैं।

भाजपाइयों ने पदयात्रा को लेकर बनाई रणनीति

टांडा (अंबेडकरनगर)। लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष में भारतीय जनता पार्टी संगठन के निर्देश पर टांडा विधानसभा की एक आवश्यक बैठक भाजपा नगर टांडा कार्यालय में संयोजक रमेश गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें आगामी 13 नवंबर को राष्ट्रीय एकता पदयात्रा को सफल बनाने के लिए कार्यक्रम की योजना पर विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रभारी पूर्व विधायक अनीता कमल, वशिष्ठ अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर उर्फ साधू वर्मा, बसखारी ब्लॉक प्रमुख नरेंद्र मोहन सिंह उर्फ संजय सिंह रहे। कार्यक्रम संयोजक ने बताया कि राष्ट्रीय एकता पदयात्रा की शुरुआत चिंतौरा से होकर एसबीआई होते हुए चौक टांडा होते हुए अलीगंज होते हुए आसोपुर में संपन्न होगी।

अंबेडकरनगर की बेटी ईशा की वेब सीरीज ने मचाई धूम

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर।

अमृत विचार। जनपद की फिल्म अभिनेत्री एवं निर्देशिका ईशा कैलाश इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज डियर स्टूडेंट को लेकर सुर्खियों में हैं। वाचो ओटीटी पर जारी इस सीरीज ने छात्र जीवन की सच्चाइयों को बड़े पर्दे पर उकेरा है। खासकर हॉस्टल की जिंदगी में पढ़ाई के दौरान प्यार के मकडज़ाल में फंसते युवाओं की कहानी को बेहद संवेदनशील तरीके से दर्शाया गया है।

जनपदवासियों ने ईशा की इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है और उन्हें बधाई दी है। ईशा कैलाश ने इस वेब सीरीज का निर्देशन किया है, जबकि अनिल काबरा प्रोड्यूसर और गोपाल सिंह एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। वेब सीरीज में मुख्य भूमिकाओं में अदिल, सरस शुक्ला और अभिषेक त्रिपुरारी उपाध्याय ने अभिनय किया है। ईशा ने 2011 से फिल्म जगत में अपनी सक्रियता शुरू की थी। शुरुआत में उन्होंने अभिनय से करियर की शुरुआत की और बाद में लेखन एवं निर्देशन में भी अपनी प्रतिभा दिखाई। ईशा की झोली में जल्द ही दो और वेब सीरीज आने वाली हैं। एक में चार लड़कियों और एक कुत्ते की अनोखी कहानी होगी, जबकि दूसरी की शूटिंग अयोध्या में चल रही है, जिसमें चार अलग-अलग पेशे वाले लडक़ों की जिंदगी को दर्शाया जाएगा। जनपद के लोग ईशा को उनकी इस सफलता के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं।

फिल्म अभिनेत्री एवं निर्देशिका ईशा कैलाश व साथ में मौजूद अन्य।

वीरेंद्र बने भारतीय चौरसिया महासभा के अध्यक्ष

जलालपुर, अंबेडकरनगर, अमृत विचार। भारतीय चौरसिया महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पारस चौरसिया के अनुमोदन एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय चौरसिया के दिशा .निर्देश पर जनपद अंबेडकर नगर की जिला इकाई का गठन किया गया। संगठन के विस्तार के तहत जिले में विभिन्न पदाधिकारियों की घोषणा की गई है। जिला अध्यक्ष पद पर वीरेंद्र कुमार चौरसिया को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि सुरेंद्र कुमार चौरसिया को उपाध्यक्ष, प्रभात चौरसिया को जिला प्रभारी, प्रियंका चौरसिया को महिला प्रभारी, राजेंद्र चौरसिया को महासचिव, रामचंद्र चौरसिया को महामंत्री तथा नीरज चौरसिया को सह प्रभारी बनाया गया है। पदभार ग्रहण करने के बाद जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार चौरसिया ने कहा कि महासभा द्वारा जो दायित्व उन्हें सौंपा गया है, वह उसका निर्वहन पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करेंगे। उन्होंने कहा कि समाज के उत्थान और संगठन की मजबूती के लिए हर स्तर पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा किया कि वह समाज और संगठन के हित में पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। संगठन के गठन से जनपद के चौरसिया समाज में हर्ष का माहौल व्याप्त है।

वीरेंद्र कुमार चौरसिया।

वेंडर सुरक्षा के उच्चतम मानक अपनाएं

टांडा, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। एनटीपीसी लिमिटेड के टांडा थर्मल पावर स्टेशन के सरगम सभागार में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत सतर्कता विभाग के संयोजन से विक्रेता सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित विद्युत गृह के कार्यकारी निदेशक जयदेव परिदा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। वरिष्ठ प्रबंधक भंडार नीति सिंघल जायसवाल ने सरकारी ई-बाजार पर विस्तृत प्रस्तुति दी। तत्पश्चात महाप्रबंधक सतर्कता सुभाष चंद्र सिंह ने मुखबिर संरक्षण संकल्प विषय पर एक जागरूकतापरक व्याख्यान प्रस्तुत किया। कहा कि सतर्कता कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। जयदेव परिदा ने वेंडरों और संविदाकारों संबोधित करते हुए गुणवत्ता, सुरक्षा और पारदर्शिता के उच्चतम मानक अपनाने का आह्वान किया। यहां अपर महाप्रबंधक संविदा एवं सामग्री कोठापल्ली वेंकटेश्वर चेरी, महाप्रबंधक प्रचालन एवं अनुरक्षण अजय सिंह यादव, महाप्रबंधक ईंधन प्रबंधन आरएन त्रिपाठी, महाप्रबंधक सतर्कता सुभाष चंद्र सिंह, महाप्रबंधक ऑपरेशन हर्ष कुमार सेठी, अपर महाप्रबंधक मानव संसाधन रजनीश कुमार खेतान रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते निदेशक जयदेव परिदा व मौजूद अन्य अधिकारी।

सख्ती | डीएम ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में फार्मर रजिस्ट्री अभियान का लिया जायजा, अभियान में और तेजी लाने के दिए निर्देश

फार्मर रजिस्ट्री में लापरवाही बरतने वालों पर होगी कार्रवाई

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

अमृत विचार। जनपद के शत-प्रतिशत किसानों का फार्मर रजिस्ट्री बनाए जाने के दृष्टिगत आगामी 10 दिनों तक चलाए जाने वाले फार्मर रजिस्ट्री के विशेष अभियान के तहत जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला द्वारा जनपद के विभिन्न पंचायत भवनों का भ्रमण कर वहां पर संचालित फार्मर रजिस्ट्री शिविर में फार्मर रजिस्ट्री के प्रगति का निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने विकासखंड अकबरपुर, विकासखंड भीटी, विकास खंड जलालपुर के विभिन्न ग्राम पंचायतों यथा अफजलपुर, अलावलपुर, पियारेपुर, प्रतापपुर चमुर्खा, मिझौड़ा, सेमपुर, हजपुरा, रहीमपुर पट्टी आदि ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों में किए जा रहे फार्मर रजिस्ट्री के कार्यों के प्रगति का भौतिक निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने कहा कि फार्मर रजिस्ट्री में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने उपनिदेशक कृषि अश्विनी कुमार सिंह और उप जिलाधिकारियों को सभी पंचायत सहायकों को फार्मर रजिस्ट्री के अवशेष कृषकों की ग्रीन लिस्ट के साथ ही अब रेड लिस्ट व किसान सम्मान निधि योजना से आच्छादित किसानों की सूची भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिन ग्राम पंचायतों में ग्रीन लिस्ट में सम्मिलित किसानों की फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण हो जाए, वहां पर रेड लिस्ट के किसानों की फॉर्मर रजिस्ट्री बनाए जाने का कार्य करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने सभी पंचायत सहायकों को निर्देशित किया कि अपने-अपने ग्राम पंचायत में बाहर निवास करने वाले किसानों की सूची तैयार कर उपनिदेशक कृषि को उपलब्ध कराएं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने फार्मर रजिस्ट्री करते समय वरासत में आए नामों में अंतर आने वाले किसानों की सूची तैयार कर संबंधित कानूनगो को प्रेषित करने के दिशा-निर्देश दिए।

फार्मर रजिस्ट्री के प्रगति का निरीक्षण करते डीएम अनुपम शुक्ला व मौजूद अन्य।

सचिव और लेखपाल कराएं गांव में मुनादी

जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत अलावलपुर में पंचायत सहायक द्वारा फॉर्मर रजिस्ट्री में खराब प्रदर्शन पाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा ग्राम पंचायत सचिव और लेखपाल को गांव में मुनादी कराने तथा हर हाल में ग्रीन लिस्ट में सम्मिलित समस्त किसानों का फार्मर रजिस्ट्री बनाते हुए स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत मिझौड़ा में ग्राम पंचायत सचिव ने बताया कि पंचायत सहायक छुट्टी पर हैं, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि अभियान के दौरान जहां-जहां पर कंप्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता हो वहां पर अभियान के दौरान वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य कराया जाए। विकासखंड जलालपुर के ग्राम पंचायत हजपुरा में फार्मर रजिस्ट्री के निरीक्षण के दौरान लेखपाल द्वारा फार्मर रजिस्ट्री की सूची न उपलब्ध करा पाने ने उपजिलाधिकारी जलालपुर राहुल गुप्ता को संबंधित लेखपाल को चार्जशीट देने के निर्देश दिए।

युवक ने फांसी के फंदे से लटकर दी जान

जहांगीरगंज (अंबेडकरनगर)। थाना क्षेत्र जहांगीरगंज अंतर्गत ग्राम सहाबुद्दीनपुर में बीती शाम एक 24 वर्षीय युवक ने पेड़ से फांसी के फंदे से लटकर जान दे दी। बता दें कि ग्राम सहाबुद्दीनपुर निवासी युवक अभिषेक पुत्र रविन्द्र बीती शाम लगभग आठ बजे घर के सामने स्थित नीम के पेड़ पर फंदे से लटकर जान दे दिया। घर परिवार के लोग आनन-फानन में उसे पेड़ से उतारकर अस्पताल ले गए, जहां पर उसे डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों का कहना है कि पारिवारिक विवाद के कारण युवक ने फांसी लगाकर जान दी है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष अजय प्रताप यादव ने बताया कि तहरीर नहीं मिली है, तहरीर मिलने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

मालीपुर-जलालपुर मार्ग पर ट्रैफिक जाम के दौरान मारपीट

जलालपुर (अंबेडकरनगर)

अमृत विचार। मालीपुर-जलालपुर मार्ग पर ट्रैफिक जाम के दौरान एक स्थानीय युवक के साथ मारपीट और अभद्रता का मामला सामने आया है। युवक ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि वीडियो बनाने के दौरान कुछ लोगों ने उनका मोबाइल छीन लिया और जान से मारने की धमकी दी।

जलालपुर नगर पंचायत क्षेत्र के पश्चिम तरफ निवासी युवक गोपाल सोनकर पुत्र राममंगल ने कोतवाली जलालपुर में दी तहरीर में बताया कि बीते शनिवार को करीब तीन बजे वह मालीपुर सडक़ पर कबीर मठ के सामने लगे जाम का वीडियो बना रहे थे। उसी दौरान सुरेश यादव नामक व्यक्ति एक महिला से विवाद कर रहा था, जिसका दृश्य भी कैमरे में कैद हो गया। आरोप है कि इसी बात से नाराज सुरेश यादव अपने एक साथी के साथ वहां पहुंचा और युवक से मोबाइल छीन लिया। मोबाइल से वीडियो डिलीट करने का दबाव बनाते हुए जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया और गालियां दी। पीड़ित ने बताया कि सुरेश यादव मोबाइल तोडऩे की कोशिश भी कर रहा था, लेकिन पहचान बताने पर उसने मोबाइल वापस कर दिया।

पीड़ित ने मामले की लिखित शिकायत कोतवाली जलालपुर पुलिस से की है और आरोपियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

न्यूज ब्रीफ

चौरासी बाबा का भंडारा पांच को

मोतिगरपुर, अमृत विचार : हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी चौरासी बाबा आश्रम बेलहरी मे 5 नवम्बर को गुरु नानक जयंती (पूर्णिमा) पर विशाल भंडारे का आयोजन होगा। शिवेन्द्र प्रताप चंचल सिंह ने बताया आश्रम पर गुरु भगवान चौरासी महराज का प्रतीकात्मक दर्शन का लाभ श्रद्धालुओं को मिलेगा।

पट्टीदारों के विवाद में धमकी देने का केस दर्ज

सुलतानपुर, अमृत विचार : कादीपुर थाना क्षेत्र के ब्रम्हरौली गांव में पट्टीदारों के विवाद का मामला सामने आया है। गांव निवासी हरिशंकर निषाद ने प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि दीपावली के दिन एक व्यक्ति की पुत्री ने उनके पुत्र पर झूठा छेड़खानी का आरोप लगाकर उन्हें जान से मारने की धमकी दी। हरिशंकर का कहना है कि वे परिवार सहित वाराणसी में रहते हैं और केवल तीज-त्योहार पर ही गांव आते हैं। थाना प्रभारी अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

खाटूश्याम को छप्पन भोग अर्पित

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार : देवत्थान एकादशी एवं खाटू श्याम जयंती के अवसर पर शनिवार की देर रात कस्बे में भक्तिमय माहौल देखने को मिला। पुरानी बाजार में स्थित खाटू श्याम मंदिर में भव्य कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धालुओं ने खाटू श्यामजी की पूजा-अर्चना की और छप्पन भोग अर्पित किया। आरती व पूजन के समय भाजपा के पूर्व सभासद उत्कर्ष मोदनवाल, प्रदीप मोदनवाल, शैलेन्द्र उपाध्याय, सुनील कुमार सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

पूर्व चिकित्सा अधीक्षक पर छेड़खानी का केस दर्ज

महिला स्वास्थ्य कर्मी की शिकायत पर पुलिस ने छेड़छाड़ व दलित उत्पीड़न की धाराओं में की कार्रवाई

लंभुआ, सुलतानपुर

अमृत विचारः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंभुआ में तैनात एक महिला स्वास्थ्य कर्मी ने पूर्व चिकित्सा अधीक्षक पर अश्लील बातचीत और छेड़खानी का आरोप लगाते हुए पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले में छेड़खानी एवं दलित उत्पीड़न की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बताया जाता है कि पूर्व चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार का कुछ दिन पहले अस्पताल में तैनात दलित महिला स्वास्थ्य कर्मी से अश्लील बातचीत का एक ऑडियो वायरल हुआ था। ऑडियो सामने आते ही स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया था। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भारत भूषण ने तत्काल जांच के आदेश दिए थे। ऑडियो वायरल होने के बाद पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर पूर्व चिकित्सा अधीक्षक पर छेड़खानी व दलित उत्पीड़न का आरोप लगाया। इस पर कोतवाली प्रभारी संदीप राय ने बताया कि पीड़ित महिला की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है।

इस संबंध में सीएमओ डॉ. भारत भूषण ने कहा कि आरोपी चिकित्साधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई अभी लंबित है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीण और कथित सिपाही का ऑडियो वायरल होने पर मुकदमा दर्ज

- ग्राम प्रधान की तहरीर पर पुलिस ने ग्रामीण के खिलाफ की कार्रवाई ऑडियो में मटन पार्टी और पैसों की चर्चा

लंभुआ, सुलतानपुर : कोतवाली क्षेत्र में एक ग्रामीण और कथित सिपाही के बीच हुई बातचीत का ऑडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वायरल ऑडियो में एक अपराधी की गिरफ्तारी, ग्राम प्रधान की भूमिका तथा कथित पुलिसकर्मी के कमरे पर मटन पार्टी और 10 हजार रुपए खर्च किए जाने की चर्चा सुनाई दे रही है। मामला बीते 25 अक्टूबर का है, जब पुलिस ने मामपुर निवासी गोविंद पुत्र संतराम को अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसी प्रकरण से संबंधित बीते बुधवार को एक ऑडियो वायरल हुआ, जिसमें एक ग्रामीण कथित सिपाही से बातचीत कर रहा है। बातचीत में सिपाही यह कहता सुनाई देता है कि अपराधी की गिरफ्तारी के लिए पुलिसकर्मियों के कमरे पर मटन पार्टी हुई थी और ग्राम प्रधान द्वारा दस हजार रुपये खर्च किए गए थे। ऑडियो सामने आने के बाद पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस प्रकरण में किसी भी पुलिसकर्मी की संलिप्तता नहीं है और इसे पंचायत चुनाव की रंजिश बताया जा रहा है। हालांकि, अमृत विचार इस ऑडियो की पुष्टि नहीं करता है। इस बीच, ग्राम प्रधान जैकेश ने मामपुर निवासी पंकज पांडेय उर्फ मोनू पांडेय के खिलाफ कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया कि पंचायत चुनाव की रंजिश में उनकी छवि धूमिल करने की नीयत से यह ऑडियो वायरल किया गया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संदीप कुमार राय ने बताया कि ग्राम प्रधान की तहरीर पर संबंधित ग्रामीण के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

कोर्ट के आदेश पर किशोरी के अपहरण मामले में 6 पर केस

- पुलिस ने 4 नामजद व दो अज्ञात आरोपियों के खिलाफ की कार्रवाई

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचारः न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने किशोरी को जबरन घर से उठा ले जाने के मामले में चार नामजद और दो अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने आरोप लगाया कि उसकी 16 वर्षीय पुत्री को बीते 16 जून 2025 को गांव के ही शिवम बहाला बहला-फुसलाकर भगा ले गया था। इस प्रकरण में पूर्व में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। काफी तलाश के बाद किशोरी बरामद हुई, जिसे 5 अगस्त को पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया था।

शिकायत के अनुसार, अगले ही दिन यानी 6 अगस्त को शिवम अपने परिजनों राम प्रसाद, अंकित, मिठाई लाल तथा दो अज्ञात साथियों के साथ घर पर पहुंचा और किशोरी को जबरन उठा ले गया। विरोध करने पर परिजनों को जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित पक्ष द्वारा बार-बार सूचना देने के बावजूद जब कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय के निर्देश पर शनिवार को कोतवाली पुलिस ने सभी छह आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

खस्ताहाल सड़क को दी प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि

मोतिगरपुर, सुलतानपुर

मोतिगरपुर-गोशैसिंहपुर टूटी सड़क का अस्थि कलश में अवशेष भरते प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे।

- आप ने मोतिगरपुर-गोशैसिंहपुर मार्ग की बदहाली पर सरकार को घेरा

अमृत विचारः क्षेत्र की जर्जर मोतिगरपुर-गोशैसिंहपुर सड़क की दुर्दशा को लेकर आम आदमी पार्टी ने रविवार को अनोखे अंदाज में विरोध दर्ज कराया। सदर विधानसभा संगठन प्रभारी एवं प्रदेश प्रवक्ता बंशराज दूबे के संयोजन में कार्यकर्ताओं ने सड़क किनारे प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर शासन-प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया।

कार्यकर्ताओं ने सड़क के किनारे बने किलोमीटर पत्थर पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा। इसके बाद सड़क के टूटे अवशेषों को "अस्थि कलश" में भरकर लाल कपड़े से बांधा और विधि-विधान से आदि गंगा गोमती में विसर्जित किया। बंशराज दूबे ने कहा कि वर्षों से इस मार्ग की मरम्मत नहीं हुई है। आए दिन वाहन फंस जाते हैं और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है, लेकिन जनप्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी मौन हैं। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के माध्यम से सरकार को यह संदेश दिया गया है कि जनता अब अपनी समस्याओं को यूं ही अनदेखा नहीं होने देगी। टूटी सड़क सरकार के विकास के दावों की हकीकत उजागर कर रही है। इस मौके पर राकेश सिंह, दिलीप यादव, धर्मराज सिंह, रमाशंकर, कुलदीप यादव, सहित बड़ी संख्या में आम आदमी पार्टी कार्यकर्ता व स्थानीय लोग मौजूद रहे।

एबीवीपी कादीपुर तहसील एवं नगर इकाई का गठन

संवाददाता, सुलतानपुर

नवगठित कमेटी का किया गया स्वागत। ● अमृत विचार

- डॉ. संतोष अंश ने चुनाव अधिकारी के रूप में की नवीन पदाधिकारियों की घोषणा

अमृत विचारः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कादीपुर की तहसील एवं नगर इकाई का गठन सरस्वती शिशु मंदिर झारखंड, कादीपुर में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर चुनाव अधिकारी के रूप में एबीवीपी के प्रांत उपाध्यक्ष डॉ. संतोष सिंह अंश उपस्थित रहे, जिन्होंने नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की।

घोषित पदाधिकारियों में नगर अध्यक्ष डॉ. शनि कुमार शुक्ल, नगर उपाध्यक्ष ज्ञानेंद्र कुमार सिंह एवं पवन यादव, नगर मंत्री कुश सिंह, नगर सह मंत्री अविरल तिवारी, आनंद अग्रहरि, सौम्या शंखधर, आयुष्मान सिंह, सुंदरम सोनी शामिल हैं। एसएफडी संयोजक विजय कुमार, सह संयोजक सूरज कुमार, एसएफएस संयोजक सिद्धांत यादव, सह संयोजक तनु सिंह व सिद्धार्थ सिंह, राष्ट्रीय कला मंच संयोजक सत्यम राव, खेलो भारत प्रमुख नीरज तिवारी, खेलो भारत संयोजक सौरभ, सह संयोजक अर्चित दूबे, नगर सोशल मीडिया संयोजक सुमित पांडेय, सह संयोजक अमित प्रजापति घोषित किए गए। नगर कार्यकारिणी सदस्य के रूप में नीरज यादव, युवराज सिंह, चंदन यादव, हिमांशु सिंह, सौरभ यादव को स्थान मिला। वहीं, तहसील प्रमुख डॉ. संतोष विश्वकर्मा, तहसील संयोजक विक्रम सिंह, तहसील सह संयोजक आदर्श शर्मा व शुभांकर श्रीवास्तव बनाए गए।

इस अवसर पर जिला संयोजक तेजस्व पांडेय ने एबीवीपी के इतिहास, उद्देश्यों और संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में शरद कुमार, देव राय सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

254 में से 32 आंगनबाड़ी केंद्र अभी भी निर्माणाधीन, 75 का होना था कायाकल्प

- 72 आंगनबाड़ी केंद्र अभी भी हैं अपूर्ण , मात्र तीन का ही हो पाया कायाकल्प

> अधूरे पड़े आंगनबाड़ी केंद्रों को पूरा कराए जाने के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी को पत्र लिखा गया है। जल्द ही अधूरे आंगनबाड़ी केंद्र तैयार कराए जाएंगे। - शरद कुमार त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचारः बाल विकास महकमा 2511 आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से लाभार्थियों को सेवा प्रदान कर रहा है। महकमे के आंगनबाड़ी केंद्र प्रथमिक विद्यालय, पंचायत भवन सहित अन्य स्थानों पर संचालित होते हैं।

महकमे द्वारा अपने आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण कराया जा रहा है। महकमे को वित्तीय वर्ष 2022-23 में 106 आंगनबाड़ी केंद्र, वित्तीय वर्ष 23-24 में 119 आंगनबाड़ी केंद्र तो 24-25 में 29 आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण की स्वीकृती निदेशालय से मिली है। आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए कार्यदाई संस्था ग्राम पंचायत को नामित किया गया था। वित्तीय वर्ष 2022- 23 में दो आंगनबाड़ी केंद्र नींव स्तर एक आंगनबाड़ी केंद्र बीम स्तर तो तीन छह स्तर पर लंबित है। वही वित्तीय वर्ष 2023- 24 चार आंगनबाड़ी केंद्र नींव स्तर, तीन नींव स्तर तो दो छत स्तर पर लंबित है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में पांच आंगनबाड़ी केंद्र नींव स्तर ,पांच बीम स्तर तो पांच छह स्तर पर लंबित हैं। वही 75 आंगनबाड़ी केंद्र कायाकल्प के तहत मूलभूत सुविधाओं के लिए विभाग ने ग्राम पंचायतो को दिया गया था। 75 केंद्र के सापेक्ष तीन आंगनबाड़ी केंद्रों का ही कायाकल्प ही हो पाया है। 73 आंगनबाड़ी केंद्र अभी कायाकल्प से वंचित है।

श्री गुरु नानक देव मार्ग का लोकार्पण, निकली कीर्तन शोभायात्रा

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

श्री गुरु नानक देव मार्ग का उद्घाटन करते पंच प्यारे। ● अमृत विचार

- पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल की उपस्थिति में पंच प्यारे ने किया उद्घाटन, श्रद्धालुओं को वितरित हुआ प्रसाद

अमृत विचारः नगर क्षेत्र में डाकखाना चौराहा से गया प्रसाद चौराहे होते हुए पंजाबी मार्केट और जिला अस्पताल चौराहे तक के मार्ग का नामकरण सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी के नाम पर श्री गुरु नानक देव मार्ग (जी.एन.डी. रोड) किया गया है। गुरु नानक देव जी की जयंती के पूर्व रविवार को सिख समाज द्वारा निकाली गई नगर कीर्तन शोभायात्रा के दौरान पंच प्यारों ने पालिकाध्यक्ष प्रवीण कुमार अग्रवाल की विशिष्ट उपस्थिति में जिला अस्पताल के सामने इस मार्ग का लोकार्पण किया।

इसके उपरांत डाकखाना चौराहे पर वरिष्ठ पत्रकार राज खन्ना ने शिलापट्ट का फीता काटकर उद्घाटन किया और नगर पालिका की ओर से शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को समारोहपूर्वक प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर पालिकाध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल ने कहा कि वर्षों से गंदानाला के नाम से प्रसिद्ध इस मार्ग का नाम बदलने की मांग लगातार की जा रही थी। नगर पालिका बोर्ड ने इसे श्री गुरु नानक देव मार्ग के रूप में स्वीकृत किया है। गुरु नानक देव जी सर्वेश्वरवादी एवं सूफी संत थे, जिन्होंने एक परमात्मा की उपासना और मानवता का अद्भुत मार्ग प्रस्तुत किया। उन्होंने तत्कालीन राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक व्यवस्था पर सार्थक दृष्टि डालते हुए समाज सुधार का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने नारी को सम्मान और बड़प्पन देने की परंपरा स्थापित की। उनके भजन, जो भक्तिभाव और करुणा से पूर्ण हैं, बाद में गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित किए गए। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि इस मार्ग का नामकरण गुरु नानक देव जी के प्रति श्रद्धांजलि और नगर के लिए गौरव का विषय है, जिसकी सिख समाज के लोगों ने सराहना की।

इस अवसर पर सभासद रमेश सिंह टिन्नू, सुशीला देवी, प्रवीण मिश्र, अरुण कुमार तिवारी, दिनेश चौरसिया, गिरीश कुमार मिश्र, अरविंद कुमार यादव, अरशद हबीब, मनीष जायसवाल, संदीप गुप्ता, संतोष चौधरी, समाजसेवी राजू 'पीको', राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचारक आशीष जी, जगजीत सिंह छंगू, विजय त्रिपाठी, रीना जायसवाल, श्रीनाथ वर्मा, अखिलेश जायसवाल, चंदन नारायण सिंह, रामेंद्र सिंह राणा, प्रतीक सहित भारी संख्या में गणमान्य नागरिक व स्थानीय जनमानस उपस्थित रहे।

दो बाइकों की टक्कर में तीन लोग घायल, दो की हालत गंभीर

भदैया सुलतानपुर, अमृत विचार : हनुमानगंज बाजार में रविवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भदैया भेजा गया। सीएचसी में चिकित्सकों ने दो घायलों, मोहम्मद कामिल और सुरजीत की गंभीर हालत देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। कोतवाली देहात अंतर्गत लखनऊ-वाराणसी रेल मार्ग के हनुमानगंज रेलवे क्रॉसिंग के पास हुई। घायलों में हनुमानगंज निवासी सुरजीत (20 वर्ष) पुत्र राम नारायण तथा बुकुंदपुर थाना बंधुआ कला निवासी मोहम्मद कामिल (55 वर्ष) और उनके साथ बैठे अमन (15 वर्ष) शामिल हैं। मोहम्मद कामिल और अमन बुकुंदपुर से बेला मोहन निवासी कलीम के घर जा रहे थे।

भगवान की कृपा से स्वतः खुल जाते हैं सभी बंधन : पं. घनश्याम

मोतिगरपुर, सुलतानपुर

कथा व्यास पं. घनश्याम द्विवेदी।

- भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का भावपूर्ण वर्णन झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

अमृत विचारः गौरा गांव में चल रही सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में शनिवार की शाम कथा व्यास पंडित घनश्याम द्विवेदी ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव प्रसंग का ऐसा भावपूर्ण वर्णन किया कि श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। भजनों की मधुर स्वर लहरियों पर पांडाल में महिलाएं थिरकती रहीं, वहीं श्रीकृष्ण जन्म की झांकी भक्तों के आकर्षण का केंद्र बनी रही।

कथा व्यास पं. घनश्याम महाराज ने कहा कि जब भगवान श्रीकृष्ण का जन्म आधी रात को कारागार में हुआ, तब पहरेदार निद्रा में लीन हो गए और माता देवकी व वासुदेव की बेड़ियां स्वतः खुल गईं। वासुदेव जब नवजात श्रीकृष्ण को टोकरी में लेकर गोकुल की ओर बढ़े, तो यमुना का जलस्तर बढ़ गया, किंतु प्रभु के चरण स्पर्श करते ही शांत हो गया। उन्होंने कहा कि जब भगवान की कृपा होती है, तो जीवन के सभी बंधन स्वतः समाप्त हो जाते हैं और शुभ परिवर्तन आने लगता है। कथा के अंत में यजमान सूर्यनाथ त्रिपाठी ने सपत्नीक व्यासपीठ की आरती उतारी। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष ओ.पी. चौधरी, एडवोकेट अभयराज यादव, विजय पाल, बैजनाथ तिवारी, मायाराम तिवारी, प्रशांत तिवारी, रामजी सिंह, गांधी तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मनुष्य मात्र के कल्याण के लिए भगवान लेते हैं अवतारः महाराज

- खुर्शीद क्लब मैदान में द्वितीय दिवस की संगीतमय श्रीराम कथा में श्रद्धा और भक्ति का संगम

संवाददाता, सुलतानपुर : खुर्शीद क्लब मैदान में चल रही संगीतमय श्रीराम कथा के द्वितीय दिवस की कथा का शुभारंभ भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अंश द्विवेदी ने प्रभु श्रीराम जी के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर किया। मंच पर कथा व्यास श्री प्रेम दास रामायण जी महाराज ने भक्तों को रामकथा का अमृतपान कराया। कथा व्यास ने कहा कि "भगवान मनुष्य मात्र के कल्याण के लिए पृथ्वी पर अवतरित होते हैं। जब-जब जीव विपत्ति में पड़ता है, भगवान उसके उद्धार हेतु अवतार लेते हैं।" उन्होंने कहा कि पृथ्वी पर जब कंस का अत्याचार बढ़ा तो भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया और जब रावण का अत्याचार चरम पर पहुँचा तो भगवान श्रीराम ने अवतार लेकर धर्म की स्थापना की। कथा व्यास ने कहा कि कलियुग में भी जब अधर्म का प्रकोप बढ़ेगा, तब भगवान कल्कि अवतार के रूप में मानवता का उद्धार करेंगे। प्रभु श्रीराम के जन्म प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान ने साधु-संत, गौ, गंगा और ब्राह्मणों के कल्याण के लिए अवतार लिया और राक्षसों का संहार कर धर्म की पुनः स्थापना की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रणव ओझा, भरत मिश्रा, दिनेश सिंह, योगेश तिवारी, कुलदीप वर्मा, दिलीप मिश्रा, शुभम द्विवेदी, राधिका प्रसाद पांडेय, श्याम नारायण मिश्रा, मनोज शुक्ला, बेनू शुक्ला, राजकुमार पांडेय, बृजेश शास्त्री सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

देवमूर्ति जी ने सत्य धर्म और परोपकार पर सुनाई कथा

विंदेश्वरीगंज, सुलतानपुर, अमृत विचारः तहसील क्षेत्र के ग्राम कोदैनिया सिंहनी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय दिवस राष्ट्रीय संत देवाचार्य देवमूर्ति जी महाराज (धर्म सिंधु चौरिटेबल ट्रस्ट, अयोध्या) ने सत्य, धर्म और परोपकार के महत्व पर विस्तृत प्रवचन दिया। कथा सुनने को सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

अपने प्रवचन में महाराज श्री ने कहा कि "सत्य साक्षात ईश्वर है और सत्य का पालन ही मनुष्य जीवन का सर्वोच्च धर्म है।" उन्होंने कहा कि असत्य से बड़ा कोई पाप नहीं, इसलिए मनुष्य को सदैव सत्य मार्ग अपनाना चाहिए। महाराज श्री ने आगे कहा कि "परोपकार से बढ़कर कोई धर्म नहीं है। जो दूसरों की भलाई करता है वही सच्चा पुण्यात्मा है।" आयोजन शोभित राम तिवारी, अनुराग तिवारी एवं तिवारी परिवार की ओर से किया जा रहा है। कथा पंडाल को आकर्षक ढंग से सजाया गया है, वहीं श्रद्धालुओं के बैठने व प्रसाद की उत्तम व्यवस्था की गई। कथा में राकेश यादव, रमेश तिवारी,नितीश तिवारी, अभिनन्दन तिवारी,आलोक तिवारी, अनमोल तिवारी, नमन तिवारी अर्पित तिवारी, अवनीश तिवारी सहित सैकड़ो श्रोता मौजूद रहे।

आयोजन

कवि सम्मेलन में गूंजी साहित्य की स्वर लहरियां, 'पानी में गिरे आँसू' पुस्तक का विमोचन

प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावियों को मिला गौरव

विंदेश्वरीगंज, सुलतानपुर

अमृत विचारः तहसील क्षेत्र बल्दीराय स्थित राम मिलन सालिकराम ज्ञानोदय इंटर कॉलेज में रविवार को भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया, साथ ही समाजसेवा एवं साहित्य के क्षेत्र में योगदान देने वाली विभूतियों को भी सम्मान प्रदान किया गया।

समारोह में परास्नातक छात्रा एवं राष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी प्रांजलि शर्मा को विश्वविद्यालय कुलपति स्वर्ण पदक, समृद्धि सिंह को ऑल इंडिया पीएचडी प्रवेश परीक्षा में रैंक-2, मास्टर अविघ्न तिवारी को राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में उपविजेता और विद्यालय की छात्रा कलश शर्मा को हिंदुस्तान ओलंपियाड के राष्ट्रीय विजेता के रूप में सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभाओं को अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। इसके अलावा सामाजिक सेवा के लिए डॉ. राम आसरे वर्मा, वरिष्ठ साहित्यकार महेश चंद्र मिश्र 'मिसिर' तथा रेलवे सलाहकार बोर्ड सदस्य अनुपम पांडेय को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इसौली विधायक एवं पूर्व सांसद ताहिर खान ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में कवि पुष्कर सुल्तानपुरी की पुस्तक 'पानी में गिरे आंसू' का विमोचन मुख्य अतिथि विधायक ताहिर खान एवं उपस्थित गणमान्य द्वारा किया गया। इसके उपरांत आयोजित कवि सम्मेलन में वरिष्ठ एवं युवा कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

पानी में गिरे आंसू' पुस्तक का विमोचन करते विधायक ताहिर खान व अन्य।

कवि सम्मेलन का संचालन कवि पुष्कर सुल्तानपुरी ने किया, जिसमें महेश चंद्र मिश्र मिसिर, अनुपम पांडेय, राज कुमार तिवारी 'सरल', मनीष मौर्य 'सरस्', उमेश पांडेय 'गिरिजा', विकास वैभव, विनय शुक्ल 'मंगल', राजेश मिश्रा आदि कवियों ने काव्य पाठ किया। इस अवसर पर जिला संघ चालक डॉ. अवधेश कुमार त्रिपाठी, भाजपा मंडल अध्यक्ष विशाल जायसवाल, नरेंद्र अग्रहरि सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित रहे। संचालन प्रधानाचार्य कर्मराज शर्मा 'तुकांत' ने किया।

गोमती मित्रों का छठ के बाद पहला श्रमदान

सुलतानपुर, अमृत विचारः रविवार को गोमती मित्रों ने छठ पर्व के बाद पहला साप्ताहिक श्रमदान कर गोमती धाम को स्वच्छ बनाया। प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह ने बताया कि पर्व के बाद प्रशासन ने सफाई की, पर गोमती मित्रों ने अतिरिक्त मेहनत कर पूरे धाम को चमका दिया। श्रमदान सुबह 6 से 9 बजे तक चला। इसमें मदन सिंह, सेनजीत कसौधन दाऊ, डॉ. कुंवर दिनकर प्रताप सिंह, मुन्ना सोनी, राकेश सिंह दद्दू, मुन्ना पाठक, अजय प्रताप सिंह, संत कुमार प्रधान, अजय वर्मा, आलोक तिवारी सहित कई गोमती मित्रों ने भाग लिया।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैने अपना नाम KM KAVITA RANI से बदलकर KAVITA WADHWANI रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-DILIP MOTANI ADD-37A, NEW SHUBHAM CITY PANDIT KHERA, ALI NAGAR SUNHARA PO-SADRAUNA DIST-LUCKNOW-226008(U.P.)

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैने अपना नाम PURTI SETIA से POORTI SETIA कर लिया है। भविष्य में मैं इसी नाम से जानी व पहचानी जाऊंगी। POORTI SETIA H.NO-22/1, GOKHALE MARG LUCKNOW

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम MANISH KUMAR VERMA से MANISH VERMA कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। MANISH VERMA, H·NO-19, PARIS HUDDHANI REAL EART CITY DEVSTHAN ANAURA KALAN LUCKNOW

न्यूज ब्रीफ

उधारी मांगने पर दी जान से मारने की धमकी

तरबगंज । गौहनिया गांव निवासी युवती ने उधार मांगने पर गाली गलौज करते हुए जानमाल की धमकी देने का आरोप लगाया है। तहरीर में छाया तिवारी ने कहा है कि चांदपुर गांव निवासी मोहित दूबे को 45000 रुपये उधार दिया था उन्होंने एक महीने में पैसा वापस करने को कहा था। लेकिन पैसा वापस नहीं दिया। शिकायत थाने पर की तो आरोपी के पिता रघुनाथ दूबे ने पैसे देने की हामी भरी। फिर भी नहीं दिया। जब मांगने जाती है तो पूरे परिवार मिलकर गाली-गलौज करते हैं व जानमाल की धमकी देते हैं। थानाध्यक्ष कमलाकांत त्रिपाठी ने बताया कि युवती की शिकायत पर पिता पुत्र के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

छेड़खानी व मारपीट के मामले में केस दर्ज

तरबगंज, गोंडा, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के दो गांवों में हुई छेड़खानी व मारपीट मामले में एक गांव में छेड़खानी की शिकार लड़की व दूसरे गांव में लड़की की मां ने शिकायत की है। शिकायत में छेड़खानी की शिकार हुई लड़की ने बताया कि हम क्लास 12 में क्षेत्र के अम्बिका प्रसाद उपाध्याय इंटर कॉलेज में पढ़ रही है। स्कूल आते जाते समय रास्ते में गांव का ही युवक छेड़खानी करता है व धमकी देता है कि तुम्हे उठा ले जाऊंगा ये शिलशिला एक महीने से चल रहा था जिससे परेशान होकर घर पर मां पिता व भाई से बताया। जिस पर उलाहना देने मां पिता व भाई विपक्षी के घर पर शनिवार को लगभग 9 बजे गये तो विपक्षी पूरे परिवार के साथ मिलकर हमारी माँ व पिता भाई को लाठी डंडे से मारने लगे जिससे सभी लोग घायल हो गए हैं।

चोरी हुई बाइक की बरामदगी की मांग

करनैलगंज, अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मेहंदी हाता बजरंग नगर विवियापुर निवासी दुर्गा प्रसाद ने पुलिस के उच्च अधिकारियों सहित मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजा है। जिसमें कहा है कि उसकी सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल दिनांक 20 अक्टूबर 2025 को चोरी हो गई थी। इस संबंध में उसने कोतवाली करनैलगंज में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का कहना है कि जिस स्थान से बाइक चोरी हुई थी, उसके आसपास सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, लेकिन संबंधित लोग फुटेज दिखाने को तैयार नहीं हैं, जबकि यह कार्य विवेचना अधिकारी के माध्यम से संभव है। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज की जांच कराकर बाइक की शीघ्र बरामदगी की मांग की है।

सीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने पर केस

गोंडा : वजीरगंज क्षेत्र के नगवा निवासी किशोर द्वारा फेसबुक पर मुख्यमंत्री के विरुद्ध आपत्तिजनक पोस्ट को लेकर गांव के संजय सिंह राना व अतुल कुमार सिंह ने थाने पर मुकदमा दर्ज कराया है। दर्ज मुकदमे के अनुसार आरोपी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की फोटो को विकृत कर हिंदू देवी देवताओं को अपशब्द कहते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल किया है। प्रभारी थानाध्यक्ष वेदराम यादव ने बताया कि मुख्यमंत्री पर आपत्तिजनक पोस्ट करने को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया है।आरोपी नाबालिग है। अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है।

च्यवन मुनि आश्रम पर हिंदू सम्मेलन आज

गोंडा, अमृत विचार । अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल, राष्ट्रीय महिला परिषद के नेतृत्व में 3 नवंबर को सुभागपुर के च्यवन मुनि आश्रम पर हिंदू महासम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वेद सचान, प्रांत संगठन मंत्री (अवध एवं कानपुर) अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद, विशिष्ट अतिथि कमलेश तिवारी, प्रांत उपाध्यक्ष राष्ट्रीय महिला परिषद होंगी। इस कार्यक्रम के आयोजक अनिरुद्ध महराज होंगे। इसमें अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद सहित सभी आयाम राष्ट्रीय बजरंग दल, हिंदू एडवोकेट फोरम, राष्ट्रीय महिला परिषद, ओजस्विनी के समस्त पदाधिकारियों को आमंत्रित किया गया है।

भारतीय न्याय संहिता पर हुई निबंध प्रतियोगिता

मनकापुर, गोंडा : कोतवाली मनकापुर के तत्वावधान में रविवार को राजा रघुराज सिंह महाविद्यालय में भारतीय न्याय संहिता पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 150 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान कोतवाली पुलिस एवं मिशन शक्ति टीम की ओर से छात्राओं को देश के तीन नए कानूनों भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य संहिता के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।प्रतियोगिता में रीतिका शर्मा ने प्रथम स्थान, शुभम शर्मा ने द्वितीय स्थान तथा अनुष्का तिवारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।कार्यक्रम में प्रभारी निरीक्षण निर्भय नारायण सिंह, महाविद्यालय प्राचार्य रामेश्वरम चतुर्वेदी, एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

2.25 करोड़ की रिश्वत मांगने में फंसे बीएसए, एफआईआर का आदेश

फर्नीचर सप्लाई करने वाली फर्म से रिश्वत मांगने का आरोप, 26 लाख एडवांस भी लिया, डीसी निर्माण व डीसी (जेम) भी रिश्वतखोरी में फंसे

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार : जिले का बेसिक शिक्षा विभाग एक बार फिर से भ्रष्टाचार के लपेटे में आ गया है। इस बार जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी व उनके दो अधीनस्थ फर्नीचर सप्लाई करने वाली फर्म से 2.25 करोड़ रुपये की रिश्वत मांगकर फंस गए हैं। आरोप है कि बीएसए और उनके अधीनस्थों ने मांगी गयी रिश्वत की धनराशि में में से 26 लाख रुपया एडवांस भी लिया इसके बावजूद फर्म का टेंडर निरस्त कर कंपनी को ब्लैक लिस्ट करते हुए उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गयी। मामले का संज्ञान लेते हुए गोरखपुर की एंटी करप्शन कोर्ट ने बीएसए अतुल तिवारी, डीसी निर्माण विद्या भूषण मिश्र व डीसी (जेम) प्रेमशंकर मिश्र के खिलाफ नगर कोतवाली पुलिस को एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। अपने आदेश में कोर्ट ने कहा है कि यह रुटीन प्रकृति का नहीं है बल्कि यह भ्रष्टाचार का गंभीर मामला है।

देहात कोतवाली थाना क्षेत्र के किनकी गांव के रहने वाले मनोज पाण्डेय फर्नीचर व्यवसायी हैं। वह हरियाणा के गुरुग्राम में संचालित नीमन सीटिंग सल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड अपनी फर्म के प्रबंध निदेशक हैं। मनोज पांडेय के मुताबिक अक्टूबर 2024 में गोंडा बेसिक शिक्षा विभाग की तरफ से परिषदीय स्कूलों में फर्नीचर सप्लाई के लिए निविदा प्रकाशित करायी गयी थी। जेएम पोर्टल पर पंजीकृत होने के नाते उनकी फर्म ने भी फर्नीचर सप्लाई का टेंडर भरा था। इसमें उनकी फर्म एल-1 के तौर पर चयनित हुई थी। मनोज पांडेय का कहना है कि उनके फर्म के चयन के बाद बीएसए अतुल तिवारी ने अपने अधीनस्थ सरकारी कर्मचारी प्रेम शंकर मिश्रा डीसी (जेम) और डीसी निर्माण विद्याभूषण के माध्यम से उन्हें अपने आवास हाउसिंग कालोनी पर बुलाया और बातचीत के दौरान कहा कि खाली जेम पोर्टल से ही काम नहीं मिल पायेगा। यह काम लगभग 15 करोड़ रुपये का है। तुम्हें 15 प्रतिशत के हिसाब से 2 करोड़ 25 लाख रुपये कमीशन देना पड़ेगा। जिसमें से 50 लाख रुपये एडवांस देना पड़ेगा, क्योंकि इस धनराशि को ऊपर के उच्चाधिकारियों को भी देना होगा तब वह प्रपत्रों पर साइन करेंगे। इस पर मनोज पांडेय ने बीएसए को 22 लाख रुपये व दोनों डीसी को 4 लाख रुपये समेत कुल 26 लाख रुपये का भुगतान कर दिया। शेष 24 लाख रुपये का भुगतान करने के लिए समय मांगा तो बीएसए ने जमानत के तौर पर दिए गए 50 लाख रुपये के डिमांड ड्राफ्ट को वापस कर कहा कि इसे तोड़कर बाकी के 24 लाख रुपये भी दे दीजिए। मनोज का कहना है कि इस तरह की जल्दबाजी देखकर उन्हें शंका हुई तो उन्होंने वर्क ऑर्डर की कॉपी मिलने के बाद पैसे देने की बात कही लेकिन इससे नाराज बीएसए ने उन्हें नोटिस जारी कर धमकाना शुरू कर दिया। मनोज का आरोप है कि जब उन्होंने अपना पैसा वापस मांगा तो बीएसए व उनके अधीनस्थों ने उन्हें कार्यालय से भगा दिया और उनकी फर्म को ब्लैक लिस्ट करते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी। इस तरह न तो उन्हें काम मिला और न ही उनके पैसे वापस किए गए। मनोज ने इस मामले की शिकायत गोरखपुर स्थित भ्रष्टाचार निवारण कोर्ट में की। कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद यह माना कि यह रुटीन प्रकृति का नहीं है बल्कि यह भ्रष्टाचार का गंभीर मामला है। एंटी करप्शन कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विपिन कुमार (तृतीय) ने नगर कोतवाली पुलिस को बीएसए अतुल तिवारी, डीसी निर्माण विद्या भूषण मिश्र व डीसी (जेम) प्रेमशंकर मिश्र के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच का आदेश दिया है।

डेस्क बेंच पर बैठे बच्चे व जानकारी लेते बीएसए (फाइल फोटो)। अमृत विचार

पीड़ित ने कोर्ट में पेश किया व्हाट्सएप पर हुई बातचीत का रिकॉर्ड

गोंडा, अमृत विचार : रिश्वतखोरी के इस मामले में मनोज पांडेय ने बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ व्हाट्सएप पर हुई बातचीत का रिकॉर्ड भी कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया है। इसके अलावा वह सभी प्रपत्र भी प्रस्तुत किया है जिसे गलत बताकर फर्म को ब्लैक लिस्ट किया गया है।

564 परिषदीय स्कूलों को मिलना था फर्नीचर

प्राथमिक व कंपोजिट स्कूलों में बच्चों की सुविधा के लिए कुल 564 स्कूलों में फर्नीचर की व्यवस्था के लिए सरकार ने 15 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की थी। प्रत्येक डेस्क बेंच की लागत 8500 रुपये तय की गयी थी। यदि इस धनराशि से डेस्क बेंच की खरीद की जाती तो उसकी गुणवत्ता बेहतर होती लेकिन इस कमीशनखोरी के जिन्न ने फर्नीचर की गुणवत्ता पर सवाल खड़ा कर दिया है।

आधी अधूरी तैयारी के बीच खरीदा गया 25 क्विंटल धान

- 99 क्रय केंद्र पर होगी धान खरीद अभी तक सभी केंद्रों पर नहीं पहुंच पाए हैं संसाधन
- मूल्य समर्थन योजना 2025-26 के तहत 1 नवंबर से शुरू हुई खरीद

संवाददाता, गोंडा

अमृत विचार: जिले में किसानों से धान खरीद की शुरुआत 1 नवंबर से हो गई है । पहले दिन किसी तरीके से 25 क्विंटल धान खरीद कर एक केंद्र की बोहनी की गयी है। बहराइच रोड स्थित मंडी परिसर में एक दर्जन केंद्र बनाए गए हैं लेकिन यहां पर एक छठाक धान भी पहले दिन नहीं खरीदा गया है। किसी तरीके से हलधर मऊ क्रय केंद्र पर गद्दोपुर किसान जय बक्श सिंह 25 क्विंटल धन एसडीएम करनैलगंज नेहा मिश्रा के मौजूदगी में लिया गया। क्रय केंद्र पर धान लाने पर किसान का स्वागत माल्यार्पण कर किया गया।

जिले में किसान से धान खरीदने के लिए 99 क्रय केंद्र बनाये गए है। अधिकतर केंद्रो पर अभी संसाधन भी नहीं पहुंच पाए हैं। कहीं पंखा नहीं पहुंचा है तो कहीं डस्टर की कमी है। जिले में छः एजेंसियां को किसानों के धान के उपज की खरीदारी करनी है। इन एजेंसियों में खाद्य विभाग, पीसीएफ, पीसीयू, यूपीएसएस, भारतीय खाद्य निगम एवं कृषि उत्पादन मंडी समिति हैं। अनुमोदन पत्रावली के मुताबिक खाद्य विभाग के 23,पीसीएफ के 10, पीसीयू के 37 , यूपीएसएस के 24,भारतीय खाद्य निगम के दो तथा कृषक कृषि उत्पादन मंडी समिति के तीन, कुल मिलाकर 99 क्रय केंद्र हैं। धान खरीदी से जुड़े अफसर पहले दिन निरीक्षण कर सभी एजेंसियों से तैयारी के बारे में जानकारी ली है। जिला खाद्य विभाग अधिकारी की ओर से सभी केंद्र प्रभारी से समीक्षा की जा रही है। खाद्य विभाग के अफसर दिन भर खरीद के पहले दिन केंद्रों की जांच करते रहे।

> मूल्य समर्थन योजना 2025 – 26 धान खरीद को लेकर शासन की ओर से समय सारणी जारी की गयी थी, उसके मुताबिक 1 नवंबर से जिले में धान खरीद की शुरुआत हो गई है, खरीद के पहले दिन हलधरमऊ केंद्र पर एक किसान से 25 क्विंटल धान खरीदा गया है। जनपद में फिलहाल छह एजेंसी को धान खरीदने की जिम्मेदारी दी गयी है। जनपद में 99 क्रय केंद्र खोले गए है।
>
> -**एनके पाठक**, जिला खाद्य विपणन अधिकारी

मंडी स्थल स्थित धान क्रय केंद्र। अमृत विचार

नवीन गल्ला मंडी में खामियों पर एसडीएम का सख्त रुख

करनैलगंज : नगर की नवीन गल्ला, फल एवं सब्जी मंडी में पाई गई खामियों को लेकर मंडी समिति की सभापति एवं उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा ने सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। निरीक्षण के दौरान मिली अनियमितताओं पर उन्होंने मंडी सचिव एवं मंडी सहायक को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए चेतावनी दी है। एसडीएम ने बताया कि मंडी के निरीक्षण की रिपोर्ट मंडी के उच्चाधिकारियों के साथ ही जिलाधिकारी को भी कार्रवाई के लिए भेजी गई है। यदि दो दिन के भीतर सभी व्यापारी अपनी आवंटित दुकानों में नहीं जाते हैं, तो बुलडोजर लगाकर सभी अवैध अतिक्रमण हटाए जाएंगे। मंडी परिसर में वसूली होने, अवैध दुकानें लगवाने तथा मंडी की बिजली का व्यापारियों द्वारा निजी उपयोग किए जाने जैसी गंभीर बातें जांच में सामने आई हैं, जिन्हें रिपोर्ट में शामिल किया गया है। मंडी की सफाई व्यवस्था भी अत्यंत खराब पाई गई।

बाबा बटुक भैरव नाथ जन्मोत्सव की तैयारी जोरों पर

- अयोध्या से आएंगे कलाकार, झांकी व भक्ति जागरण का होगा आयोजन

करनैलगंज, अमृत विचार : नगर में स्थित प्रसिद्ध श्री सिद्ध पीठ बाबा बटुक भैरव नाथ मंदिर में आगामी 11 और 12 नवंबर को बटुक भैरव जन्मोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और भव्यता के साथ मनाया जाएगा।

नगर कोतवाल के नाम से प्रसिद्ध श्री सिद्ध पीठ बाबा बटुक भैरव नाथ जी का जन्मोत्सव दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठानों के साथ संपन्न होगा। मंदिर के व्यवस्थापक व भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष गिरि ने बताया कि पहले दिन 11 नवंबर की सुबह 8 बजे कलश स्थापना, अखंड ज्योति और बटुक भैरव स्तोत्र पाठ प्रारंभ होगा। शाम 6 बजे भव्य फूलों का श्रृंगार एवं दर्शन होंगे, जिसके बाद सुंदरकांड पाठ, रात 10 बजे आरती और प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। दूसरे दिन 12 नवंबर की सुबह 8 बजे बटुक भैरव पाठ, दोपहर 12 बजे यज्ञ, हवन व पूजन संपन्न होंगे। रात्रि 11:30 बजे श्री बटुक भैरव जी का जन्मोत्सव एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा। आयोजन में बदल सांवरिया झांकी ग्रुप श्रीधाम अयोध्या के कलाकारों द्वारा मनमोहक धार्मिक झांकियां प्रस्तुत की जाएंगी। वहीं जय मां लीला जागरण ग्रुप के साथ भजन गायक अंकित तिवारी (गोरखपुर), वैभव श्रीवास्तव (बहराइच), हरीश व्यास (बहराइच) और नरेंद्र सरल (पयागपुर) अपने सुमधुर भजनों से वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे।

बुजुर्ग और चार बहनों पर हमला एसिड फेंकने की धमकी दी

नवाबगंज, अमृत विचार । कोल्हमपुर चौकी क्षेत्र में एक बार फिर एक युवक की दबंगई ने इलाके का माहौल दहला दिया है। भाजपा का झंडा और राजनीतिक पहचान को ढाल बनाकर खुलेआम गुंडागर्दी करने वाला यह युवक अब गांव में आतंक का पर्याय बन चुका है।

शुक्रवार को मामूली विवाद में उसने अपने साथी सतीश सिंह के साथ मिलकर एक परिवार पर हमला कर बुजुर्ग और चार बहनों को बेरहमी से पीटा। पीड़ितों का आरोप है कि उसने एसिड फेंकने और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता दिशा सिंह, निवासी कोल्हमपुर विसेन ने बताया कि सुबह अनुभव और सतीश ने उनके घर के सामने गाड़ी खड़ी की थी। जब शाम को पिता सुधीर सिंह ने गाड़ी हटाने को कहा, तो दोनों तमतमा गए। कुछ देर बाद लाठी-डंडे लेकर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए घर में घुस गए। हमलावरों ने पहले बुजुर्ग विजय बहादुर सिंह को मारा और फिर बीच-बचाव करने आईं बेटियों दिशा, वाणी, अंशिका और अपराजिता सिंह पर टूट पड़े। ग्रामीणों के हस्तक्षेप से किसी तरह परिवार की जान बच सकी। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, जिसमें कथित भाजपा नेता की दबंगई साफ देखी जा सकती है। पीड़ितों के अनुसार, अनुभव सिंह ने धमकी दी अगर अगली बार आवाज उठाई तो एसिड डाल देगा, जिंदा नहीं बचोगे। थानाध्यक्ष अभय सिंह ने बताया कि दिशा सिंह की तहरीर के आधार पर अनुभव सिंह और सतीश सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं है जब अनुभव सिंह विवादों में आया हो। कुछ महीने पहले उसने कोल्हमपुर चौकी प्रभारी से हाथापाई की थी। लोगों का आरोप है कि वह भाजपा का नाम लेकर रसूख दिखाता है और पुलिस उस पर हाथ डालने से कतराती है। भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह अंकित ने कहा कि आरोपी का भाजपा से कोई लेना देना नहीं है।

रात जागरण में भजनों पर झूमे दर्शक

रात जागरण में रास लीला का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

खरगूपुर, अमृत विचार । खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव के अवसर पर भंडारा व रात जागरण का आयोजन हुआ। इसकी शुरुआत नगर पंचायत अध्यक्ष ममता रस्तोगी व पूर्व नगर पंचायत राजीव रस्तोगी के बाबा श्याम के पूजन-अर्चना तथा आरती के उपरांत हुआ। कार्यक्रम में कलाकारों ने गीत व भजन के साथ ही आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की। खाटू श्याम समिति के तत्वावधान में शनिवार रात चौक बाजार में आयोजित भजन गायिका शिप्रा सलोनी, श्रेया, श्रद्धा तिवारी, संदीप आचार्य आदि द्वारा भजन एवं गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में श्रोताओं एवं दर्शकों ने झांकी की जमकर सराहना और भजनों पर खूब झूमे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से आयोजन विक्की निगम, स्वामीनाथ सोनी, संतोष निगम, संजय गुप्ता, दद्दन सोनी, राहुल निगम, सूरज देवराज, जवाहर सोनी सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे।

संडे स्पेशल कार्यक्रम में बच्चों ने सीखी विज्ञान की विभिन्न गतिविधियां

गोंडा, अमृत विचार: जन सम्मान सेवा फाउंडेशन की ओर से संचालित निःशुल्क बाल सम्मान ज्योति मिशन के अंतर्गत रविवार को अमकोलवा, गांव पटना में आयोजित संडे स्पेशल कार्यक्रम में विज्ञान की विभिन्न गतिविधियां कराई गईं।

कार्यक्रम में विज्ञान संचारक राजेश मिश्रा ने बच्चों को सरल व रोचक ढंग से विज्ञान के प्रयोग सिखाए और बच्चों को विज्ञान आधारित कई गतिविधियों में शामिल किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. संतोष कुमार ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया और शिक्षा जागरूकता के महत्व पर प्रेरक संदेश दिया। बच्चों ने विज्ञान सीखने में गहरी रुचि दिखाई और विविध गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर फाउंडेशन के प्रबंधक दिनेश उपाध्याय, संयुक्त सचिव श्वेता मिश्रा, वॉलिंटियर दीपक उपाध्याय, आदर्श, दिव्या और कौशिकी उपाध्याय की सक्रिय उपस्थिति रही। यह आयोजन फाउंडेशन के उन उद्देश्यों को सशक्त बनाता है जो शिक्षा, सामाजिक न्याय और जन जागरूकता के माध्यम से समाज के हर वर्ग को सशक्त करने की दिशा में निरंतर कार्यरत है।

खेलकूद

नंदिनी नगर महाविद्यालय नवाबगंज के इनडोर स्टेडियम में आयोजित ग्रेपलिंग नेशनल चैंपियनशिप में हरियाणा का दबदबा

5 स्वर्ण पदकों के साथ हरियाणा शीर्ष पर, राजस्थान व गुजरात ने दिखाया दमखम

संवाददाता, नवाबगंज, गोंडा

अमृत विचार : नंदिनी नगर महाविद्यालय नवाबगंज के इनडोर स्टेडियम में रविवार को शुरू हुई दो दिवसीय ग्रेपलिंग कुश्ती नेशनल चैंपियनशिप में हरियाणा के ग्रैपलर्स ने मैट पर अपना दबदबा कायम रखते हुए पहले ही दिन शानदार प्रदर्शन किया। देशभर से आए महिला और पुरुष खिलाड़ियों की मौजूदगी में हुए मुकाबलों में जोश, उत्साह और रोमांच का अद्भुत संगम देखने को मिला।

रविवार की सुबह से ही स्टेडियम के तीनों मैटों पर गी और नो-गी दोनों शैलियों के मुकाबले जोर-शोर से शुरू हुए। दर्शकों की तालियों और उत्साहवर्धन के बीच खिलाड़ियों ने फुर्ती, तकनीक और ताकत का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह ने प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। उन्होंने तीनों मैटों पर फाइनल में पहुंचे पहलवानों से हाथ मिलाकर प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि ग्रेपलिंग एक उभरता हुआ खेल है, जो भारतीय पहलवानों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिला रहा है। इस अवसर पर ग्रेपलिंग कमेटी के चेयरमैन दिनेश कपूर, सचिव बिरजू शर्मा, बिनोद कुमार और शुभम चौधरी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पहले दिन के मुकाबलों में हरियाणा की टीम ने जबरदस्त प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण और 3 रजत पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। वहीं राजस्थान के पहलवानों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 4 स्वर्ण पदक जीते। महिला वर्ग में गुजरात की ग्रैपलर्स ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वहीं मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल के खिलाड़ियों ने एक-एक स्वर्ण पदक हासिल कर तालिका में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। पहले दिन जूनियर वर्ग के मुकाबलों में हरियाणा और राजस्थान के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिली। हरियाणा के पुरुष खिलाड़ियों ने 3 गोल्ड और 2 सिल्वर समेत कुल 12 पदक जीतकर बढ़त बनाई, जबकि राजस्थान ने 4 गोल्ड और 6 सिल्वर सहित 13 पदक जीतकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के सफल संचालन में डा. शिवालिका शर्मा, राजकुमार परमार, गोपाल चंद्र, महेश कुमार, जयराम, हेमंत और आनंद शर्मा ने रेफरी एवं ऑफिशियल के रूप में अपनी भूमिका निभाई। प्रतियोगिता सोमवार को सीनियर वर्ग के फाइनल मुकाबलों के साथ संपन्न होगी, जिसमें विजेता टीमों को सम्मानित किया जाएगा।

खिलाड़ियों के मध्य हाथ मिलवाकर चैंपियनशिप शुरू कराते कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह।

एक-दूसरे से भिड़ते पहलवान। अमृत विचार

क्या है ग्रेपलिंग कुश्ती

ग्रेपलिंग कुश्ती के खेल की एक आधुनिक और तकनीकी विधा है जिसमें बिना प्रहार किये विपक्षी को पकड़ने और नियंत्रित करने की कला का प्रदर्शन किया जाता है। भारतीय ग्रेपलिंग कमेटी की स्थापना भारतीय कुश्ती संघ द्वारा मार्च 2021 में की गई थी। अब तक 06 राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का आयोजन किया जा चुका है। इस खेल के जरिए 200 खिलाड़ियों को सरकारी नौकरियां मिल चुकी हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 2023 में ग्रेपलिंग चैम्पियनशिप में 105 मेडल के साथ पहला स्थान हासिल करते हुए विश्व विजेता बनने का गौरव हासिल किया।

मेन्स जूनियर के विजेता

- 54 किलो भार वर्ग में शिवरतन राजस्थान गोल्ड, केन्द्र हरियाणा सिल्वर, अभय हरियाणा ब्रान्ज, विशाल हरियाणा ब्रान्ज।
- 58 किलो भार वर्ग में देवेन्द्र राजस्थान गोल्ड, नितेश राजस्थान सिल्वर, मोनू मध्य प्रदेश ब्रॉन्ज, हर्ष चंडीगढ़ ब्रान्ज।
- 62 किलो भार वर्ग में ऋषभ एम पी गोल्ड, रवि हरियाणा सिल्वर, आशीष हरियाणा ब्रॉन्ज, इरफान गुजरात ब्रान्ज।
- 66 किलो भार वर्ग में साहिल हरियाणा गोल्ड, सवाई राजस्थान सिल्वर, एस पवार हरियाणा ब्रान्ज।
- 92 किलो भार वर्ग में सचिन राजस्थान गोल्ड, सईदु हफजा एम पी सिल्वर, भावेश राजस्थान ब्रान्ज।
- 98 किलो भार वर्ग में देव हरियाणा गोल्ड।
- 110 किलो भार वर्ग में विशान्त हरियाणा गोल्ड, पुष्कर गुजरात सिल्वर, उमेश राजस्थान ब्रॉन्ज
- 130 किलो भार वर्ग में प्रिय रन्जन राजस्थान गोल्ड, सचिन सिघू हरियाणा सिल्वर।

जूनियर महिला के विजेता

- 49 किलो में नसरीन वेस्ट बंगाल गोल्ड, सिद्धी राजस्थान सिल्वर, गौरी गुजरात ब्रान्ज, भावना आन्ध्रा ब्रॉन्ज
- 53 किलो भार वर्ग में अन्जू हरियाणा गोल्ड, पूजा राजस्थान सिल्वर, नन्दिनी केरला ब्रॉन्ज, प्रियाल गुजरात ब्रान्ज।
- 58 किलो भार वर्ग में एन हिन्दू आन्ध्रा गोल्ड, शोभा राजस्थान सिल्वर, आकांक्षा चण्डीगढ़ ब्रॉन्ज, सोनाली गुजरात ब्रान्ज।
- 64 किलो भार वर्ग में कुमकुम गुजरात गोल्ड।
- 71 किलो भार वर्ग में करीना गुजरात गोल्ड एवं एकता गुजरात सिल्वर।
- 77 किलो भार वर्ग में कोमल गुजरात गोल्ड, विष्णु प्रिया आन्ध्रा सिल्वर।
- 84 किलो भार वर्ग में रिया हरियाणा गोल्ड, सिमरन राजस्थान सिल्वर।

न्यूज ब्रीफ

निबंध लेखन व अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित

गोंडा : वजीरगंज मे नये कानूनों की जानकारी देने के लिए दयानंद आर्य वैदिक इंटर कॉलेज खेल व निबंध व खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रभारी थानाध्यक्ष वेदराम यादव ने छात्र छात्राओं को नए कानूनों की जानकारी देते हुए अपराध की प्रकृति व त्वरित न्याय को लेकर जागरूक किया। कार्यक्रम में जीरो ई एफआईआर, समयबद्ध न्याय, महिला एवं बाल संरक्षण, नए प्रौद्योगिकी और फोरेंसिक के अपराध से संबंधित प्रावधान, पीड़ित केंद्रित कानूनी उपचार आदि के बारे में बताया। नए आपराधिक कानून को लेकर आयोजित निबंध प्रतियोगिता एक हजार से अधिक छात्र छात्राओं ने भाग लिया। जबकि अन्य प्रतियोगिताओं वाद विवाद प्रश्नोत्तरी, नुक्कड़ नाटक तथा 2 सौ मीटर दौड़ का भी आयोजन हुआ। पुलिस टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया। 2 सौ मीटर की दौड़ में कक्षा 11 की छात्रा अल्पना ने प्रथम, अनुष्का द्वितीय तथा कक्षा 9 की नसरीन ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। खो खो प्रतियोगिता में मीनाक्षी ओझा की टीम प्रथम व अर्चना मिश्र की टीम ने द्वितीय स्थान हासिल किया। इस मौके पर उपनिरीक्षक कैलाश नाथ आरक्षी विनोद सोनी उत्तम शर्मा भारती सिंह सोनम सिंह सरिता सहित विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

जन आरोग्य मेला अब वार्ड ब्वाय व लैब टेक्नीशियन के भरोसे

बालपुर, गोंडा। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रत्येक रविवार को लगने वाला जन आरोग्य मेला अब सिर्फ कालम पूर्ति बनकर रह गया है। रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बालपुर में तैनात डॉक्टर अभय त्रिपाठी की कुर्सी खाली पड़ी थी। अस्पताल परिसर में सिर्फ एक मरीज मौजूद था जिसे इस अस्पताल में तैनात लैब टेक्नीशियन विकास व स्टाफ नर्स अलका पांडे मामूली इलाज देकर मरीज को संतुष्ट कर रही थी। यहा पर तैनात लैब टेक्नीशियन विकास ने बताया कि अब तक करीब 20 मरीजों का इलाज किया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हड़ियागाड़ा में तैनात डॉक्टर शिल्पी सिंह की भी कुर्सी खाली थी। यहां पर तैनात फार्मासिस्ट राजकुमार यादव व वार्ड बॉय सुधीर यादव और स्टाफ नर्स अनीता सिंह अपनी मौजूदगी में मरीज का इलाज हो रहा था। पीएचसी बरांव पर सिर्फ लैब टेक्नीशियन नागेंद्र कुमार ही मौजूद मिले। उन्होंने बताया कि दोपहर एक बजे तक छह मरीजों का उपचार कर उन्हें दवा दी गई है।

छात्राओं को कानूनी अधिकारों के प्रति किया गया जागरूक

जरवा, बलरामपुर, अमृत विचार। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अंतर्गत महिलाओं और बालिकाओं में कानूनी जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कोतवाली जरवा पुलिस ने शनिवार को बसंत लाल स्मारक इंटर कॉलेज, बालापुर में जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राकेश पाल, उप निरीक्षक जीउत यादव, कांस्टेबल सुंदर लाल, महिला आरक्षी अंजली सिंह और आरती यादव ने छात्राओं को नए आपराधिक कानूनों भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) में हुए बदलावों की जानकारी दी। प्रभारी निरीक्षक राकेश पाल ने कहा कि नए कानून अधिक न्यायपूर्ण, पारदर्शी और त्वरित न्याय प्रदान करने की दिशा में बड़ा कदम हैं। इनमें महिलाओं की सुरक्षा को सुदृढ़ किया गया है।

कार्यक्रम में छात्राओं को आत्मरक्षा, साइबर सुरक्षा, छेड़छाड़ से बचाव और महिलाओं से संबंधित कानूनी अधिकारों के प्रति भी जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने छात्राओं को महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों 1090 (महिला शक्ति), 112 (आपातकालीन सेवा) और 181 (महिला सहायता) की जानकारी दी।

जरवा में ईको-पर्यटन स्थल आमजन के लिए खुला

संवाददाता, जरवा, बलरामपुर

- वन विभाग ने इस स्थल को स्थानीय थारू संस्कृति को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है

अमृत विचार। भारत-नेपाल सीमावर्ती जरवा क्षेत्र में विकसित ईको-पर्यटन स्थल शनिवार को आमजन के लिए खोल दिया गया। सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग के उप प्रभागीय वनाधिकारी मनोज कुमार और गैसड़ी विधायक राकेश यादव ने संयुक्त रूप से इसका उद्घाटन किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, वनकर्मी और ग्रामीण उपस्थित रहे।

वन विभाग ने इस स्थल को प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय थारू संस्कृति को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है। दारा नाला के पास रामपुर रेंज में स्थित इस ईको-पर्यटन स्थल पर लगभग पांच किलोमीटर लंबा नेचर ट्रैक बनाया गया है, जो रेस्ट हाउस से शुरू होकर दारा नाला तक जाता है। इस ट्रैक पर केवल साइकिल से सैर की अनुमति है। विभाग ने पर्यटकों के लिए आठ साइकिलें उपलब्ध कराई हैं। ट्रैक के अंतिम छोर पर बने वॉच टावर से जंगल और आसपास के मनोरम दृश्य का आनंद लिया जा सकेगा।

पर्यटकों की सुविधा के लिए बच्चों का पार्क, कैंटीन और सोविनियर शॉप भी बनाई गई है। शॉप में थारू समुदाय की पारंपरिक टोपी, परिधान और स्थानीय उत्पाद उपलब्ध होंगे। परिवार सहित आने वाले पर्यटक

जरवा इको पर्यटन स्थल का भ्रमण करते विधायक। अमृत विचार

यहां दिनभर आराम से समय बिता सकेंगे। उप प्रभागीय वनाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि यह परियोजना न केवल ईको-पर्यटन को बढ़ावा देगी, बल्कि स्थानीय संस्कृति के संरक्षण और रोजगार सृजन का माध्यम भी बनेगी। उनके अनुसार इससे सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग को नई पहचान मिलेगी।

जरवा पहुंचने के लिए लखनऊ से तुलसीपुर तक ट्रेन या बस से आने के बाद टैक्सी, ई-रिक्शा या निजी वाहन से स्थल तक पहुँचा जा सकता है। यह स्थल नेपाल सीमा के बिल्कुल नजदीक है, जहाँ से नेपाल के पहाड़ों का विहंगम दृश्य दिखाई देता है।

प्राकृतिक सुंदरता, शांत वातावरण और स्थानीय संस्कृति का अनुभव कराने वाला यह ईको-पर्यटन स्थल सीमावर्ती क्षेत्र में पर्यटन का नया केंद्र बनने जा रहा है। इस अवसर पर रामपुर रेंज प्रभारी प्रभात वर्मा, वीर बहादुर सिंह, ग्राम प्रधान शकील अहमद, ग्राम प्रधान हरीश मिश्रा सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

प्रसूता की मौत के मामले में पुलिस ने अभी तक नहीं दर्ज किया मुकदमा

पुलिस ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को पत्र भेजा, स्वास्थ्य महकमा जांच में जुटा

संवाददाता, बलरामपुर

अमृत विचार। चिकित्सक की लापरवाही से प्रसूता के मौत मामले में कोतवाली नगर पुलिस ने अभी तक मामला दर्ज नहीं किया है। पुलिस जांच का बहाना बनाकर मामले को टाल रही है।शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच स्वास्थ्य विभाग करेगा, चिकित्सक की लापरवाही जाहिर होने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। पुलिस ने प्रकरण की जांच के लिए सीएमओ को पत्र भेजा है।

जानकारी के अनुसार, शंकरपुर गांव निवासी पवन कश्यप की पत्नी शीला (32) को 31 अक्तूबर की रात प्रसव पीड़ा होने पर परिवारजन जिला महिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां ऑपरेशन संभव न होने की बात कहकर उन्हें लौटा दिया गया। इसके बाद शीला को एसपीएम हॉस्पिटल,भगवतीगंज में भर्ती कराया गया। परिजनों के मुताबिक,अस्पताल संचालक ने

परिजनों को समझा बुझाकर शांत कराते नगर कोतवाल। अमृत विचार

28 हजार रुपये में ऑपरेशन करने की बात कही। रात करीब 11:20 बजे संयुक्त जिला चिकित्सालय में तैनात महिला सर्जन डॉ. मेधावी सिंह ने ऑपरेशन कर बच्ची को जन्म दिलाया।

परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर मेधावी ऑपरेशन के प्रसूता को देखने नहीं आई।अभी आती हूं कह कर मामले को टालती रही।शनिवार शाम 4 बजे शीला की स्थिति गंभीर हो गई।डॉक्टर मेधावी सिंह प्रसूता की हालत गंभीर होने के 2:30 घंटे बाद पहुंची और लखनऊ के लिए रेफर कर दिया।शाम सात बजे शीला की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों ने हंगामा शुरू किया तो मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया।सीएमओ डॉ मुकेश कुमार रस्तोगी का कहना है मामले की जांच कराई जा रही है।दोषी पाए जाने पर संबंधित सर्जन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

बताते है कि भगवतीगंज में संचालित एसपीएम अस्पताल का पंजीकरण 2024 में समाप्त हो गया है।स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि अस्पताल के पंजीकरण का रिनिवल नहीं कराया गया है। प्रसूता की मौत के मामले में परिजनों ने शनिवार देर रात अस्पताल पर हंगामा काटा था तथा डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया था।लोगो का कहना है 50- 60 मरीज प्रतिदिन इलाज के लिए आते है।अनेकों

प्राइवेट नर्सिंग होम की तर्ज पर चल रहा जिला महिला चिकित्सालय

मरीज साधना सिंह ने बताया कि उनका प्रसव 5 हजार रुपये लेकर कराया गया था। उसी दिन 5 प्रसव 5- 5 हजार रुपये लेकर कराए गए। महिला अस्पताल को प्राइवेट नर्सिंग होम के तर्ज पर चलाया जा रहा है।

मामले बिगाड़ जाते है लेकिन कोई शिकायत नहीं करता चूंकि ये अस्पताल एक प्रभावशाली नेता का बताया जा रहा है।

गत वर्ष थाना पचपेड़वा क्षेत्र के एक अस्पताल में भी जच्चा बच्चा की मौत हो गई थी जिसकी जांच अभी तक पूरी नहीं हो सकी है।इस प्रकार की तमाम घटनाएं हो चुकी है लेकिन जिला प्रशासन शून्य बना हुआ है।

कपिल जन्म कथा व भरत चरित्र से भक्त भावविभोर

नवाबगंज : क्षेत्र के महंगूपुर गांव में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन शनिवार को भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा व्यास पं. मोहित शरण शास्त्री ने भगवान कपिल के जन्म प्रसंग और राजा भरत के चरित्र का ऐसा अलौकिक वर्णन किया कि श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

पं.मोहित शरण।

पं. शास्त्री ने कहा कि ऋषि कर्दम ने कठोर तपस्या कर भगवान से वर मांगा था कि वे पुत्र रूप में अवतार लें। तब भगवान ने माता देवहुति के गर्भ से कपिल मुनि के रूप में अवतार लिया। कपिल मुनि नौ बहनों के इकलौते भाई थे। उन्होंने अपनी माता को सांख्य शास्त्र का उपदेश दिया और योग, प्रकृति व पुरुष के भेद का गूढ़ ज्ञान प्रदान किया। उन्होंने कहा कि महंगूपुर का सौभाग्य है कि यहां भगवान कपिल की प्रतिमा विराजमान है। कार्यक्रम में सतीश चंद्र पांडेय, डा. मिथिलेश पांडेय, महंत पांडेय, देवेन्द्र पांडेय, सत्यप्रकाश, कल्लू, राम अवध यादव, रमेश्वर यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सकरौरा रामलीला में हुआ श्रीराम जन्म का मंचन

रामलीला का मंचन करते कलाकार। अमृत विचार

करनैलगंज, अमृत विचार : श्री धनुष यज्ञ महोत्सव समिति सकरौरा के तत्वावधान में चल रहे रामलीला में बीती रात्रि रावण अत्याचार एवं श्रीराम जन्म की लीला का भव्य मंचन किया गया।

लीला के प्रथम दृश्य में रावण के अत्याचारों से व्यथित पृथ्वी गो-रूप धारण कर इंद्रदेव के दरबार में पहुंचती है और अपनी पीड़ा व्यक्त करती है। इसके बाद इंद्र सहित अन्य देवता ब्रह्मा के पास जाकर निवेदन करते हैं। ब्रह्मा पृथ्वी को आश्वस्त करते हुए सभी देवताओं के साथ भगवान शंकर के पास जाते हैं और रावण अत्याचार की कथा सुनाते हैं। तत्पश्चात सभी देवता भगवान विष्णु की स्तुति करते हैं। उसी समय आकाशवाणी होती है— हे देवताओं, तुम निश्चिंत रहो, हम अयोध्या के राजा दशरथ के यहाँ जन्म लेकर पृथ्वी को राक्षसों के अत्याचार से मुक्त करेंगे। इसके उपरांत श्रीराम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न के जन्म का मंचन हुआ, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। इस अवसर पर रावण की भूमिका भोला सोनी, इंद्र की सचिन सोनी, कुबेर की पुजारी कश्यप, भगवान शंकर की धीरज जायसवाल तथा राजा दशरथ की रोहित जायसवाल ने निभाई। भगौती गुप्ता और श्रीलाल शुक्ल के अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहा। पात्रों का श्रृंगार साकेत साह और संतोष साह द्वारा किया गया। लीला का संचालन पन्नालाल स्वर्णकार, शचींद्रनाथ मिश्र और गणेश वैश्य ने किया।

डीसीएम की चपेट में आने से बालक की मौत

घटनास्थल पर जुटी भीड़ को समझाते पुलिस कर्मी। अमृत विचार

- बाबागंज चौराहे के पास हुआ हादसा

करनैलगंज, अमृत विचार : करनैलगंज-परसपुर मार्ग पर स्थित बाबागंज चौराहे के पास डीसीएम की टक्कर से 14 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम करूआ के मजरे गोनई गोसाई पुरवा निवासी राम सुरेश गोस्वामी का 14 वर्षीय पुत्र करन किसी कार्य से साइकिल से बाबागंज चौराहा गया था। वापस लौटते समय जब वह अपने गांव के पास सड़क पार करने के लिए रुका, तभी तेज रफ्तार डीसीएम ने उसे रौंद दिया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि बालक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने डीसीएम को रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वाहन को जब्त कर लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रभारी निरीक्षक तेज प्रताप सिंह ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

धूमधाम से मना श्रीराम तीर्थ चौधरी ग्रुप ऑफ कॉलेज में स्थापना दिवस

संवाददाता, उतरौला, बलरामपुर

अमृत विचार। इमिलिया बनघुसरा स्थित श्रीराम तीर्थ चौधरी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में शनिवार को स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। मुख्य अतिथि विधायक रामप्रताप वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा समाज और राष्ट्र की प्रगति की मजबूत नींव है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत और अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एच.डी. वर्मा ने कॉलेज की उपलब्धियों और भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला, जबकि डॉ. पवन कुमार नंदा ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं और मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कॉलेज स्टाफ, छात्र-छात्राएं एवं अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ की तैयारी शुरू

महायज्ञ स्थल पर भूमि पूजन करते गायत्री परिवार के लोग। अमृत विचार

बलरामपुर/ पचपेड़वा, अमृत विचार। आगामी 26 से 30 नवम्बर 2025 तक आयोजित होने वाले राष्ट्र जागरण गायत्री महायज्ञ/ सजल श्रद्धा प्रखर प्रज्ञा लोकार्पण कार्यक्रम का भूमिपूजन समारोह छोटा परेड ग्राउंड बलरामपुर में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत तुलसीपुर शक्तिपीठ के युवा ऋषिदेव तिवारी की संगीत टोली द्वारा युग गीत से हुई। बाल प्रतिभा नमो कश्यप ने अपने प्रज्ञा गीतों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध किया। भूमिपूजन में विधायक कैलाश नाथ शुक्ला, जिला समन्वयक सत्यप्रकाश शुक्ला, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. के.के. राणा व गुलाब चंद भारती सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। शांतिकुंज हरिद्वार से आए शक्तिकलश की स्थापना महिला मंडल ने की। विधायक कैलाश नाथ शुक्ला ने बालक नमो कश्यप को सम्मानित करते हुए कहा कि गायत्री मिशन समाज में अध्यात्म और संस्कृति के पुनर्जागरण का आधार है।

जनजातीय गौरव पखवाड़े शुरू

पचपेड़वा, बलरामपुर, अमृत विचार। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कुमारगंज अयोध्या द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, पचपेड़वा के सभागार में जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़ा बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर थारू जनजाति समुदाय के प्रगतिशील किसान गोबर्धन थारू को अंगवस्त्र और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक-आर्थिक विकास एवं जागरूकता विषय पर केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सियाराम, डॉ. जगवीर सिंह, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. जयप्रकाश और डॉ. गिरिजेश ने किसानों को उपयोगी जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ करने और आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने पर बल दिया। इस मौके पर हरैया सतघरवा विकास खंड के दानी डीह गांव के 40 किसानों को दलहन उत्पादन की उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया और मसूर का बीज वितरित किया गया।

जिलाधिकारी ने हरैया प्रस्तावित फोरलेन कार्य का लिया जायजा

प्रस्तावित फोरलेन का जायजा लेते डीएम। अमृत विचार

बलरामपुर, अमृत विचार। जिलाधिकारी विपिन कुमार जैन ने शनिवार को तहसील तुलसीपुर क्षेत्र में हरैया चौराहा–सीरिया नाला मार्ग पर प्रस्तावित फोरलेन निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भूमि अधिग्रहण की प्रगति और संबंधित अभिलेखों का विस्तृत अवलोकन किया तथा भूस्वामियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं एवं सुझावों को सुना।

जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग को रेलवे ओवरब्रिज एवं फोरलेन का थ्रीडी मॉडल तैयार करने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्य के सर्वोत्तम विकल्प पर निर्णय लिया जा सके। उन्होंने कहा कि परियोजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जनसहमति सुनिश्चित की जाएगी।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गुप्ता, एसडीएम तुलसीपुर, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आयोजन | श्रद्धालुओं ने मां तुलसी और भगवान श्री विष्णु की आराधना की

तुलसी विवाह के अवसर पर निकली शोभायात्रा

संवाददाता, उतरौला, बलरामपुर

अमृत विचार। उतरौला कस्बे में तुलसी विवाह के पावन पर्व पर अमृत विचार बीते दिन एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा धर्म ध्वजा धारी परिषद के नगर अध्यक्ष रूपेश कुमार गुप्ता के आवास से आरंभ हुई। शोभायात्रा में परिषद के पदाधिकारियों के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने मां तुलसी और भगवान श्री विष्णु की आराधना कर सुख-समृद्धि की कामना की।

आयोजकों ने कहा कि भगवान श्री विष्णु और माता तुलसी सभी के

शोभा यात्रा में शामिल संत एवं आचार्य। अमृत विचार

जीवन में श्रद्धा, सौहार्द, सुख और समृद्धि के नए दीप प्रज्वलित करें।

इस अवसर पर भाजपा जिला संयोजक देवानंद गुप्ता, ब्लॉक प्रमुख राकेश तिवारी, गोंडा विभाग कार्यवाह अमित गुप्ता, कमलापुरी वैश्य अध्यक्ष अमरचंद गुप्ता, आशीष कसौधन, अशोक सोनी, हरीशचंद्र यादव, फरिंद्र गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, संजय गुप्ता, रोहित राज गुप्ता, बबलू श्रीवास्तव, प्रवेश कुमार, दीपक गुप्ता, विशाल कुमार, नानमून कश्यप, राकेश कुमार, दुर्गेश कुमार, योगेश कुमार, और पप्पू गुप्ता उपस्थित रहे।

धूमधाम से मनाया गया बालाजी का जन्मोत्सव

गोंडा : श्री मेहंदीपुर बालाजी परिवार द्वारा अष्टम श्री बालाजी महोत्सव में आयोजित श्री राम कथा का आयोजन श्री नूरामल मंदिर प्रांगण स्टेशन रोड में चल रहे श्री राम कथा के अंतिम दिन दिव्य संगीतमय हनुमंत पूजन वैदिक मंत्र उच्चारण से नासे रोग हरे सब पीड़ा। कथा में सुंदर कांड, राम रावण युद्ध और भगवान का राज्याभिषेक पर कथा का वर्णन हुआ। सुंदर कांड कथा में श्री बालाजी का जन्मोत्सव भी दिखाया गया, जिसमें छोटे सा बालक गर्वित रस्तोगी बालाजी का रूप के भेष में बने हुए थे। श्री मेहंदीपुर बालाजी धाम से आए हुए गुरुवर अरविंद शर्मा जी ने मंच पर जाकर श्री बालाजी को माला पहनाकर उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान माला देवी और शंकर कुशवाहा रहे। कथा के दौरान कमेटी के सुनील रस्तोगी, अनुराग शर्मा, अनूप कुशवाहा, संतोष सोनी आदि मौजूद रहे।

भागवत कथा सुनने से होता है पापों का नाश

मसकनवा, अमृत विचार: श्रीमद भागवत कथा सुनने मात्र से मनुष्य के पापों का नाश होता है और मनुष्य के भीतर दिव्यता, देवत्व का उदय होता है। यह बात सैदनपुर गांव में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिन अयोध्या धाम से आए कथा व्यास श्रवण आचार्य ने कही। कथा प्रवाचक ने कहा की श्रीमद् भागवत पुराण दिव्य वह ग्रंथ है जो मनुष्य के जीवन को मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर करता है। संगीतमयी कथा सुनकर श्रोता भाव विभोर हो गए। कथा का शुभारंभ आचार्य शिवम शास्त्री व संदीप आचार्य ने

कथा कहते श्रवण आचार्य। अमृत विचार

यजमान कुसुम द्विवेदी, संतराम द्विवेदी के साथ पूजा अर्चना कराया। वेद मंत्रोचारण के साथ कलश स्थापना सहित अनेक धार्मिक अनुष्ठान किए गए। कथा के दौरान भजन संकीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो गया।

परिवार परामर्श केंद्र में 5 विवादों का निस्तारण

बलरामपुर। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देशन में मिशन शक्ति 5 .0 के अंतर्गत परिवार परामर्श केंद्र में बैठक आयोजित की गई, जिसमें सक्रिय मध्यस्थता से 5 पारिवारिक विवादों का सौहार्दपूर्ण निस्तारण हुआ। पति–पत्नी व परिजनों ने आपसी मतभेद समाप्त कर साथ रहने का संकल्प लिया।

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना धानेपुर जनपद गोण्डा के लावारिस/जब्त दो पहिया/चार पहिया वाहन कुल 07 अदद की नीलामी दिनांक 09.11.2025 को समय 11.00 बजे थाना धानेपुर गोण्डा परिसर में श्रीमान नायब तहसीलदार धानेपुर गोण्डा के अध्यक्षता में किया जाना प्रस्तावित है।

अतः इच्छुक व्यक्ति नीलामी प्रक्रिया में सम्मिलित होने के लिए समय से उपस्थित होने का कष्ट करें।

प्रभारी निरीक्षक
थाना धानेपुर, जनपद गोण्डा

न्यूज ब्रीफ

रिटायर्ड उपनिरीक्षक को दी गयी विदाई

बहराइच, अमृत विचार : अपने सेवाकाल के दौरान पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं लगन से कार्य करते हुए सेवानिवृत होने वाले उपनिरीक्षक को पुलिस लाइन के सभागार में समारोह आयोजित कर विदाई दी गयी। अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानन्द कुशवाहा द्वारा सेविनिवृत उपनिरीक्षक काशीनाथ सिंह को फूल माला पहनाकर, शाल उढ़ाकर एवं उपहार स्वरूप श्रीरामचरितमानस व ट्रॉली बैग भेंट कर विदा किया गया तथा उनके द्वारा दिये गये योगदान की सराहना करते हुए उन्हें प्रशस्ति पत्र वितरित कर उनके बेहतर स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना की गई। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक श्री भुवनेश्वर सिंह आदि उपस्थित रहे।

दिसंबर तक निपटाएं पुराने मामले : रामानंद

बहराइच, अमृत विचार : अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानन्द कुशवाहा द्वारा पुलिस लाइन सभागार में प्राचीनतम वादों के निस्तारण के लिए मीटिंग बुलाई गयी और समीक्षा कर अधीनस्थों को लंबित मामले शीघ्र निपटाने के आदेश दिए गये। पुलिस लाइन सभागार में आयोजित इस मीटिंग में ज्येष्ठ अभियोजन अधिकारी, डीजीसी क्रिमिनल, एडीजीसी क्रिमिनल पॉक्सो कोर्ट व समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष व थाने स्तर पर एक्शन प्लान के अन्तर्गत गठित टीम के सभी सदस्य (जरिये गूगल मीट) तथा मॉनीटरिंग सेल, सम्मन सेल, न्यायालय सम्मन सेल व समस्त थानो के न्यायालय पैरोकार उपस्थित हुये। जिसमे एक्शन प्लान के तहत प्राचीनतम वादों (10,20,30 वर्ष) के अति शीघ्र माह दिसम्बर तक निस्तारण कराये जाने के आदेश दिए।

हर पीड़ित के साथ खड़ी है सरकार

मुख्यमंत्री ने नाव दुर्घटना प्रभावित परिवारों से की भेंट, 4-4 लाख का दिया डेमो चेक

पीड़ित परिवारों को सहायता राशि का चेक देते मुख्यमंत्री। अमृत विचार

पीड़ित परिवार की सहायता करते मुख्यमंत्री। अमृत विचार

संवाददाता बहराइच

- प्रशासन को दिए नया व सुरक्षित भरथापुर बसाने के निर्देश

अमृत विचार: प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तहसील मिहींपुरवा (मोतीपुर) अन्तर्गत कतर्नियाघाट वन्यजीव क्षेत्र में बसे ग्राम भरथापुर का हवाई सर्वेक्षण किया और सिंचाई विभाग कालोनी परिसर में स्थित मोतीपुर के विश्राम गृह में कौड़ियाला नदी में हुई नाव दुर्घटना से प्रभावित परिवारों से भेंट कर उन्हें सांत्वना दिया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने सांसद बहराइच डॉ. आनन्द कुमार गोंड, विधायक बलहा सरोज सोनकर, नानपारा राम निवास वर्मा, क्षेत्र पंचायत प्रमुख मिहींपुरवा अभिषेक वर्मा सौरभ व अन्य के साथ दुर्घटना में लापता 08 लोगों के परिजनों को चार-चार लाख का डेमो चेक तथा प्रभावित 22 परिवारों को अंगवस्त्र, फल की टोकरी तथा सहायता किट प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि दुरूह ग्राम भरथापुर की स्थिति का जायज़ा लेने तथा दुर्घटना में प्रभावित परिवारों से भेंट करने के उद्देश्य से मैं स्वयं आया हूँ। उन्होंने कहा कि यहां आने के पूर्व मैंने ग्राम भरथापुर का हवाई सर्वेक्षण भी किया है। यह दुखद घटना है। जंगल के बीच में और वह भी रिजर्व फारेस्ट के बीच में भरथापुर गांव बसा हुआ है। जहां पर कुल 118 परिवार रह रहे हैं। जिनके पास अपना कोई पक्का मकान नहीं है। क्योंकि वन्य अधिनियम के अन्तर्गत उनको इसकी सुविधा नहीं प्राप्त होती है और इसलिए वहां पर इनका जीवन बहुत ही दुरूह हो जाता है। उन्होंने कहा कि यह घटना काफी दुखद है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के तरफ से लापता पीड़ित परिवारों को 04-04 लाख रुपये की आर्थिक सहायता का सहयोग किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्राम भरथापुर के 118 परिवारों को विस्थापित करने के लिए शासन द्वारा 21 करोड़ 55 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। उन्होंने मण्डलायुक्त, जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी को निर्देश दिया कि इन लोगों के लिए कहीं पर उचित ज़मीन की व्यवस्था कर इन परिवारों को बसाया जाय। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विस्थापित परिवार को 15 लाख रूपये की अनुग्रह राशि के साथ साथ उनकी सम्पत्ति व परिसम्पत्ति का भी उचित मुआवज़ा दिया जायेगा। जिसके लिए राजस्व विभाग द्वारा आंकलित भूमि सम्पत्ति का मूल्य 01 करोड़ 92 लाख, लोक निर्माण विभाग द्वारा आंकलित परिसम्पत्तियों का मूल्य 01 करोड़ 88 लाख, वन विभाग द्वारा आंकलित निजी वृक्ष सम्पत्ति का मूल्य 04 लाख 15 हजार तथा अनुग्रह राशि के रूप रू. 17 करोड़ 70 लाख इस प्रकार कुल 21 करोड़ 55 लाख रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है।

मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को निर्देश दिया कि अगले एक महीने के अन्दर विस्थापित होने वाले परिवारों के लिए भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करें। इसके लिए सरकारी ज़मीन अथवा आवश्यकता पड़ती है तो उसके लिए अतिरिक्त पैसा शासन से मांग कर जमीन की व्यवस्था की जाय। जहां पर भरथापुर के नाम से कालोनी बनायी जा सके। मुख्यमंत्री ने भरथापुर वासियों के लिए मुख्यमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत आवास स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि कालोनी में शौचालय, गाय, भैंस बांधने की व्यवस्था एक ही जगह की जाय और वहां आंगनबाड़ी केन्द्र, प्राथमिक विद्यालय के साथ-साथ अन्य मूलभूत सुविधायें भी प्रदान की जायें। जहां पर यह परिवार सुरक्षित रह सकें और इन्हे किसी प्रकार का कोई भय न रहे। उन्होंने कहा कि मैने हवाई सर्वे में भी देखा है कि वहां पर जीवन खतरनाक है। इस अवसर पर आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील, आईजी अमित पाठक, पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी अमित कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी देवेन्द्र पाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद व अन्य सम्बन्धित अधिकारी, जनप्रतिनिधि व क्षेत्रीय गणमान्य व संभ्रान्तजन मौजूद रहे।

राजा परीक्षित की सुनाई कथा

नानपारा, बहराइचः ग्राम पंचायत नानपारा देहात के भग्गापुरवा में आयोजित सात दिवसीय भागवत कथा के दूसरे दिन रविवार को कथा वाचक विनोद कुमार तिवारी जी महाराज ने मूर्ति जलाधिवास व राजा परीक्षित की कथा सुनाई। इसे सुनने क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु पहुंचे। प्रवाचक ने बताया कि परीक्षित का जन्म महाभारत युद्ध के बाद हुआ था। उन्होंने कहा कि अभिमन्यु के मरने के बाद, उत्तरा ने उनके पुत्र को जन्म दिया था, जिसका नाम परीक्षित रखा गया। प्रवाचक ने बताया कि द्रोणाचार्य के पुत्र ने, पांडवों को मारने के लिए ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया था, लेकिन भगवान कृष्ण ने गर्भ में पल रहे परीक्षित की रक्षा की थी।

मरीजों की जांच करते चिकित्सक। अमृत विचार

304 लाभार्थियों को मिला स्वास्थ्य लाभ

पयागपुर, बहराइच : पयागपुर स्वास्थ्य क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को जन आरोग्य मेले का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस मेले में कुल 304 लाभार्थियों को स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। जन आरोग्य मेले का आयोजन ख़ुटेहना, बभनियावां, रामनगर खजुरी, मुंडेरवा ठकुराइन और पहलवारा के शिविरों में किया गया। इन केंद्रों पर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और स्वास्थ्य जांच, परामर्श तथा दवा वितरण जैसी सेवाओं का लाभ लिया। इस संबंध में जानकारी देते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक धीरेंद्र तिवारी ने बताया कि यह महत्वपूर्ण आरोग्य मेला प्रत्येक रविवार को पयागपुर क्षेत्र के प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर नियमित रूप से आयोजित होता है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। जन आरोग्य मेले के माध्यम से सरकार की मंशा के अनुरूप आम जनता को उनके घर के पास ही चिकित्सकों की सेवाएं और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है।

कस्बे में कलशयात्रा निकालतीं महिलाएं और शामिल श्रद्धालु। अमृत विचार

मूर्ति स्थापना पर महिलाओं ने निकाली कलशयात्रा

नवाबगंज, बहराइच, अमृत विचार : नवाबगंज कस्बे के छावनी चौराहा स्थित हनुमान मंदिर में गायत्री माता की मूर्ति स्थापना के शुभारंभ अवसर पर हनुमान मंदिर प्रांगण से कलश यात्रा निकाली गई। यह कलश यात्रा हनुमान मंदिर से होकर कांजी हाउस चौराहा, थाना रोड, हज्जिन मस्जिद चौराहा, चौक घंटाघर से काली मंदिर होते हुए अपने गंतव्य स्थान पर समाप्त हुई। उसके बाद वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंडित जगदम्बा प्रसाद के द्वारा गायत्री माता की मूर्ति स्थापना की गई। कार्य क्रम का नेतृत्व कैलाश जयसवाल ने किया। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कलश यात्रा व अन्य कार्यक्रम रोहित जयसवाल, प्रमोद गुप्ता, अनिल जायसवाल, वसु गुप्ता, रामेश्वर जयसवाल, मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया श्री श्याम जन्मोत्सव

संवाददाता पयागपुर, बहराइच

अमृत विचार: भूपगंज बाज़ार स्थित त्रिदेव मंदिर में शनिवार की रात श्रीश्याम जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को आकर्षक साज सज्जा से सजाया गया था। सैकड़ों की संख्या में भक्तगण देर रात तक भजन-संकीर्तन में झूमते रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री गणेश वंदना और श्री श्याम संकीर्तन से हुआ। रात्रि 8 बजे से प्रारंभ हुए भजन संकीर्तन में प्रसिद्ध भजन गायकों श्याम बिहारी शर्मा ,दिनकर शुक्ल, राहुल सोनी, पंकज, कृष्णा, विभोर अग्रवाल ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति दी, जिन पर भक्त देर रात तक झूमते रहे। फूलों से सजाया है दरबार खाटू वाले, बिगड़ी बनाने आजा एक बार खाटू वाले जैसे भजनों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। रात के ठीक 12 बजे खाटू श्याम बाबा का "जन्मोत्सव" धूमधाम से मनाया गया। भक्तों ने मिलकर "हैप्पी बर्थडे श्याम बाबा" गीत गाया और बाबा को विशाल केक का भोग लगाया गया। इसके बाद रंगीन आतिशबाज़ी से पूरा मंदिर परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम में भव्य दरबार, आलोकिक श्रृंगार, भजन गंगा जैसे आयोजन हुए। आयोजन की व्यवस्था श्री श्याम प्रभु रानी सती मंदिर सेवा समिति, भूपगंज बाज़ार पयागपुर द्वारा की गई थी। आयोजन समिति के रामप्रसाद शर्मा, संतोष अग्रवाल, श्याम बिहारी शर्मा, राधेश्याम अग्रवाल, सुधीर अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल, दानेंद्र शर्मा, ऐश्वर्य रस्तोगी, अखिलेश मिश्र समेत सैकड़ों भक्तों ने भाग लेकर बाबा श्याम से आशीर्वाद प्राप्त किया।

बाबा श्याम की सजी झांकी। अमृत विचार

झांकी के दौरान मौजूद भक्त। अमृत विचार

खाद्य पदार्थों में मिलावट को लेकर व्यापार मंडल गंभीर

बहराइच, अमृत विचारः खाद्य पदार्थों में हो रही भयंकर मिलावट को लेकर व्यापार मंडल शीघ्र ही एक अभियान छेड़ने जा रहा है इसके लिए जल्दी ही व्यापारियों की एक बैठक बुलाई जायेगी, जिसमें व्यापारियों से मिलावटी सामग्री ना बेचने की अपील के साथ इससे आम जनमानस पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को लेकर उन्हें जागरूक किया जायेगा। मिलावटी खाद्य पदार्थों ने आम जनमानस को काफी परेशान कर रखा है वह चाहे मसाले हों, तेल, घी, दूध, पनीर आदि कोई भी खाद्य पदार्थ ऐसा शायद ही बचा हो जिसमें मिलावट ना की जा रही हो। इसी मामले को लेकर जब उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के नगर अध्यक्ष और व्यापारी नेता दीपक सोनी ''दाऊजी'' से मुलाकात की जाती है तो वह कहते हैं यह एक गंभीर विषय है और समूचे व्यापार जगत की साख पर बट्टा लगने जैसा है। नगर अध्यक्ष कहते हैं कि सभी व्यापारी ऐसा नहीं करते हैं लेकिन काफी लोग इस जहर को बेचते हैं। शीघ्र इस मामले को लेकर उद्योग व्यापार मंडल की बैठक बुलाई जायेगी और उसमें इस मुद्दे पर प्रमुखता से चर्चा की जायेगी। दाऊजी कहते हैं कि इसके प्रथम चरण में ऐसे मिलावटखोरों को चेतावनी दी जाएगी और सुधार ना होने पर उन पर सख्त एक्शन लिया जाएगा। वह कहते हैं कि शहर बहराइच में किसी भी प्रकार की मिलावटी सामग्री ना बिके यह जिम्मेदारी व्यापार मंडल की होगी।

पयागपुर सीएचसी में गरीब महिला का हुआ सफल सिजेरियन प्रसव

पयागपुर, बहराइचः सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं और आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड योजना के दम पर पयागपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ने एक और बड़ी सफलता हासिल की है। इस योजना के तहत एक आर्थिक रूप से कमज़ोर महिला का जटिल सीज़ेरियन प्रसव सफलतापूर्वक किया गया है, जिससे माँ और नवजात दोनों पूरी तरह स्वस्थ हैं। यह घटना दिखाती है कि ज़रूरतमंद परिवारों के लिए यह योजना सचमुच एक वरदान साबित हो रही है। नूरपुर की रहने वाली सुमन देवी पत्नी उदल प्रसव पीड़ा के दौरान कुछ समस्याओ से जूझ रही थीं। उनके पति उदल मज़दूरी करके जीवन यापन करते हैं, और ऐसे में किसी बड़े निजी अस्पताल में महंगा ऑपरेशन कराना इस गरीब परिवार के लिए एक बड़ी आर्थिक तंगी का कारण बन सकता था। लेकिन, आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड होने के कारण उन्हें पयागपुर सीएचसी में निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिला। सीएचसी अधीक्षक डॉ. धीरेंद्र तिवारी की कुशल देखरेख में, महिला डॉक्टर कविता चौधरी और अतुल मिश्रा की टीम ने मिलकर इस जटिल प्रसव को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। सफल ऑपरेशन के बाद, सुमन देवी ने एक स्वस्थ नवजात को जन्म दिया।

अपने नवजात बच्चे के साथ नूरपुर की सुमन।

मां के बगल सो रही बच्ची को उठा ले गया भेड़िया

- जबड़े में दबोचकर भागा भेड़िया घर से दूर मिले मांस के टुकड़े

संवाददाता कैसरगंज, बहराइच

अमृत विचारः कैसरगंज तहसील क्षेत्र में भेड़िए का खौफ कम नहीं हो पा रहा है। रविवार को फखरपुर थाना क्षेत्र के कन्दौली गांव में सुबह पांच बजे भेडिया मां के बगल में सो रही दो साल की बच्ची को उठा ले गया। जैसे ही भेड़िए ने बच्ची को जबड़ों में दबोचा, वह चीख पड़ी। इसके बाद मां की नींद खुल गई। मां ने शोर मचाया। इसके बाद परिजन और ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर दौड़े, लेकिन भेड़िया बच्ची को लेकर गन्ने के खेत की तरफ भाग गया।

गोरछहन पुरवा में घटना के बाद एकत्रित ग्रामीण। अमृत विचार

भेड़िए का शिकार बनी राकेश की दो वर्षीय पुत्री शिनवी का अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है घर से करीब 200 मीटर की दूरी पर कुछ मांस के टुकड़े मिले है व कुछ जगह खून के धब्बे भी नजर आए। हालांकि, अभी तक शव नहीं मिला हैं।

फिलहाल पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच गई है। बच्ची की ड्रोन सर्विलांस और डॉग स्क्वॉड की मदद से तलाश की जा रही है। वन क्षेत्राधिकारी ओंकार यादव ने बताया कि क्षेत्र में टीमों की गश्त बढ़ा दी गई है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि बच्चे को घरों से न निकलने दें। किसी भी संदिग्ध हरकत की तुरंत पुलिस या वन विभाग को सूचना दें। किसी भी हालत में भेड़िए को नहीं छोड़ेंगे।

वन विभाग के शूटरों ने भेड़िए को किया ढेर

कैसरगंज, बहराइच : कैसरगंज तहसील में वन विभाग को बड़ी सफलता मिली है। विभाग के शूटर ने एक मादा भेड़िए को गोली मारकर ढेर कर दिया, जिसने रविवार सुबह एक डेढ़ साल की बच्ची को घर से उठा लिया था। यह घटना मंझारा तौकली के बभनन पुरवा में हुई। रविवार सुबह कैसरगंज तहसील के कंदौली ग्राम में भेड़िया घर में सो रही दो साल की बच्ची को बिस्तर से उठा ले गया था। वन विभाग की टीम और ग्रामीण लगातार उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया था। रविवार की शाम घटनास्थल से करीब चार किलोमीटर दूर ग्रामीणों ने भेड़िए को गन्ने के खेत में छिपा देखा और वन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही एसडीएम अखिलेश सिंह और रेंजर ओंकार यादव शूटर आरिश के साथ मौके पर पहुंचे। ड्रोन की मदद से भेड़िए की लोकेशन ट्रेस की गई। जिसके बाद शूटर ने उसे गोली मार दी। भेड़िए के आज मारे जाने से ग्रामीणो को राहत मिली है वहीं ग्रामीणों ने इलाके में दो और भेड़िए देखे जाने की बात कही है। वन विभाग मुस्तैदी से गांव मे जुटा हुआ है जिससे कोई और घटना न होने पाये।

यातायात जागरूकता रैली निकाली

संवाददाता बहराइच

अमृत विचारः सड़क दुर्घटनाओं एवं उनमें होने वाली मृत्यु में कमी लाये जाने हेतु माह नवम्बर को यातायात माह के रूप मनाया जायेगा। इसको लेकर पुलिस लाइन में एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह ने इस रैली में शामिल वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह जागरुकता रैली पुलिस लाइन से चलकर पानी टंकी चौराहा, डी०एम० चौराहा, तिकोनीबाग चौराहा, रोडवेज बस स्टेशन, पीपल तिराहा, छावनी चौराहा, डिगिहा तिराहा, गुरूनानक चौक होकर वापस यातायात कार्यालय पर आकर समाप्त हुई। इस कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी नगर, क्षेत्राधिकारी पयागपुर राज सिंह यादव, क्षेत्राधिकारी महसी डीके श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी प्रशिक्षु नरायणदत्त मिश्रा, प्रतिसार निरीक्षक भुवनेश्वर सिंह, निरीक्षक यातायात रामप्रकाश, निरीक्षक यातायात दिलीप शुक्ला मौजूद रहे। यातायात माह का समापन तीस नवंबर को होगा। पुलिस अधीक्षक श्री सिंह ने बताया कि इस दौरान यातायात पुलिस तथा स्थानीय थाना पुलिस द्वारा पूरे माह विभिन्न जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कर आमजनमानस तथा वाहन चालकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जायेगा।

हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना करते एसपी रामनयन सिंह। अमृत विचार

ग्राम तपेसिपाह में चकबंदी की है सख्त आवश्यकता

संवाददाता जरवलरोड, बहराइच, अमृत विचारः जनपद बहराइच के विकासखंड जरवल की सीमावर्ती ग्राम सभा तपेसिपाह घाघरा नदी की तराई में स्थित है। यह ग्राम सभा भौगोलिक दृष्टि से तराई क्षेत्र की सबसे बड़ी ग्राम सभा मानी जाती है, जहाँ लगभग 32 मजरों में फैली आबादी निवास करती है। तराई क्षेत्र होने के कारण यहाँ की भूमि लगातार नदी के कटाव और जलभराव से प्रभावित रहती है, जिससे खेतों की सीमाएं स्पष्ट नहीं रह पातीं। चकमार्ग, तालाब, खलिहान, आबादी एवं चारागाह की भूमि का अभाव ग्रामीणों के लिए गंभीर समस्या बन चुका है। इससे खेती, पशुपालन और आवागमन में निरंतर बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं।

इस स्थिति को देखते हुए ग्राम प्रधान तपेसिपाह उमेश प्रताप गुप्ता ने शासन-प्रशासन से ग्राम में शीघ्र चकबंदी कराए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि चकबंदी शीघ्र प्रारंभ की जाए, तो न केवल भूमि विवाद समाप्त होंगे बल्कि गांव के समग्र विकास के मार्ग भी प्रशस्त होंगे।

रुपैडिहा थाना क्षेत्र में चोरियों की आई बाढ़

बाबागंज, बहराइच : रुपईडीहा थाना क्षेत्र के जमोग कस्बे में हाल ही में एक ही रात में हुई छह घरों की चोरी की घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। फुटेज में एक संदिग्ध व्यक्ति को चोरी करते हुए देखा जा सकता है, हालांकि उसकी पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। गौरतलब है कि बीती शुक्रवार की रात चोरों ने जमोग गांव में एक ही रात में कई घरों को निशाना बनाया था। चोरों ने मोबाइल फोन, नगदी रुपये चोरी कर लिया था, जिससे गांव में दहशत का माहौल बन गया था। घटना के बाद ग्रामीणों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने अब सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लेकर संदिग्ध की पहचान करने की कोशिश शुरू कर दी है। एस०ओ०जी टीम और थाना रुपईडीहा पुलिस संयुक्त रूप से जांच में लगी है। पुलिस का कहना है कि चोर की पहचान होते ही जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। तलाश की जा रही है।

डीएम को सीएचसी अधीक्षक समेत सभी मिले नदारद

औचक निरीक्षणः दो का एक दिन का वेतन रोकने का दिया आदेश, फार्मासिस्ट को 15 दिन की अंतिम नोटिस

संवाददाता लहरपुर, सीतापुर

अमृत विचारः लहरपुर सीएचसी पर नवागत जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर. की औचक मौजूदगी से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। अचानक दो गाड़ियां अस्पताल परिसर में रुकते ही स्टाफ में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। निरीक्षण में अधीक्षक सहित कई चिकित्सक ड्यूटी से नदारद पाए गए, जिस पर जिलाधिकारी ने सभी अनुपस्थित कर्मियों का एक दिन का वेतन रोकने का आदेश सीएमओ को दिया। साथ ही फार्मासिस्ट को 15 दिन में व्यवस्थाएं सुधारने का अंतिम अल्टीमेटम भी दिया।

बाढ़ प्रभावित तहसील की सीएचसी का निरीक्षण करते जिलाधिकारी। अमृत विचार

दरअसल, घड़ी में रात के लगभग 11:00 बजे थे। अस्पताल परिसर में शांति थी। तभी अचानक दो सरकारी गाड़ियां सीएचसी गेट पर रुकती हैं। तेजी से वाहनों के गेट खुलते हैं, बिना किसी प्रोटोकॉल के उतरते हुए नवागत जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर और सीएमओ डॉ. सुरेश कुमार सीधे अस्पताल भवन में दाखिल होते हैं।

नदारद मिले सीएचसी अधीक्षकः डीएम के निरीक्षण में अधीक्षक डॉ. अरविंद बाजपेई, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. गोविंद गुप्ता, और एनेस्थीसिया विशेषज्ञ डॉ. विनय भदौरिया सहित कई कर्मचारी अनुपस्थित मिले। डीएम ने वार्डों, लेबर रूम, दवा वितरण कक्ष व रिकॉर्ड सेक्शन का क्रमवार निरीक्षण किया। मरीजों से हाल पूछने पर कई ने डॉक्टरों की अनुपस्थिति और इलाज में देरी की शिकायत की।

सीएचसी में अव्यवस्थाओं पर बिफरे सीएमओ

इमलिया सुल्तानपुर, सीतापुर : दिशा बैठक के बाद जिलाधिकारी डॉ. राजागणपति आर के तेवर तल्ख हो गए हैं। डीएम के निर्देश पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऐलिया का औचक निरीक्षण किया और व्यवस्थाओं की हकीकत परखनी शुरू की। निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने सबसे पहले इमरजेंसी किट की जांच की। दवाइयां अल्फाबेट क्रम में न मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए जिम्मेदारों को आड़े हाथ लिया। यहीं नहीं, अस्पताल के पंखों पर जमा गंदगी देख सीएमओ भड़क उठे। उन्होंने अधीक्षक डॉ. सुधीर पांडे को साफ-सफाई में लापरवाही पर फटकार लगाते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए। अस्पताल में अग्निशमन यंत्र भी खराब मिला, जिस पर सीएमओ की खरी-खोटी का जिम्मेदारों को सामना करना पड़ा।

सजग हो श्रद्धा

आंध्र प्रदेश के मिनी तिरुपति कहे जाने वाले श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हालिया हादसे ने धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा, मंदिरों में भीड़ प्रबंधन की विफलता, श्रद्धालुओं की सजगता और प्रशासनिक जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। राज्य सरकार ने अपनी जिम्मेदारी से यह कहकर किनारा करने की कोशिश की कि यह एक निजी मंदिर था, इसे धर्मस्व विभाग में पंजीकृत नहीं कराया गया था, किंतु तर्क महज बहानेबाजी है। मंदिर निजी हो या सार्वजनिक, जब किसी स्थान पर हजारों की भीड़ एकत्र होने की संभावना हो, तब प्रशासन की पहली जिम्मेदारी नागरिकों की सुरक्षा है। प्रशासन नितांत अनभिज्ञ भी नहीं था। उसे एकादशी के अवसर पर विशेष भीड़ जुटने की सूचना पहले से थी, फिर भी उसने एहतियाती कदम क्यों नहीं उठाए। माना, राज्य सरकार को औपचारिक सूचना नहीं थी, पर स्थानीय प्रशासन की खुफिया और नियंत्रण व्यवस्था को इस आशंकित भीड़ की जुटान का अंदाजा तो लगा ही होगा।

दो हजार वाले मंदिर परिसर की क्षमता से बारह गुना श्रद्धालु पहुंचना बताता है कि न तो भीड़ नियंत्रण की कोई योजना थी, न विभागों के बीच समन्वय। मंदिर में प्रवेश और निकास के लिए एक ही मार्ग की निर्माण संबंधी खामी का होना स्थानीय निर्माण विभाग की निगरानी में आती है। मंदिर नया था, तो निर्माण अनुमति देते समय इस तरह की सुरक्षा मानकों की जांच न करना तकनीकी और प्रशासनिक दोनों दृष्टिकोण से अपराध है। कार्यक्रम आयोजकों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। इस अनुमान के बावजूद कि विशेष पर्व पर भारी भीड़ उमड़ेगी, उन्होंने न तो प्रशासन को सूचित किया, न पर्याप्त वालंटियर लगाए, न सीसीटीवी या लाउडस्पीकर जैसी मूलभूत व्यवस्था की। यह न केवल लापरवाही बल्कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के प्रति असंवेदनशीलता का उदाहरण है। क्या उन्हें महज चढ़ावे से मतलब है! इसी वर्ष आंध्र प्रदेश के तिरुपति और सिम्हाचलम मंदिरों में ऐसी ही घटनाओं के बाद मुख्यमंत्री ने मंदिर प्रबंधन विभाग को बैरीकेड्स लगाने, प्रवेश और निकास मार्ग अलग करने, रेलिंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे, लेकिन वे सब कागजों तक सीमित रहे। यह लापरवाही ऐसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति करता है। देश के दूसरे राज्यों यथा उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार या तमिलनाडु में भी धार्मिक भीड़ के दौरान ऐसी दुर्घटनाएं होती रही हैं। इस राष्ट्रीय समस्या का समाधान केवल संवेदना और मुआवजे से नहीं होगा। सरकारों को अनिवार्य भीड़ प्रबंधन नीति लागू करनी चाहिए, जिसमें प्रत्येक धार्मिक स्थल को अपनी अधिकतम क्षमता, आपात निकास योजना, अग्नि सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी की जानकारी धर्मस्व या स्थानीय प्रशासनिक पोर्टल पर दर्ज करनी हो।

इन हादसों का संदेश समाज के लिए भी एक चेतावनी है- श्रद्धा जरूरी है, लेकिन सजगता उससे भी अधिक आवश्यक है। जान है, तो भगवान है। यदि सरकारें केवल मुआवजा और शोक संदेशों तक सीमित रहेंगी, तो ऐसी त्रासदियां बार-बार घटेंगी। यह समय है कि शासन, समाज और श्रद्धालु- तीनों मिलकर यह सुनिश्चित करें कि भक्ति में भी व्यवस्था का अनुशासन बना रहे।

प्रसंगवश

महज एक नारा रह गया है 'स्वदेशी'

हम सात दशकों से 'स्वदेशी' के नारे सुन रहे हैं। आजादी से पहले भी यह आरएसएस का बुनियादी मुद्दा था। 1951 में 'जनसंघ' का गठन हुआ, तो संघ ने इस मुद्दे को राजनीतिक तौर पर ग्रहण किया। 'जनसंघ' का यह चुनावी मुद्दा भी होता था। जब 1980 में भाजपा का गठन हुआ, तो उसने भी 'स्वदेशी' का खूब प्रचार किया। दरअसल हम 'स्वदेशी' के विरोधी नहीं हैं, क्योंकि यह देश की आत्मनिर्भरता का प्राथमिक मुद्दा है। अब आरएसएस के शताब्दी समारोह और 'दशहरा संबोधन' में क्रमशः प्रधानमंत्री मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक बार फिर 'स्वदेशी' का गुणगान किया है। स्वदेशी और खादी को देश की आजादी से जोड़ा है, लेकिन सवाल है कि क्या 'स्वदेशी' से ही 146 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का गुजारा संभव है? क्या देश की अर्थव्यवस्था का विस्तार संभव है?

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता, उच्चतम न्यायालय

वैश्विक उदारीकरण के दौर में 'स्वदेशी' के आधार पर ही अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, विदेशी निवेश, निर्यात और अंततः आत्मनिर्भरता संभव नहीं है। खादी का उत्पादन 3783 करोड़ रुपये का है और व्यापार 7146 करोड़ रुपये का है। वैश्विक व्यापार में भारत विश्व में 10वें स्थान पर है। हम चार ट्रिलियन डॉलर से अधिक की अर्थव्यवस्था हैं। महज इतनी व्यापारिक पूंजी से देश कैसे चल सकता है? भारत का कुल निर्यात 37 लाख करोड़ रुपये और आयात 61 लाख करोड़ रुपये का है। लिहाजा हमारा व्यापार घाटा करीब 9000 करोड़ रुपये का है। यदि 'स्वदेशी' को 100 फीसदी लागू करना है, तो सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यमों की चिंता स्पष्ट करें, जो 'स्वदेशी' की रीढ़ हो सकते हैं। कोरोना वैश्विक महामारी के दौरान तालाबंदी से 75082 लघु और कुटीर कंपनियां बंद हो गईं। उससे पहले वे नोटबंदी से व्यापक तौर पर प्रभावित हुईं।

अनुमान है कि ऐसे कुटीर उद्योगों की करीब छह लाख कंपनियां, फैक्टरियां बंद हो चुकी हैं। बेशक सरकार ने आर्थिक पैकेज और आसान बैंकिंग कर्ज घोषित किए, लेकिन एमएसएमई के अस्तित्व को बचाया नहीं जा सका। सरकार औपचारिक बयान देकर कुटीर उद्योगों की अद्यतन स्थिति स्पष्ट कर सकती है। मोदी सरकार ने देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में मैन्यूफैक्चरिंग के योगदान का लक्ष्य 23 फीसदी तय किया था। वह 16-17 फीसदी से घटकर करीब 13 फीसदी पर आ गया है। भारत मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्र में फिलहाल पिछड़ा है, तो 'स्वदेशी' कैसे संभव है?

भारत में 'स्वदेशी' उत्पादन और अर्थव्यवस्था की सोच को 1991 से पहले ही लागू करना चाहिए था, जो भूमंडलीकरण और उदारीकरण 1991 में भारत में शुरू किया गया, उसे 1979 में ही चीन में लागू कर दिया गया था, नतीजतन उसे बहुत पहले आत्मनिर्भर होने में मदद मिली। आज उसकी औद्योगिक नीति ऐसी है कि वह किसी भी देश पर आश्रित नहीं है। अमरीका के साथ मात्र 13-14 फीसदी व्यापार की ही उसे जरूरत है। यदि वह भी नहीं हो, तो चीन की अर्थव्यवस्था डांवाडोल नहीं हो सकती।

भारत की ऐसी कोई पुख्ता औद्योगिक नीति नहीं है। आज दक्षिण पूर्व एशिया के देश अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारत सरीखे शक्तिशाली देश को पछाड़ रहे हैं। अमरीका ने हम पर 50 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। उससे उन कंपनियों पर विपरीत असर पड़ना तय है, जिन्होंने करोड़ों का माल बना रखा है। मसलन-कालीन और कपड़े तो 'स्वदेशी' हैं। यदि टैरिफ बढ़ने से अमेरिकी बाजार में उनकी खपत नहीं हो पा रही है, तो क्या सरकार कोई बंदोबस्त कर सकती है कि उनका 'स्वदेशी' माल देश में ही बिक सके?

भूक किसी किस्म की भी हो, बहुत ख़तरनाक है।
–सआदत हसन मंटो, उर्दू साहित्यकार

जलवायु परिवर्तन और मच्छरों की विश्व विजय

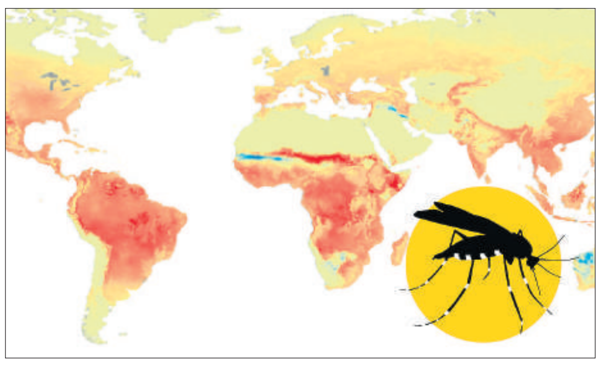

अनिल यादव
वरिष्ठ पत्रकार

यूरोप का एक देश है आइसलैंड। हाल में वहां तीन मच्छर मिले हैं। ज्ञान के हलकों में यह एक सनसनीखेज खबर बन गई है। सबसे अधिक चर्चा मच्छरों की जिजीविषा की हो रही है।

आइसलैंड के निवासियों को गुमान था कि यह दुनिया में ऐसी जगह है, जहां मच्छर नहीं पाए जाते, जिंदा ही नहीं रह सकते, लेकिन यह एक भ्रम साबित हुआ। हाल में वहां तीन मच्छर मिले हैं, जिसकी आधिकारिक घोषणा आइसलैंड के नेचुरल साइंस इंस्टीच्यूट ने की है। इसे प्राकृतिक विज्ञान के हलकों में एक सनसनीखेज खबर माना जा रहा है। वैज्ञानिक इसके कारण ग्लोबल वार्मिंग, उससे जनित क्लाइमेट चेंज और आइसलैंड जैसी सदियों से अलग-थलग रही जगह में ग्लोबलाइजेशन के नतीजे में बढ़ती पर्यटन और व्यापार की गतिविधियों में खोज रहे हैं, लेकिन सबसे अधिक चर्चा मच्छरों की जिजीविषा और हर नई परिस्थिति के अनुरूप खुद को ढाल लेने की क्षमता के कारण हो रही है।

अक्सर इन दिनों आम में असमय बौर आना और पशु-पक्षियों के व्यवहार के बदलने की खबरें कहीं न कहीं से आती रहती हैं, जिनसे विनाशकारी जलवायु परिवर्तन के दुनिया भर में फैलाव का पता चलता है। आइसलैंड में भी मच्छरों के मिलने के बाद वैज्ञानिकों को याद आया कि एक प्रमुख ग्लैशियर ओक्जोकुल पिघल कर खत्म हो चुका है, स्थानीय पौधों की कई प्रजातियां लुप्त हो चुकी हैं, ढेरों विदेशी पौधे और कुछ अब तक अज्ञात रहे कीट भी दिखाई देने लगे हैं, जिनमें से मच्छर भी एक हैं। मच्छर वहां काफी पहले पहुंच चुके थे, लेकिन उनकी उपस्थिति को स्वीकार काफी समय बाद अब किया गया है।

कीटों में दिलचस्पी रखने वाले एक स्थानीय निवासी ने अपने घर के बगीचे में एक रस्सी को वाइन में भिगाकर लटका दिया था, जिस पर ये मच्छर बसेरा करने लगे। इसे प्रमाण की तरह वैज्ञानिकों के सामने पेश किया गया। हर जानलेवा रसायन को पचा जाने और खुद को नई परिस्थितियों के अनुकूल ढालने की मच्छरों की क्षमता गजब है, लेकिन हमारे देश में मामला कुछ अलग है। हमारे यहां मच्छरों के विजय अभियान में सरकारी महकमे और उनमें काम करने वाले मनुष्य बहुत सहायक साबित हुए हैं, वरना ऐसी कामयाबी का मिलना संभव नहीं था।

एक आदमी के मन में कितनी इच्छाएं होती हैं! शायद इसे कभी जान लिया जाएगा, लेकिन इस रहस्य से कभी पर्दा नहीं उठेगा कि भारत में अब तक मलेरिया और डेंगू से वास्तव में कितने मनुष्य मर चुके हैं। विशेषज्ञों से अब तक इतना पता चल पाया है कि इन बीमारियों से बचने के लिए घरों के आसपास पानी इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए। खुद को कपड़ों से ढक कर रखना चाहिए और मलेरिया होने पर चिकित्सकों से परामर्श लेना चाहिए आदि-इत्यादि।

इसके अलावा हम सब अपने अनुभव से जानते हैं कि मच्छर काटने से पहले गाना गाते हैं। इस गाने की महीन धुन में एक महान चुनौती है, एक हुंकार है। वे पूछते हैं कि आपने कई परमाणु परीक्षण कर दुनिया को बता दिया कि एटम बम बना सकते हैं, आपके डॉक्टरों की दुनिया भर में साख है और अब दुनिया के नक्शे पर विश्वगुरु बनने जा रहे हैं, लेकिन आप हमारा बाल-बांका क्यों नहीं कर पाए? यह गाना और गंभीर इसलिए हो जाता है, क्योंकि इसे ऐसा कीट गा रहा है, जिसने दुनिया में किसी भी जानवर की तुलना में सबसे ज्यादा मनुष्यों को मौत की नींद सुलाया है।

मच्छरों पर दुनिया भर में घूम कर शोध करने में जिंदगी लगा देने वाले हावर्ड विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एन्ड्रयू स्पीलमैन और पुलित्जर विजेता पत्रकार माइकेल डी। एंतोनियो ने एक अद्भुत किताब लिखी है। इस किताब, 'मस्कीटोः ए नेचुरल हिस्ट्री ऑफ अवर मोस्ट परसिस्टेंट एंड डेडली फो' में स्पीलमैन तथ्यात्मक ढंग से बताते हैं कि ये मच्छर ही थे, जिन्होंने सिकंदर और चंगेज खां की सेनाओं को हरा दिया था और उनके विश्वविजेता बनने के सपने धरे रह गए।

द्वितीय विश्वयुद्ध के समय डीडीटी (डाइक्लोरो डाइफिनाइल ट्राइक्लोरो ईथेन) आने के बाद वैज्ञानिकों ने मान लिया था कि मच्छर खत्म हो गए, लेकिन यह भ्रम था। वे ज्यादा ढीठ होकर नए क्षेत्रों में फैलते गए और आज भी सारी दुनिया में नरसंहार का गाना गाते मंडरा रहे हैं, लेकिन ये वैज्ञानिक हमारे भारतीय मच्छरों को नहीं जानते। पौन इंच से भी छोटे आकार के इन मच्छरों ने सरकारों, दवाओं और आदमियों का स्वभाव बदल डाला और उनसे अभयदान पा लिया है।

चार दशक पहले जब न तकनीक थी न इतने संसाधन, गांवों की दीवारों पर स्वास्थ्य विभाग के कारिंदे सफाई रखने और कुनैन की गोली खाने की सलाहें लिख रहे थे, बच्चों की जांच के लिए स्कूलों में खून की स्लाइडें बन रही थीं और छोटे कस्बों में दवाओं का छिड़काव हो रहा था। आम लोगों को लगता था कि सरकार को उनकी जान की फिक्र है और मलेरिया बस थोड़े दिनों का मेहमान है। जब से शेयर बाजार के रास्ते देश को सुपर पॉवर बनाने का रायता फैलना शुरू हुआ, सबकुछ बदल गया। मच्छर तो वही रहे, लेकिन वह आदमी बदल गया जो मलेरिया, डेंगू और कालाजार से लड़ने चला था। वह खुद मच्छर हो गया और सरकारी परियोजनाओं से रकम चूसने लगा।

उम्मीद की जगह हताशा ने ले ली और आम आदमी ने खुद को रामभरोसे छोड़ दिया। मच्छरों ने यह कारनामा कैसे किया? इसका रहस्य संगीत की उस स्वरलिपि में है, जिसमें उनके गाने की ताल, मात्राएं और राग दर्ज हैं। वह भ्रष्टाचार के संगीत की स्वरलिपि है, जिसे हम सब अच्छी तरह जानते हैं। मच्छर गा रहे हैं और उनके विनाश की परियोजनाएं चलाने वाले नेताओं, प्रशासकों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, बुद्धिजीवियों का एक बड़ा तबका उस महीन धुन पर थिरक रहा है। विचित्र सांस्कृतिक समारोह जारी है।

आमने सामने

दिल्ली की जनता ने केजरीवाल को राजधानी के 'शीश महल' से हटा दिया, लेकिन मानसिकता नहीं बदली। पंजाब में मुख्यमंत्री कोटे के तहत करदाताओं के पैसे से 'शीश महल 2.0' बनाया जा रहा है, क्योंकि केजरीवाल पंजाब के 'सुपर सीएम' हैं।
–शहजाद पूनावाला
बीजेपी प्रवक्ता

चंडीगढ़ के जिस घर को बीजेपी 'शीश महल' कह रही है, वह सरकारी आवास है और उनका कैंप कार्यालय है। वो भ्रामक प्रचार कर रही है। बीजेपी शीश महल देखना चाहती है, तो पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह का निजी आवास देखे। **–भगवंत मान**, मुख्यमंत्री, पंजाब

नई बसपा: दलित छोड़ मुस्लिम-पिछड़ों पर जोर

नवेद शिकोह
वरिष्ठ पत्रकार

सफलतम रैली के बाद पार्टी सुप्रीमो मायावती अपनी सक्रियता जारी रखे हैं। वो अकलियत के मुद्दों पर ज्यादा मुखर हैं। यही वजह है कि उन पर भाजपा की 'बी' टीम होने का आरोप भी लग रहा है।

सत्ता से बसपा के वनवास के चौदह साल होने वाले हैं। करीब तीन दशक तक सियासत के नीले आसमान पर अपनी असरदार मौजूदगी की चमक बिखेरती रही बसपा के दुर्दिन के कारण बहुत से हैं- निष्क्रियता, जमीनी संघर्ष न करना, सत्ता की नीतियों को लेकर आक्रामक तेवरों के बजाय सरकार के प्रति नर्म रवैया, सरकार के बजाय विपक्षी खेमों पर ही हमलावर होना, साथ छोड़ रहे अपने आधार, दलित समाज की वापसी की कोशिश के बजाय केवल मुस्लिम समाज पर बार-बार डोरे डालना। चुनावी हार के बाद मुस्लिम समाज पर हार का ठीकरा तोड़ना, इन तमाम कमजोरियों से जन्म लेने वाली एक तोहमत बसपा की नई नवेली सक्रियता पर भी पानी फेर सकती है।

इस घातक इल्जामों का शोर पार्टी के सर्वाइवल की सबसे बड़ी रुकावट बन रहा है। ये इल्जाम है कि बसपा अब सिर्फ भाजपा हित को समर्पित हो गई है। खुद की जीत के लिए नहीं बल्कि सपा को हराने और भाजपा को जिताने के लिए सत्तारूढ़ दल की बी टीम की अप्रत्यक्ष भूमिका निभा रही है बसपा! आरोपों के ऐसे चक्रव्यूह में फंसीं पार्टी सुप्रीमो मायावती की हालिया रैली की सफलता अकल्पनीय रही, ऐसे में विरोधियों की बेचैनी ने बसपा पर तोहमतों की बारिश तेज कर दी है। भाजपा की बी टीम जैसे जुमले का प्रमोशन कर कहा जाने लगा कि 'भाजपा का मायाजाल है बसपा'।

'इंडिया गठबंधन के समर्थन में एकजुट मुस्लिम समाज और पिछड़ी जातियों के वोट कतरने के लिए बसपा सक्रिय हुई है'- ऐसे बयान दे रहे बसपा विरोधियों का कहना है कि भाजपा की घबराहट की दलील है बसपा की सक्रियता। ये सच है कि अर्से बाद सफल रैली कर अपना शक्ति प्रदर्शन कर, जहां मायावती ने अपनी ताकत और मौजूदगी का एहसास कराया, वहीं बी टीम के हमलों को खुद ही गाढ़ा भी कर दिया। वो सत्ता पर कम और विपक्ष यानी सपा-कांग्रेस पर कुछ ज्यादा ही आक्रामक रहीं, बल्कि पार्क के रख-रखाव के मामले में तो उन्होंने यूपी की योगी आदित्यनाथ की सरकार की खूब तारीफ भी की और आभार तक व्यक्त कर दिया।

सफलतम रैली के बाद पार्टी सुप्रीमो मायावती अपनी सक्रियता जारी रखे हुए हैं। वो अकलियत के मुद्दों पर मुखर कुछ ज्यादा ही हैं। बुल्डोजर कार्रवाई से लेकर मुस्लिम लड़कियों पर अपशब्द बोलने वाले भाजपा के पूर्व विधायक के खिलाफ ताबड़तोड़ उन्होंने बयान दिए। मुस्लिम भाईचारा कमेटियों के बाद पिछड़ा वर्ग भाईचारा संगठन की बैठक भी की गई।

राजनीतिक पंडितों और बुद्धीजीवियों की मानें तो मुसलमान एकजुट होकर उस राजनीतिक शक्ति की ताकत बनता है, जो भाजपा को टक्कर देने के लिए सबसे अधिक बलवान हो। जिस भाजपा विरोधी दल के पास गैर मुस्लिम वोटों का आधार हो, मुस्लिम उसके साथ आकर एक और एक ग्यारह की ताकत बनना चाहता है। ऐसे में अकलियत का बसपा संग आना काफी मुश्किल है प्रतीत होता है। इस दौरान अपने आधार दलित समाज की वापसी की कोशिशों के बजाय केवल अकलियत पर डोरे डालने से ये परसेप्शन बनने लगा है कि मुस्लिम वोट में बंटवारा कराने की साजिशों को अंजाम देने की कोशिशें हो रही हैं।

यूपी की आबादी में बीस फीसद की तादाद वाला मुस्लिम समाज पिछले लोकसभा चुनाव से उत्साहित है। यहां इंडिया गठबंधन (सपा और कांग्रेस) ने 43 लोकसभा सीटें जीतकर इतिहास रच दिया था। एकजुट वोट ने ताकतवर भाजपा को यूपी में धराशाई कर दिया था और इंडिया गठबंधन ने 43.52 फीसदी वोट हासिल किए थे।

इधर बसपा ने निरंतर हारने और हाशिए पर आ जाने के बाद भी भाजपा से दलित वापसी के सार्थक प्रयास नहीं किए हैं। अपने पारंपरिक दलित वोटबैंक को मजबूत कर मुस्लिम, पिछड़े और ब्राह्मण को जोड़ने का सामाजिक समीकरण बनाया जाता तो यह बसपा के लिए काफी बेहतर होता। यह सफल प्रयोग वह पहले भी कर चुकी हैं।

अपने आधार वोट बैंक दलित समाज से जुड़ी अन्यायपूर्ण घटनाओं के खिलाफ शिद्दत से जमीन पर आवाज न उठाकर मुस्लिम और पिछड़ों की राजनीति में मुखर होती बसपा की रणनीति सपा को कमजोर करने की कोशिश ज्यादा प्रतीत हो रही है। राजनीति की आम समझ रखने वाला यूपी का आम आदमी भी ये जानता है कि यदि मायावती अपने पारंपरिक दलित वोट बैंक की सौ फीसद वापसी का संघर्ष करने के लिए दलितों के मुद्दों को लेकर जमीनी संघर्ष करें तो सफलता मिलना मुश्किल नहीं, जबकि पिछड़ी जातियों और मुसलमानों का कुछ वोट अपनी ओर लाने से लाभ की उम्मीद कम पर मुस्लिम वोटों के बिखराव से भाजपा को फायदे की संभावना अधिक है।

सरकार के प्रति ज्यादा आक्रामक न होकर सपा-कांग्रेस को घेरना और दलितों के मुद्दों को रफ्तार न देना उस वर्ग को नाखुश कर रहा है, जो सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। खासकर यूपी का मुस्लिम समाज, जो पिछले लोकसभा चुनाव में इंडियन गठबंधन के साथ एकजुट था, उसे लगने लगा है कि भाजपा अपना 'माया जाल' बिछाकर बसपा के जरिए इंडिया गठबंधन को समर्पित एकजुट मुस्लिम वोट बैंक के बिखराव की साजिश कर रही है!

सोशल फोरम

मंगल पर दिखाई दी रहस्यमयी वस्तु

एक चौंकाने वाली खोज ने पृथ्वी से परे जीवन के बारे में सदियों पुरानी बहस को फिर से छेड़ दिया है। मंगल ग्रह की सतह पर नजर रख रहे वैज्ञानिकों ने लाल ग्रह पर एक गतिशील प्राणी जैसा कुछ देखा है। यह अजीबो-गरीब आकृति लगभग दो मीटर लंबी है और इसके अंग सामान्य से ज़्यादा लंबे लगते हैं, साथ ही इसकी शारीरिक संरचना मंगल ग्रह पर अब तक दर्ज की गई किसी भी चीज से अलग है। इस दृश्य ने दुनिया भर के वैज्ञानिक समुदाय और अंतरिक्ष प्रेमियों, दोनों को स्तब्ध कर दिया है।

एलसी सुथार
ब्लॉगर

कुछ शोधकर्ताओं का अनुमान है कि यह मंगल ग्रह पर आदिम या यहां तक कि संवेदनशील जीवन का संकेत हो सकता है, जबकि अन्य का तर्क है कि यह बस एक असामान्य भूवैज्ञानिक संरचना या प्रकाश और छाया का एक जादू हो सकता है। हालांकि, तस्वीरों में कैद असामान्य आकार और गति के कारण इसे पूरी तरह से खारिज करना बेहद मुश्किल है। इसने अलौकिक जीवन की संभावना के बारे में गहन चर्चा और बहस छेड़ दी है, जिसकी तलाश मनुष्य दशकों से कर रहा है।

इस रहस्य को और बढ़ाते हुए, प्रमुख अंतरिक्ष संगठनों द्वारा अभी तक इस आकृति के वास्तविक स्वरूप के बारे में कोई आधिकारिक टिप्पणी जारी नहीं की गई है। यह सन्नाटा जिज्ञासा को और बढ़ा रहा है, जिससे वैज्ञानिक और शौकिया अंतरिक्ष यात्री मंगल ग्रह की तस्वीरों, सिद्धांतों और पिछले डेटा पर गौर कर रहे हैं, ताकि यह समझने की कोशिश कर सकें कि क्या देखा जा रहा है।

चाहे वह पृथ्वी से परे जीवन का प्रमाण हो या मंगल ग्रह की एक दुर्लभ भूवैज्ञानिक घटना, मंगल ग्रह पर इस दो मीटर लंबे जीव की खोज मानवता को इस लाल ग्रह के बारे में हमारी जानकारी पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर कर रही है। उत्साह और अटकलें तेजी से फैल रही हैं और सभी को याद दिला रही हैं कि ब्रह्मांड में अभी भी अनगिनत रहस्य छिपे हैं, जिनका खुलासा होना बाकी है।

शोधकर्ता इस असाधारण दृश्य की जांच जारी रखेंगे, क्योंकि मंगल ग्रह पर ऐसे आश्चर्य छिपे हो सकते हैं, जो ब्रह्मांड में जीवन को देखने के हमारे नजरिए को हमेशा के लिए बदल सकते हैं।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

विडंबना: शिक्षक तो हैं पर पढ़ाई नहीं होती

शिक्षा का अधिकार कानून लागू होने के बाद यह व्यापक अपेक्षा थी कि हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचेगी और सरकारी स्कूल समाज में समान अवसरों के वाहक बनेंगे, लेकिन ताजा आंकड़े, ऐसे चौंकाने वाले तथ्य दिखा रहे हैं, जिनसे स्पष्ट होता है कि देश की शिक्षा व्यवस्था में संसाधनों की उपलब्धता और उनके उपयोग के बीच भारी असंतुलन है। केंद्र सरकार की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, देश में लगभग 8,000 ऐसे सरकारी स्कूल हैं, जिनमें एक भी छात्र नामांकित नहीं है। इनमें 20,000 से अधिक शिक्षक अब भी पदस्थ हैं। यानी शिक्षक हैं, भवन भी मौजूद हैं, वेतन भी दिया जा रहा है, लेकिन पढ़ने वाला एक भी बच्चा नहीं। यह न केवल सरकारी धन के उपयोग पर सवाल खड़े करती है, बल्कि नीति-निर्माता सोच की जमीन से दूर होने का संकेत भी देती है।

कुमार सिद्धार्थ
सामाजिक कार्यकर्ता

दूसरी ओर, कई राज्य- विशेषकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्यप्रदेश, उन क्षेत्रों में हैं, जहां छात्र-शिक्षक अनुपात राष्ट्रीय मानक 30:1 से कई गुना अधिक है। कहीं शिक्षक खाली बैठे हैं और कहीं एक शिक्षक सौ-सौ बच्चों को सिखाने की जिम्मेदारी ढो रहा है। यह स्थिति त्रुटिपूर्ण नियुक्ति, अनुपयुक्त तैनाती और योजनागत नासमझी का सम्मिलित संकेत है। पिछले दशक में ग्रामीण इलाकों से शहरों की ओर तेजी से पलायन हुआ। रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा- तीनों की तलाश ने अभिभावकों को कस्बों और महानगरों की ओर धकेला। इससे अनेक गांवों में जनसंख्या इतनी कम हो गई कि स्कूल प्रायः खाली हो गए। दूसरी ओर निजी विद्यालयों की चमक, अंग्रेजी माध्यम और बेहतर परिणामों के दावों ने अभिभावकों का विश्वास सरकारी विद्यालयों से दूर कर दिया। ऐसे में सरकारी स्कूलों में शिक्षक और भवन तो रह गए, पर बच्चे खोते चले गए।

आज देश में लगभग 97 लाख शिक्षक कार्यरत हैं, जिनमें लगभग 55 लाख सरकारी स्कूलों में तैनात हैं। इनमें से एक बड़ा हिस्सा मल्टी-ग्रेड शिक्षा जैसी कठिन परिस्थिति में काम कर रहा है, जहां एक ही कक्षा में कई स्तरों के बच्चे होते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं निरंतर सीखने के अवसरों की कमी शिक्षा-गुणवत्ता पर स्पष्ट असर डाल रही है। कई राज्यों में संविदा या अतिथि शिक्षक वर्षों तक अस्थिर सेवा परिस्थितियों में रहते हैं, जो उनके मनोबल और जिम्मेदारी दोनों को प्रभावित करती हैं।

वहीं ऐसे भी विद्यालय हैं जहां तीन-चार शिक्षक, छात्रों से कहीं अधिक संख्या में तैनात हैं। यह शिक्षक वितरण की गंभीर खामी है, जिसके समाधान के बिना शिक्षा की स्थिति सुधरना मुश्किल है। अगर हम मध्य प्रदेश की बात करें, यहां लगभग 1.2 लाख प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय हैं, जिनमें लाखों बच्चों का भविष्य आकार लेता है, लेकिन 'असर' और नेशनल अचीवमेंट जैसे सर्वे बताते हैं कि चौथी-पांचवीं कक्षा के अनेक बच्चे अपनी कक्षा-स्तर के हिसाब से सरल गणित नहीं कर पा रहे हैं और पढ़-समझने में असमर्थ पाए जा रहे हैं।

इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षा केवल स्कूल जाने की क्रिया तक सीमित रह गई है, सीखना केंद्र में नहीं हो पा रहा है। बुनियादी ढांचे में भी असमानता है। कहीं शौचालय, पेयजल, बिजली जैसी सुविधाएं नहीं, तो कहीं शिक्षक व संसाधन बहुतायत में। भारत भर में शिक्षा नीति का अगला चरण यही होना चाहिए कि विद्यालयों में शिक्षक-मुख्य कर्तव्य (कक्षा-शिक्षण) पर हों, अन्य कार्य उनकी भूमिका को बाधित न करें और शिक्षा-संसाधनों का पुनर्वितरण इस दृष्टि से हो कि खाली स्कूल, शिक्षक-अवंटन की अनियमितताएं और गैर-शिक्षण जिम्मेदारियां हट कर वास्तविक सीखने-परिणामों पर केंद्रित हों।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना*** 05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

हांडा ने जापान मोबिलिटी शो-2025 में अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी Honda 0 Alpha का ग्लोबल डेब्यू किया है। कंपनी ने कंफर्म किया है कि इस मॉडल को भारत में साल 2027 तक लॉन्च किया जाएगा और देश में ही लोकल मैन्युफैक्चरिंग के जरिए तैयार किया जाएगा। यह हांडा की नई 0 Series ईवी लाइनअप का पहला मॉडल है, जो भारत में कंपनी के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सेगमेंट की औपचारिक शुरुआत करेगा। -फीचर डेस्क

भारत में बनेगी हांडा की एसयूवी ईवी कार

डिजाइन में मिलेगा फ्यूचर का टच

Honda 0 Alpha का डिजाइन कंपनी के नए 'Thin, Light and Wise' कॉन्सेप्ट पर आधारित है, जो इसे बेहद मॉडर्न और आकर्षक लुक देता है। इसका लो और वाइड स्टांस एसयूवी को स्पोर्टी अप्रोच देता है। फ्रंट में दिए गए इंटीग्रेटेड LED हेडलैम्प्स, इल्यूमिनेटेड होंडा लोगो और कनेक्टेड DRLs इसे प्रीमियम टच देते हैं। पीछे की ओर U-शेप्ड LED लाइट सिग्नेचर इसकी फ्यूचरिस्टिक डिजाइन को और निखारता है। साइज की बात करें, तो इसका व्हीलबेस 2750mm है, जो Honda Elevate से करीब 100mm ज्यादा है। वहीं, ट्रैक भी 20mm ज्यादा चौड़ा दिया गया है, जिससे ऑन-रोड स्टेबिलिटी और इंटीरियर स्पेस दोनों में बढ़त मिलती है।

केबिन होगा ज्यादा स्पेसियस और टेक-लोडेड

अंदर की ओर भी यह एसयूवी मॉडर्न फिलॉसफी पर तैयार की गई है। Thin Packaging के चलते फ्लैट फ्लोर मिलता है, जिससे केबिन में ज्यादा स्पेस और आराम होगा। इसमें उन्नत कनेक्टेड फीचर्स, एक क्लीन और प्रैक्टिकल लेआउट और एक हाई-टेक डिजिटल इंटरफेस देखने को मिल सकता है। कंपनी ने फिलहाल पावरट्रेन और बैटरी से जुड़ी जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन उम्मीद है कि यह मॉडल फ्रंट-व्हील-ड्राइव लेआउट के साथ आएगा और रेंज भी इस सेगमेंट में प्रतिस्पर्धी होगी।

भारतीय मार्केट में किससे होगा मुकाबला

भारतीय मार्केट में लॉन्च के बाद भारत में हांडा 0 अल्फा का मुकाबला सीधे Mahindra BE 6, Tata Curvv EV, Hyundai Creta Electric और Maruti Suzuki eVitara से होगा। यह मॉडल Honda Elevate EV प्रोजेक्ट की जगह लेगा और कंपनी की इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में एंट्री का रास्ता खोलेगा। साथ ही यह मॉडल कंपनी के इलेक्ट्रिक पोर्टफोलियो को यहां मजबूत आधार भी देगा।

ड्राइविंग से मत डरिए, स्टीयरिंग पकड़िए और सपने चलाइए

कार चलाना सुनने में भले ही आसान लगता है, लेकिन जब खुद स्टेयरिंग पकड़ने की बारी आती है, तो हाथ-पैर फूल जाते हैं। सबसे बड़ी दिक्कत डर की होती है। कहीं ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दब गया तो? ट्रैफिक में किसी ने पीछे से टक्कर मार दी तो? लेकिन याद रखिए- डर वहीं होता है, जहां भरोसा कम होता है। बस थोड़ा आत्मविश्वास और सही दिशा में अभ्यास और आप भी बन सकते हैं एक परफेक्ट ड्राइवर। आज आपको बताते हैं वो आसान टिप्स, जो आपकी ड्राइविंग जर्नी को मजेदार और सुरक्षित बनाएंगी।

कार से दोस्ती करें

कार चलाने से पहले उसे अच्छे से जानें। कौन-सा पैडल ब्रेक है? क्लच कहां है? गियर कैसे बदलते हैं? इंडिकेटर्स किस तरफ हैं? इन सबको समझने में थोड़ा वक्त दें। जिस कार को आप चलाते हैं, उसका फंक्शन जितना बेहतर समझेंगे, उतना ही आपका डर कम होगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

फीचर्स को जानना भी जरूरी

आजकल की कारें कई स्मार्ट फीचर्स के साथ आती हैं- जैसे एसी, हीटर, क्रूज कंट्रोल, रियर सेंसर, एडीएएस सिस्टम आदि। इन्हें पहले ही सीख लें ताकि ड्राइविंग के दौरान आपको किसी बटन की तलाश न करनी पड़े।

सही सीट पोजीशन रखें

ड्राइविंग स्टार्ट करने से पहले सीट को इस तरह एडजस्ट करें कि क्लच और ब्रेक पूरी तरह दब सकें और स्टीयरिंग पर आपकी मजबूत पकड़ बनी रहे। साथ ही सीट बेल्ट पहनें, साइड और रियर मिरर सही सेट करें और चलते समय मिरर चेक करते रहें। यह छोटी आदतें बड़े हादसों से बचाती हैं।

पहले प्रैक्टिस, फिर ट्रैफिक

ड्राइविंग की शुरुआत किसी खाली ग्राउंड, पार्किंग एरिया या कम ट्रैफिक वाली सड़क पर करें। मैनुअल कार सीख रहे हैं, तो सबसे पहले क्लच-एक्सीलरेटर का बैलेंस सीखें। धीरे-धीरे क्लच छोड़ें, झटके से बचें, पहले-दूसरे गियर में ही चलाएं और ब्रेक लगाने से पहले एक्सीलेटर हटाएं। जैसे-जैसे आपका हाथ जमने लगे, थोड़ी-थोड़ी एक्टिव सड़क पर भी प्रैक्टिस बढ़ाएं।

स्टीयरिंग

स्टीयरिंग व्हील को घड़ी मानें। अपने हाथों को 9 बजे और 3 बजे की पोजीशन पर रखें। इससे आपको बेहतर कंट्रोल मिलेगा और मोड़ लेने में भी आसानी होगी।

कार के ब्लोअर की लाइफ बढ़ाने के स्मार्ट उपाय

सर्दियों के मौसम में जब तापमान तेजी से गिरता है, तब कार का हीटर और ब्लोअर हमारी सबसे बड़ी जरूरत बन जाते हैं। गर्म हवा मिलने से सफर आरामदेह होता है और विंडस्क्रीन पर जमा कोहरा भी जल्दी साफ होता है, लेकिन अक्सर लोग ब्लोअर की केयर पर ध्यान नहीं देते और बाद में हवा कम आना, मोटर जल जाना या डक्ट्स से बदबू आने जैसी परेशानियों का सामना करते हैं। इसी वजह से जरूरत है कि कुछ आसान उपाय अपनाकर ब्लोअर सिस्टम को लंबे समय तक बढ़िया स्थिति में रखा जाए।

ब्लोअर को तुरंत हाई न करें

सबसे पहले ध्यान रखें कि कार स्टार्ट करते ही ब्लोअर को तेज स्पीड पर न चलाएं। जब इंजन, डक्ट्स और मोटर पूरी तरह ठंडी हो, तो अचानक हाई स्पीड से उन पर दबाव बढ़ता है, जिससे नुकसान हो सकता है। इसलिए 30-60 सेकंड तक लो स्पीड रखें और फिर धीरे-धीरे स्पीड बढ़ाएं।

केबिन एयर फिल्टर की सफाई करें

केबिन एयर फिल्टर को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। यह फिल्टर हवा में मौजूद धूल को रोकता है, लेकिन समय के साथ चोक हो जाता है और ब्लोअर की परफॉर्मेंस गिर जाती है। हर 6-12 महीने में इसकी सफाई या बदलाव जरूर करवाएं। इससे न सिर्फ हवा की रफ्तार बढ़ेगी, बल्कि एसी व हीटर दोनों सुचारु रूप से काम करेंगे।

ब्लोअर चलाते समय एसी ऑन रखें (डिफॉग के लिए)

सर्दियों में विंडस्क्रीन पर नमी जमना आम समस्या है। ऐसे में ब्लोअर के साथ एसी चालू रखें। एसी नमी को कम करता है और शीशा जल्दी साफ होता है। शुरुआत में Windshield + Feet मोड चुनें ताकि अंदर की नमी घटे और केबिन जल्द गर्म हो। बाद में इसे अपनी सुविधा के अनुसार बदल सकते हैं।

हवा की सही दिशा सेट करें

कार के बोनेट के पास एयर-इनटेक एरिया होता है, जहां पत्तियां और धूल जमा होने पर ब्लोअर में घुस सकती हैं। यह स्थिति मोटर को नुकसान पहुंचाती है और अजीब आवाजें भी पैदा करती है। इसलिए कार वॉश के समय इस हिस्से की सफाई के लिए विशेष ध्यान दें।

पत्तियां/धूल ब्लोअर में न जाने दें

साल में कम से कम एक बार HVAC (हीटर, वेंटिलेशन, एसी) की पूरी सर्विस कराएं। इससे डक्ट्स में जमा फफूंदी व बैक्टीरिया हट जाएंगे और बदबू से भी छुटकारा मिलेगा। इसके अलावा ठंडे मौसम में इलेक्ट्रिकल वायरिंग और कनेक्शन ढीले या हार्ड हो सकते हैं, जिन्हें समय पर चेक कराना चाहिए।

मॉय फर्स्ट राइड

मुहल्ला ही नहीं, फिर तो पूरा शहर ही जान गया

छोटी उम्र में पहाड़ों के सफर में बस ड्राइवर को मोड़ काटते स्टेयरिंग घुमाने में ताकत लगाते देखना बड़ा रोमांचकारी होता था और खुद के भी गाड़ी चलाने की तीव्र इच्छा होती थी। उस दौर में पॉवर स्टेयरिंग नहीं हुआ करते थे। घर पर चेयर पर उल्टा बैठकर गाड़ी चलाने, गियर चेंज करने की मॉक ड्रिल करते-करते जब 12वीं में पहुंचा तो सबसे पहले चाचा की जीप को घर पर सिर्फ पार्क करना और बैक करने से गाड़ी चलाना सीखने की शुरुआत हुई। चाचा जी कभी-कभी प्लेन सड़कों पर ब्रेक, क्लच पर अपना नियंत्रण रखते हुए सिर्फ स्टेयरिंग देते थे, जिससे जीप को सड़क पर नियंत्रित रखने का अभ्यास हुआ।

गाड़ी चलाने का शौक, जुनून बन गया। चाचा की जीप को पार्क करने से शुरुआत हुई। फिर कभी-कभार खाली सड़कों पर या सुबह-सुबह गाड़ी चलाने को मिल जाती थी, जिससे सड़क पर गाड़ी चला लेने का स्वयं के भीतर आत्मविश्वास पैदा हुआ। उस समय पापा हर शनिवार को नौकरी से घर आते और ड्राइवर अंकल भी गाड़ी खड़ी कर अपने घर चले जाते थे। गाड़ी सीखने की असली शुरुआत शनिवार को ही फ्री हैंड होती थी। मैं ऐसे वक्त के इंतजार में हमेशा रहता था और तब भीषण गर्मी में जब सब आराम कर रहे होते थे, तो चुपके से बिना किसी को बताए चाबी लेकर बाहर निकल जाता और गाड़ी स्टार्ट कर घर के बाहर की सड़क पर निकल आता था। पहली शुरुआत में ही गाड़ी को धीरे-धीरे निकाला। उन दिनों सड़कों पर इतना ट्रैफिक नहीं होता था। पहली बार जब गाड़ी चलाई, सिर्फ फर्स्ट गियर में ही धीरे-धीरे घर से करीब एक किलोमीटर तक निकल आया था और ऐसी इच्छा प्रबल हुई कि मोहल्ले के दोस्त, परिचित, जानने वाले लोग मुझे गाड़ी चलाते हुए देख लें, जिसके लिए सड़क पर यदि कोई परिचित जाता हुआ दिखता था, तो हॉर्न बजाकर उनको यह दिखाने की कोशिश करता था कि वो मुझे देख लें कि मैं गाड़ी चला रहा हूं। ऐसे ही पहले दिन इसी उत्सुकता में ब्रेक और क्लच का तालमेल गड़बड़ाया और वापसी में गाड़ी पड़ोसी की दीवार से जा टकराई। फिर तो ऐसा शोर मचा कि पूरी हल्द्वानी को ही पता चल गया कि मैं गाड़ी चलाना सीख रहा हूं। गाड़ी चलाने के इस रोमांच को पाने के लिए सुबह उठते ही मैं रोज गाड़ी को साफ किया करता था। धीरे-धीरे इसी तरह गाड़ी चलाते-चलाते बिना किसी मोटर ड्राइविंग ट्रेनिंग संस्थान की मदद के स्वयं ही गाड़ी चलाना सीख लिया। हालांकि वो शुरुआती दिनों में खड़ी गाड़ी में गियर डालना, स्टेयरिंग घुमाना आज भी याद है और एक खुशनुमा एहसास देता है। *-विनोद मेहरा, हल्द्वानी*

रॉयल एनफील्ड की बिक्री 13% बढ़कर 1,24,951 इकाई पर पहुंची

नई दिल्ली। प्रीमियम मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री अक्टूबर में 13% बढ़कर 1,24,951 इकाई हो गई। कंपनी ने गत वर्ष 1,10,574 इकाई बेची थीं। रॉयल एनफील्ड ने कहा कि घरेलू बिक्री इस साल बढ़कर 1,16,844 इकाई हो गई, वहीं, 2024 में 101,886 थीं। हालांकि, अक्टूबर, 2025 में उसका निर्यात 7% घटकर 8,107 इकाई रह गया, जो पिछले साल इसी इसी अवधि में 8,688 इकाई था।

बिजनेस ब्रीफ

सितंबर माह में चाय का उत्पादन 5.9% घटा

कोलकाता। सितंबर माह के दौरान चाय का उत्पादन 5.9% घटकर 15.99 करोड़ किलोग्राम रह गया है। पिछले साल समान अवधि में यह 16.99 करोड़ किलोग्राम था। चाय बोर्ड के अनुसार, सितंबर, 2025 के दौरान असम में चाय उत्पादन 9.47 करोड़ किलोग्राम पर स्थिर रहा, जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 9.40 करोड़ किलोग्राम था। पश्चिम बंगाल में चाय उत्पादन घटकर चार करोड़ किग्रा से कुछ अधिक रहा, जो 2024 के इसी महीने में 4.83 करोड़ किलोग्राम था। उत्तर भारत, जिसमें असम और प. बंगाल राज्य हैं, में चाय उत्पादन सितंबर में घटकर 13.86 करोड़ किग्रा रह गया, जो 2024 में 14.69 करोड़ किग्रा था। दक्षिण भारत में, सितंबर में उत्पादन घटकर 2.12 करोड़ किग्रा रह गया, जबकि 2024 में ये 2.29 करोड़ किग्रा था।

डीएलएफ ने 221 फ्लैट 16 हजार करोड़ में बेचे

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ ने अपनी अति-आलीशान आवासीय परियोजना 'द डहलियाज' में अब तक 16,000 करोड़ के 221 अत्यंत आलीशान फ्लैट बेच दिए हैं। पिछले साल अक्टूबर में डीएलएफ ने गुरुग्राम के डीएलएफ फेज 5 में 17 एकड़ की अति-आलीशान आवासीय परियोजना 'द डहेलियाज' पेश की थी, जिसमें 420 अपार्टमेंट और पेंटहाउस हैं। डीएलएफ के नवीनतम निवेशक प्रस्तुतीकरण के अनुसार, कंपनी ने इस बहुप्रतीक्षित आवास परियोजना में सितंबर तिमाही तक 15,818 करोड़ की बिक्री की है। प्रति अपार्टमेंट औसत कीमत लगभग 72 करोड़ रुपये है।

ओयो ने बोनस इश्यू की समयसीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। यात्रा प्रौद्योगिकी मंच ओयो ने अपने गैर-सूचीबद्ध इक्विटी शेयरधारकों के लिए संभावित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से संबंधित बोनस शेयर जारी करने के आवेदन की अंतिम तिथि एक नवंबर से बढ़ाकर सात नवंबर कर दी है। कंपनी ने शेयरधारकों को भेजे संदेश में कहा कि डाक मतपत्र प्रक्रिया के दौरान उसे प्रतिक्रियाएं मिली हैं और उसने निवेशकों को उनके लिए उपयुक्त बोनस विकल्प चुनने के लिए पर्याप्त समय देने का निर्णय लिया है। ओयो ने कहा क चियन की अवधि, जो मूल रूप से एक नवंबर को समाप्त होने वाली थी, वह अब नौ दिन बढ़ाकर सात नवंबर, 2025 कर दी गई है।

वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

कंपनियों के तिमाही नतीजों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं का भी दिखेगा प्रभाव

नई दिल्ली, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार की दिशा इस सप्ताह कंपनियों के तिमाही नतीजों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों की घोषणाओं और वैश्विक रुख से तय होगी। यह सप्ताह घटनाक्रमों से भरा रहने की उम्मीद है, जिसमें कई आंकड़े जारी होंगे और प्रमुख कंपनियां तिमाही नतीजे भी जारी करेंगी। गुरु नानक जयंती से बुधवार को बाजार बंद रहेंगे।

वृहद आर्थिक मोर्चे पर, एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई के अंतिम आंकड़ों के साथ एचएसबीसी सेवाओं और समग्र पीएमआई के आंकड़ों पर भी सबकी नजर रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग लि. के वरिष्ठ उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा कि आय के मोर्चे पर, कई प्रमुख सूचकांक कंपनियां अपने तिमाही परिणामों की घोषणा करने वाली हैं। इनमें भारती एयरटेल, टाइटन कंपनी, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स, इंटरग्लोब एविएशन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक, ल्यूपिन, बजाज ऑटो और हिंडाल्को शामिल हैं।

- एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई के साथ एचएसबीसी सेवाओं और समग्र पीएमआई के आंकड़ों पर रहेगी नजर

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर, व्यापार करार से जुड़े घटनाक्रमों और प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के रुझानों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। एक विशेषज्ञ ने बताया कि निवेशक विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधियों पर भी नजर रखेंगे। तीन महीने की निकासी के बाद अक्टूबर में विदेशी निवेशकों ने शेयरों में 14,610 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग और संपदा प्रौद्योगिकी कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा कि इस सप्ताह बाजार व्यस्त वृहद कैलेंडर से संकेत लेगा, जिसमें भारत और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के लिए एसएंडपी वैश्विक विनिर्माण और सेवा पीएमआई आंकड़ों की एक श्रृंखला वैश्विक वृद्धि गति के बारे में नई जानकारी प्रदान करेगी। इनके अलावा डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल निवेशकों की धारणा और क्षेत्रीय रुझानों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारतीय बाजारों ने अक्टूबर के आखिरी सप्ताह का समापन मुनाफावसूली के साथ किया क्योंकि निवेशकों ने निरंतर तेजी के बाद कुछ दांव लगाए। बाजार अमेरिका के साथ कई देशों की व्यापार वार्ता और कंपनियों के तिमाही नतीजों पर नजर रखेगा।

एफपीआई ने 14,610 करोड़ रुपये का किया निवेश

नई दिल्ली। तीन माह तक निकासी के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) फिर लिवाल बने हैं। अक्टूबर में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 14,610 करोड़ रुपये निवेश किए हैं। इस निवेश को कंपनियों के मजबूत तिमाही नतीजों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के जल्द साकार होने की उम्मीदों से बल मिला। डिपॉजिटरी के अनुसार, एफपीआई ने सितंबर में 23,885 करोड़, अगस्त में 34,990 करोड़ और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये निकाले थे।

शीर्ष चार कंपनियों की पूंजी 95,447 करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में बीते सप्ताह 95,447.38 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। शीर्ष 10 में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बाजार पूंजीकरण में बढ़ोतरी हुई। वहीं एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, इन्फोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 91,685.94 करोड़ रुपये की गिरावट आई।

सीसीआई के पास पेटेंट विवादों की जांच का अधिकार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा- पेटेंट अधिनियम प्रतिस्पर्धा अधिनियम से ऊपर

राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने कहा है कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के पास पेटेंट मामलों से संबंधित विवादों की जांच करने का कोई अधिकार नहीं है। सीसीआई के उस आदेश के खिलाफ अपील को खारिज करते हुए, जिसमें नियामक ने स्विस फार्मा कंपनी विफोर इंटरनेशनल (एजी) के खिलाफ शिकायत बंद कर दी थी।

एनसीएलएटी की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि पेटेंट अधिनियम प्रतिस्पर्धा अधिनियम से ऊपर होगा। पहले के फैसलों का हवाला देते हुए, एनसीएलएटी ने कहा कि टेलीफोनैक्टीबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल) मामले में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले और विशेष अनुमति याचिका में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि सीसीआई के पास विफोर इंटरनेशनल (एजी) के खिलाफ लगाए गए आरोपों की जांच करने का अधिकार नहीं है। एनसीएलएटी, जो सीसीआई द्वारा पारित आदेशों पर अपीलीय प्राधिकरण है ने कहा कि विफोर इंटरनेशनल के पास फेरिक कार्बोक्सिमाल्टोज (एफसीएम) इंजेक्शन का पेटेंट है, जो आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया (आईडीए) के उपचार के लिए आवश्यक है। मामले के तथ्यों पर पेटेंट अधिनियम, प्रतिस्पर्धा अधिनियम से 'प्रबल' होगा, क्योंकि विवाद का विषय एफसीएम है।

पेट्रोल की बिक्री बढ़ी, डीजल की मांग रही स्थिर

नई दिल्ली, एजेंसी

त्योहारों के दौरान यात्रा में तेजी से अक्टूबर में भारत में पेट्रोल की बिक्री पांच महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। हालांकि, इस दौरान डीजल की खपत स्थिर रही जो इस रुझान के उलट है। यह जानकारी उद्योग के शुरुआती आंकड़ों से मिली है।

त्योहारों के सीजन की शुरुआत से ईंधन की मांग बढ़ने से अक्टूबर में पेट्रोल की खपत सालाना आधार पर 7% बढ़कर 36.5 लाख टन हो गई। सितंबर में पेट्रोल की बिक्री 34 लाख टन रही थी। देश में सबसे ज्यादा खपत वाले ईंधन डीजल की बिक्री अक्टूबर में मामूली गिरावट के साथ 76 लाख टन रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 76.4 लाख टन थी। ऐतिहासिक रूप से, जून में बारिश के मौसम के आगमन के साथ डीजल की खपत में गिरावट आती थी, क्योंकि सिंचाई पंप चलाने के लिए ईंधन की मांग कम हो जाती थी और वाहनों की आवाजाही भी प्रभावित होती थी। हालांकि, अक्टूबर से बिक्री बढ़ जाती थी क्योंकि बारिश कम होती है और त्योहारी सीजन की वजह से ट्रक की आवाजाही भी बढ़ती है। लेकिन इस साल, यह रुझान उलट गया है और अक्टूबर में खपत में बढ़ोतरी के बजाय मामूली गिरावट देखी गई।

- अक्टूबर में पेट्रोल की खपत सालाना आधार पर 7% बढ़कर 36.5 लाख टन हुई

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ की मासिक रिपोर्ट के अनुसार, पेट्रोल की खपत अक्टूबर, 2023 की तुलना में 16.3 प्रतिशत अधिक थी, जबकि इस साल डीजल की बिक्री अक्टूबर, 2023 की 76.3 लाख टन की मांग से कम रही। विमान ईंधन या एटीएफ की खपत में लगातार सुधार जारी रहा और अक्टूबर में यह 1.6 प्रतिशत बढ़कर 7,69,000 टन हो गई। यह अक्टूबर, 2023 की तुलना में 11.11 प्रतिशत अधिक है। 2019 से, एटीएफ की खपत 1.65 प्रतिशत सालाना दर से बढ़ी है।

एलपीजी की बिक्री 5.4% बढ़कर 30 टन हुई

अक्टूबर में रसोई गैस या एलपीजी की बिक्री 5.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 30 टन हो गई, क्योंकि घरेलू खाना पकाने की जरूरतें लगातार बढ़ रही हैं। इस वृद्धि का एक प्रमुख कारण ईंधन की घरेलू मांग है। भारत ने सब्सिडी वाली एलपीजी आपूर्ति योजना पीएमयूवाई में 25 लाख नए घर जोड़े, जिससे इसके अंतर्गत आने वाले परिवारों की संख्या 10.33 करोड़ से बढ़कर 10.58 करोड़ हो गई। अप्रैल, 2025 से शुरू हुए चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में पेट्रोल की खपत 6.8 प्रतिशत बढ़कर 2.48 करोड़ टन हो गई है, जबकि डीजल की बिक्री 2.45 प्रतिशत बढ़कर 5.33 करोड़ टन रही। इस वित्त वर्ष में एटीएफ की खपत एक प्रतिशत बढ़कर 52 लाख टन हो गई है, और एलपीजी की मांग 7.2 प्रतिशत बढ़कर 1.97 करोड़ टन हो गई है।

भंडार आधारित ई-कॉमर्स निर्यात पर वाणिज्य मंत्रालय ने विभिन्न विभागों से मांगे विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों से ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री (भंडार) आधारित मॉडल में केवल निर्यात उद्देश्यों के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति देने के प्रस्ताव पर विचार मांगे हैं। इस बारे में मंत्रालय ने एक नोट जारी किया

इस प्रस्ताव का उद्देश्य छोटे खुदरा विक्रेताओं के कारोबार को प्रभावित किए बिना भारत के निर्यात को बढ़ावा देना है। वर्तमान में, देश की एफडीआई नीति ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल में विदेशी निवेश की अनुमति नहीं देती है। केवल मार्केटप्लेस मॉडल के माध्यम से काम करने वाली कंपनियों, जैसे अमेजन और फ्लिपकार्ट में स्वतः मंजूर मार्ग से इसकी 100 प्रतिशत अनुमति है। अधिकारी ने बताया कि प्रस्ताव मौजूदा एफडीआई नीति के अनुपालन में, ई-कॉमर्स इकाइयों को ई-कॉमर्स के इन्वेंट्री-आधारित मॉडल में, विशेष रूप से भारत में निर्मित या उत्पादित वस्तुओं और उत्पादों के निर्यात के लिए अनुमति देने का है। एफडीआई नीति के अनुसार, ई-कॉमर्स के भंडार-आधारित मॉडल का अर्थ ऐसी ई-कॉमर्स गतिविधि है जहां वस्तुओं और सेवाओं की इन्वेंट्री का स्वामित्व ई-कॉमर्स इकाइयों के पास होता है।

- छोटे खुदरा विक्रेताओं के कारोबार को प्रभावित किए बिना निर्यात को बढ़ावा देने का उद्देश्य

दूसरी ओर, ई-कॉमर्स के बाजार-आधारित मॉडल का अर्थ है, किसी ई-कॉमर्स इकाई द्वारा डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर एक सूचना प्रौद्योगिकी मंच प्रदान करना जो क्रेता और विक्रेता के बीच एक सूत्रधार के रूप में कार्य करे। नीति इन वस्तुओं को घरेलू बाजार में बेचने की बात करती है, निर्यात की नहीं। एफडीआई नीति में यह भी कहा गया है कि बाजार उपलब्ध कराने वाली कोई भी ई-कॉमर्स इकाई भंडार यानी बेचे जाने वाले सामान पर स्वामित्व या नियंत्रण नहीं रखेगी।

राष्ट्रीय

लालू के बेटे की सरकार बनी तो अपहरण हत्या व रंगदारी के तीन नए मंत्रालय होंगे

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने मुजफ्फरपुर की चुनावी रैली में राजद नेता पर बोला हमला

मुजफ्फरपुर (बिहार), एजेंसी

बिहार विस चुनाव

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि अगर उनके बेटे को सत्ता मिली तो बिहार में हत्या, अपहरण और रंगदारी के तीन नए मंत्रालय बनाए जाएंगे। मुजफ्फरपुर में चुनावी रैली में शाह ने दावा किया कि अगर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार बरकरार रही तो बिहार को बाढ़मुक्त बनाया जाएगा और इसके लिए एक अलग मंत्रालय का गठन किया जाएगा।

शाह ने कहा कि अगर राजग की सत्ता बरकरार रहती है तो बिहार को बाढ़मुक्त बनाया जाएगा। बाढ़ नियंत्रण के लिए एक अलग मंत्रालय स्थापित किया जाएगा। उन्होंने जनता से अपील की कि वे राजग को वोट देकर राजद शासन के दौरान देखे गए जंगलराज की पुनरावृत्ति को रोकें। अगर लालू जी के बेटे (तेजस्वी यादव) मुख्यमंत्री बने, तो बिहार में तीन नए मंत्रालय बनेंगे-एक हत्या के लिए, दूसरा अपहरण के लिए और तीसरा रंगदारी के लिए। आपके वोट बिहार को फिर से जंगलराज में जाने से बचाएंगे। नए चेहरों के साथ फिर से जंगलराज लाने की कोशिश हो रही है।

गृह मंत्री ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद और कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों अपने बेटों को बिहार का मुख्यमंत्री और देश का प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं, जबकि दोनों पद खाली नहीं हैं।

वैशाली की सभा में शाह ने घोषणा की कि बिहार के सीतामढ़ी, जिसे माता सीता की जन्मभूमि माना जाता है, से उत्तर प्रदेश के अयोध्या तक एक विशेष वंदे भारत ट्रेन शुरू की जाएगी।यह सेवा सीतामढ़ी में 850 करोड़ में मंदिर निर्माण के बाद शुरू की जाएगी।

- शाह बोले- लालू और सोनिया अपने बेटों को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बनाना चाहते हैं

अडाणी-अंबानी के रिमोट से चलते हैं मोदी: राहुल

बेगूसराय। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह न केवल ट्रंप से डरते हैं, बल्कि बड़े कारोबारी घरानों के रिमोट कंट्रोल के इशारे पर काम करते हैं। गांधी ने बिहार के बेगूसराय जिले में चुनावी सभा में कहा कि बड़ी छाती होना ताकतवर होने की निशानी नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हमारे नरेन्द्र मोदी जो 56 इंच की छाती का दावा करते हैं, लेकिन जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ट्रंप का फोन आया तो उन्हें घबराहट का दौरा पड़ गया और पाकिस्तान के साथ सैन्य टकराव दो दिन में खत्म हो गया। वह न सिर्फ ट्रंप से डरते हैं बल्कि अडाणी और अंबानी के रिमोट से चलते हैं।

भाजपा-जदयू ने युवाओं से अवसर छीना : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को आरोप लगाया कि भाजपा और जदयू ने 20 वर्षों के अपने शासन में बिहार के युवाओं से हर अवसर और सपना छीन लिया, लेकिन अब राज्य के आत्मसम्मान को बहाल करने का समय आ गया है। खरगे ने कहा कि अब महागठबंधन के 'न्याय संकल्प' को दोहराने का समय आ गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने एक्स पर कहा कि बिहार के लोग जहां भी जाते हैं, मेहनत और हुनर से उन शहरों की किस्मत चमका देते हैं, लेकिन वे अपने बिहार की तक़दीर अब तक क्यों नहीं बदल पाए? उन्हें मज़दूरी करने के लिए मजबूर कर दिया गया।

भाजपा की चुनावी रणनीति, जनसंपर्क अभियान के अध्ययन के लिए विदेशी राजनयिकों का बिहार दौरा

पटना। भाजपा को जानें पहल के तहत जापान, इंडोनेशिया, डेनमार्क, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, भूटान और दक्षिण अफ्रीका के राजनयिक आगामी दो और तीन नवम्बर को बिहार दौरे पर आ रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा द्वारा शुरू की गई पहल का उद्देश्य विदेशी राजनयिकों को भाजपा की चुनावी प्रक्रिया, संगठन की कार्यशैली और पार्टी की जनसंपर्क शक्ति से अवगत कराना है। यह प्रतिनिधिमंडल बिहार के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव अभियानों का प्रत्यक्ष अनुभव करेगा और वरिष्ठ भाजपा नेताओं से मुलाकात भी करेगा। विदेशी राजनयिकों को भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था और बिहार में होने वाले चुनावी गतिविधियों की जमीनी हकीकत को समझने का अवसर भी मिलेगा। इससे पहले भी इसी तरह के राजनयिक प्रतिनिधिमंडलों ने गुजरात, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान के विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा की चुनावी रणनीति और प्रबंधन को समझने के लिए इन राज्यों का दौरा किया था। इस पहल की देखरेख भाजपा के विदेश मामलों के प्रभारी, डॉ. विजय चौथा वाले द्वारा की जा रही है।

तेजस्वी को भरोसा, बताई शपथ लेने की तारीख

पटना। मुख्यमंत्री पद के लिए विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार एवं राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने दावा किया कि विस चुनाव के बाद विपक्षी गठबंधन राज्य में अगली सरकार बनाएगा तथा चुनाव परिणाम आने के चार दिन बाद शपथ ग्रहण समारोह होगा। तेजस्वी ने कहा कि 14 नवम्बर को चुनाव के नतीजे आएंगे और 18 को शपथ ग्रहण होगा। उन्होंने यह टिप्पणी पूर्व विधायक अनंत सिंह की गिरफ्तारी को लेकर की। सिंह, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के उम्मीदवार हैं और उनपर दुलार चंद यादव की हत्या में कार्रवाई हुई है। तेजस्वी ने कहा कि इतनी गंभीर घटना हुई थी, इसलिए यह होना ही था। उन्होंने कहा कि 26 नवम्बर से पहले हम यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी अपराधियों पर सबसे कड़ी कार्रवाई की जाए।

दुलार चंद की हत्या में अनंत सिंह सहित 3 गिरफ्तार

पटना। मोकामा क्षेत्र से जदयू के उम्मीदवार एवं पूर्व विधायक अनंत सिंह को जन सुराज समर्थक दुलार चंद यादव की हत्या में रविवार तड़के गिरफ्तार किया गया। इस मामले में मणिकांत ठाकुर और रंजीत राम को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, यादव की हत्या मोकामा में हुई थी, जब वह जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी पीयूष प्रियदर्शी के पक्ष में प्रचार कर रहे थे। एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने डीएम एसएम थायागराजन के साथ यह जानकारी दी।

चौथी कक्षा की छात्रा स्कूल की चौथी मंजिल से कूदी, मौत

जयपुर। राजस्थान के जयपुर के प्रतिष्ठित नीरजा मोदी स्कूल में चौथी कक्षा की 12 वर्षीय छात्रा अमायरा ने चौथी मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। यह घटना स्कूल में लगे सीसीटीवी में कैद हुई है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में आत्महत्या की बात कही गई, लेकिन सीसीटीवी फुटेज के सामने आने के बाद कई सवाल उठे कि आखिर इतनी छोटी उम्र में बच्ची ने ऐसा क्यों किया? स्कूल प्रशासन की चुप्पी और जांच में असहयोग ने विवाद को और भड़का दिया है। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मामले की जांच के लिए समिति गठित कर दी है। अमायरा का क्लासरूम ग्राउंड फ्लोर पर था, लेकिन दोपहर 12 बजे वह चौथी मंजिल पर पहुंच गई। वहां रेलिंग पर चढ़कर उसने छलांग लगा दी। सीसीटीवी में ये साफ दिखाई दे रहा है। अमायरा को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मानसरोवर थाने के प्रभारी लखन खटाना ने बताया कि फुटेज आत्महत्या की ओर इशारा करता है, लेकिन पोस्टमॉर्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार है।

मुझ पर दबाव बनाने को परिजनों पर दर्ज किए गए थे केस : पूर्व सीजेआई रमण

अमरावती, एजेंसी

पूर्व प्रधान न्यायाधीश एनवी रमण ने कहा है कि उन पर दबाव डालने के लिए उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामले दायर किए गए थे। वीआईटी-एपी विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, पूर्व न्यायमूर्ति रमण ने राज्य की पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार का नाम लिए बिना शनिवार को कहा कि संवैधानिक सिद्धांतों को कायम रखने वाले न्यायपालिका के सदस्यों को भी दबाव और उत्पीड़न का सामना करना पड़ा।

उन्होंने कहा कि यहां उपस्थित अधिकांश लोग जानते हैं कि कैसे मेरे परिवार के सदस्यों को निशाना बनाया गया और उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज किए गए। यह सब केवल मुझे मजबूर करने के लिए किया गया था, और मैं अकेला नहीं था। उस कठिन दौर में, किसानों के मुद्दों के प्रति सहानुभूति रखने वाले सभी लोगों को धमकी और दबाव का सामना करना पड़ा। न्यायमूर्ति रमण तत्कालीन वाईएस जगन मोहन रेड्डी सरकार के खिलाफ किसानों के आंदोलन का जिक्र कर रहे थे। अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी के रूप में रद्द करने और विशाखापत्तनम को प्रशासनिक राजधानी, अमरावती को विधायी राजधानी और कुरनूल को न्यायिक राजधानी बनाने के तीन राजधानियों के फॉर्मूले को अपनाने के तत्कालीन जगन मोहन सरकार के फैसले के खिलाफ आंदोलन किया गया था।

- वीआईटी-एपी विवि के समारोह पूर्ववर्ती वाईएसआरसीपी सरकार का नाम लिए बिना लगाया आरोप

पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि ऐसे समय में, जब कई नेता कोई रुख अपनाने में हिचकिचा रहे थे या चुप्पी साधे हुए थे, तब इस देश के न्यायविद, वकील और अदालतें ही थीं, जो अपनी संवैधानिक शपथ पर अड़ी रहीं। उन्होंने कहा कि सरकारें भले ही बदलती रहें, लेकिन अदालतें और कानून का शासन स्थिरता का आधार बने रहते हैं, और कानून का शासन तभी कायम रहता है, जब लोग जनता के भरोसे पर खरे उतरते हैं और सुविधाओं के लिए अपनी ईमानदारी नहीं छोड़ते हैं।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने अमरावती से अपने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि मैं अमरावती के किसानों के जज्बे को सलाम करता हूं, जिन्होंने सरकारी तंत्र की ताकतों का साहसपूर्वक सामना किया। मुझे किसानों के संघर्ष से बहुत प्रेरणा मिलती है। मैं न्यायिक व्यवस्था और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर भरोसा जताने के लिए उनका आभार भी जताता हूं। आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद, अमरावती राजधानी परियोजना को पुनर्जीवित किया गया और अब इसका काम तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

नौ की मौत के बाद काशीबुग्गा मंदिर में प्रवेश पर लगी रोक

काशीबुग्गा (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में धार्मिक समारोह के दौरान नौ लोगों की मौत होने के एक दिन बाद रविवार को मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी। शनिवार को इस मंदिर में हुई दुर्घटना में आठ महिलाओं और एक बच्चे की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंदिर का एकमात्र द्वार बंद था और जिन श्रद्धालुओं को पहले दर्शन के लिए अंदर जाने दिया गया था, वे ग्रिल टूटने के कारण सीढ़ियों के नीचे इंतजार कर रहे लोगों पर गिर गए और यह भीषण हादसा हुआ। श्रीकाकुलम जिले के एसपी केवी महेश्वर रेड्डी ने कहा कि हमने इस त्रासदी को देखते हुए मंदिर में श्रद्धालुओं के प्रवेश पर रोक लगा दी है। नौ शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजन को सौंप दिया गया है। गंभीर रूप से घायल दो लोग अब स्थिर अवस्था में हैं और अन्य को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

सीएम कार्यालय का फर्जी लेटरहेड बनाने और मरीजों को ठगने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय का कथित तौर पर फर्जी आधिकारिक लेटरहेड बनाने और ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज का वादा कर गरीब मरीजों को ठगने के आरोप में एमसीडी के एक संविदा कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस अधिकारी ने रविवार को बताया कि टैगोर गार्डन निवासी सोनू (27) को मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से शिकायत मिलने के बाद 30 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया। ये मामला उस वक्त सामने आया, जब दिल्ली के महाराजा अग्रसेन अस्पताल के अधिकारियों ने सीएमओ को ईमेल भेजकर एक पत्र की पुष्टि का आग्रह किया, जिसमें उन्हें ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) श्रेणी के तहत श्याम शंकर नाम के मरीज के लिए मुफ्त इलाज की सिफारिश की थी। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बांठिया ने बताया कि पत्र पर मुख्यमंत्री कार्यालय के शीर्ष अधिकारियों के जाली हस्ताक्षर थे। अस्पताल अधिकारियों को संदेह हुआ क्योंकि पत्र में वर्तनी की अशुद्धियां थीं। उन्हें मुख्यमंत्री कार्यालय से खुद को बलबीर सिंह राठी बताने वाले व्यक्ति का फोन आया, जिसने उन्हें उपचार जारी रखने का निर्देश दिया। इस पत्र को संदिग्ध पाते हुए अस्पताल ने सत्यापन के लिए सीएमओ से संपर्क किया। इसके बाद मुख्यमंत्री के विशेषकार्य अधिकारी (ओएसडी) एससी वशिष्ठ ने सिविल लाइंस थाने में शिकायत दी।

- निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज कराने का वादा कर गरीबों को ठगता था

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान दो हफ्तों में बना सकता है परमाणु बम

तेहरान। ईरान के पूर्व वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी मोहम्मद-जवाद लारीजानी ने कहा है कि ईरान दो हफ्तों में परमाणु बम बनाने की क्षमता रखता है लेकिन फिर भी वह ऐसा नहीं करना का विकल्प चुनता है। लारीजानी ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने परमाणु हथियारों के विरुद्ध जारी फतवा जारी किया है जो मजबूत शिया न्यायशास्त्र पर आधारित है। खामनेई के शीर्ष सलाहकार रहे लारीजानी ने कहा कि वह एक निवारक शक्ति के रूप में ईरान के परमाणु कार्यक्रम के विस्तार का समर्थन करते है लेकिन परमाणु हथियार बनाने का समर्थन नहीं करते।

मणिपुर में जब्त किए भारी मात्रा में हथियार

इंफाल। मणिपुर पुलिस और सुरक्षा बलों ने शनिवार को विभिन्न जिलों में चलाए गए अभियान में प्रतिबंधित सामग्री बरामद की और कई लोगों को गिरफ्तार किया। कांगपोकपी जिले के गमनोम सपेरमेइना पुलिस स्टेशन के अंतर्गत लुवांगसांगोल और फैलेंग गांवों के बीच के सामान्य क्षेत्र में एक अभियान में सुरक्षा बलों ने स्थानीय रूप से निर्मित बोल्ट एक्शन सिंगल-बैरल बंदूकें, कारतूस, वायरलेस सेट, सैन्य जूते, बेल्ट और सैन्य पोशाक बरामद की। एक अलग अभियान में पुलिस ने जिरीबाम पुलिस स्टेशन के अंतर्गत लीगंगपोकपी पुलिस चौकी पर नियमित जाँच के दौरान लगभग हजार हजार रुपये मूल्य की 480 बीयर की कैन जब्त की।

पाकिस्तान ने तोरखम सीमा फिर से खोली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने अफ़गान शरणार्थियों की स्वदेश वापसी के लिए उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में तोरखम सीमा को फिर से खोल दिया है। प्रांत के खैबर जिले के डिप्टी कमिश्नर बिलाल राव ने मीडिया से शनिवार को कहा कि आज सुबह सीमा पार से परिवहन फिर से शुरू किया गया जिससे उन अफ़गान परिवारों को वापस भेजा जा सके जो हफ्तों से पाकिस्तान में इंतज़ार कर रहे हैं। सैकड़ों अफ़गानी आव्रजन केंद्र पर पहुंच चुके हैं जहां दस्तावेज बनाए जा रहे हैं।

ब्रिटेन में चाकू से हमले में दो लोग गिरफ्तार

लंदन। ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर में एक ट्रेन में कई लोगों पर चाकू से हमला किया गया, जिसके बाद पुलिस ने शनिवार शाम को ट्रेन को रोककर घटना के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया। ब्रिटेन की पुलिस ने बताया कि इस घटना के बाद 10 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से नौ को जानलेवा चोटें आई है। आतंकवाद निरोधी पुलिस जांच में सहयोग कर रही है।

कनाडा और फिलीपीन में रक्षा समझौता, बढ़ाएंगे युद्धाभ्यास

मनीला (फिलीपीन), एजेंसी

- **दोनों मिलकर समुद्र में चीन की आक्रामकता रोकेंगे**

विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता के कटु आलोचक कनाडा और फिलीपीन ने रविवार को एक महत्वपूर्ण रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य उनकी सेनाओं का संयुक्त सैन्य अभ्यास करना और आक्रामकता को रोकना है।

कनाडा एवं अन्य पश्चिमी देश कानून के शासन को बढ़ावा देने और क्षेत्र में व्यापार व निवेश बढ़ाने में मदद करने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहे हैं। फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर अन्य देशों के साथ रक्षा संबंध स्थापित करने के प्रयास कर रहे हैं, ताकि उनके देश की सेना को विवादित जल क्षेत्र में सैन्य रूप से अपेक्षाकृत मजबूत चीन का सामना करने में मदद मिल सके। चीन ने इस मामले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। चीन ने फिलीपीन पर दक्षिण चीन सागर में अमेरिका और अन्य देशों के साथ संयुक्त गश्त और युद्ध अभ्यास करने को लेकर संकट पैदा करने वाला और क्षेत्रीय स्थिरता को नुकसान पहुंचाने वाला होने का आरोप लगाया है। बीजिंग इस जलमार्ग के चीन के होने का दावा करता है, जबकि 2016 के मध्यस्थता निर्णय में 1982 के संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के आधार पर इन दावों को अमान्य करार दिया गया था।

गंभीर चिंता...खतरनाक संकेत

बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति

बच्चों में आत्महत्या की बढ़ती दर एक गंभीर और चिंताजनक मुद्दा है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। आत्महत्या एक ऐसी समस्या है जो न केवल बच्चे को प्रभावित करती है, बल्कि उसके परिवार और समुदाय को भी प्रभावित करती है। बच्चों में आत्महत्या के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, परीक्षा का दबाव, सामाजिक दबाव, और घरेलू समस्याएं शामिल हैं। नकारात्मक ओटीटी प्लेटफार्म भी इसके पीछे एक कारक हो सकते हैं। बच्चों में आत्महत्या को रोकने के लिए, हमें उनकी मानसिक स्वास्थ्य जरूरतों को समझना और उन्हें समर्थन प्रदान करना आवश्यक है। इसके लिए हमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ानी होगी, परीक्षा प्रणाली में बदलाव करना होगा, और बच्चों को सामाजिक समर्थन प्रदान करना होगा।

कारण

- **मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं :** अवसाद, चिंता, और अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बच्चों में आत्महत्या के प्रमुख कारण हो सकते हैं।
- **परीक्षा का दबाव :** परीक्षा में असफलता या अच्छे अंक न लाने का दबाव बच्चों पर बहुत अधिक तनाव पैदा कर सकता है।
- **सामाजिक दबाव :** दोस्तों और परिवार के दबाव के कारण भी बच्चे आत्महत्या की ओर बढ़ सकते हैं।
- **घरेलू समस्याएं :** घरेलू हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, और आर्थिक तनाव भी बच्चों में आत्महत्या के कारण बन सकते हैं।

समाधान

- **मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता :** बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाना और उन्हें आसानी से सुलभ बनाना।
- **परीक्षा प्रणाली में बदलाव :** परीक्षा प्रणाली में बदलाव करना और बच्चों पर दबाव कम करना।
- **सामाजिक समर्थन :** बच्चों को सामाजिक समर्थन प्रदान करना और उन्हें आत्महत्या के खतरों के बारे में जागरूक करना।

ओटीटी के नकारात्मक प्रभाव

बच्चों पर ओटीटी प्लेटफार्मों के बढ़ते नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। ओटीटी प्लेटफार्म युवाओं के लिए एक बड़ा आकर्षण बन गए हैं, लेकिन इनके अधिक उपयोग से कई नकारात्मक प्रभाव देखे गए हैं। एक अध्ययन के अनुसार ओटीटी प्लेटफार्मों पर बिंज-वॉचिंग करने से युवाओं में चिंता, अवसाद, और नींद की कमी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। हिंसक और अपमानजनक सामग्री देखने से युवाओं में आक्रामक व्यवहार बढ़ सकता है। अधिक समय तक स्क्रीन के सामने बैठने से शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

आए दिन हो रहीं घटनाएं

- राजस्थान के कोटा में इंजीनियरिंग और मेडिकल की तैयारी कर रहे दर्जनभर छात्रों के आत्महत्या के मामले इस साल सामने आए हैं।
- जयपुर में निजी स्कूल में कक्षा 4 की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। साल 2023 में 12 वर्षीय लड़के ने स्कूल में आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसे माता-पिता द्वारा परीक्षा में अच्छे अंक न लाने के लिए डांटा गया था। 15 वर्षीय लड़की ने प्रेमी से धोखा खाकर जान दे दी थी। 10 वर्षीय लड़के ने आत्महत्या कर ली, उसे स्कूल में बदमाशी का सामना करना पड़ रहा था।

दक्षिण चीन सागर में चीनी गतिविधि का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करे आसियान

अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से की अपील

कुआलालंपुर, एजेंसी

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से अपील की है कि वे दक्षिण चीन सागर में चीन की अस्थिर करने वाली बढ़ती गतिविधियों का दृढ़तापूर्वक मुकाबला करने के लिए तैयार रहें और अपनी समुद्री सेनाओं को मजबूत बनाएं। हेगसेथ ने हालांकि इसके कुछ घंटे बाद सोशल मीडिया पर चीन के प्रति नरम रुख अपनाते हुए कहा कि अमेरिका-चीन संबंध कभी इतने अच्छे नहीं रहे और दोनों पक्षों ने सीधे तौर पर सैन्य संपर्क स्थापित करने पर सहमति जताई है।

अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ।

शनिवार को मलेशिया में दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों के संघ (आसियान) के अपने समकक्षों के साथ हुई बैठक में हेगसेथ ने विवादित जल क्षेत्रों में चीन की आक्रामकता को लेकर अमेरिका की चिंताओं को दोहराया और जहाजों को टक्कर मारने जैसी घटनाओं का हवाला दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि चीन का उकसाने वाला व्यवहार उसके पड़ोसियों की संप्रभुता और क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डाल सकता है। दक्षिण चीन सागर में चीन के व्यापक क्षेत्रीय एवं समुद्री दावे शांतिपूर्ण तरीके से विवादों को सुलझाने के वादों के विपरीत हैं। उन्होंने कहा कि हम शांति चाहते हैं। संघर्ष नहीं चाहते लेकिन हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि चीन आप पर या किसी और पर प्रभुत्व जमाने की कोशिश न करे। दक्षिण चीन सागर एशिया के सबसे अस्थिर विवादित क्षेत्रों में से एक बना हुआ है। चीन लगभग पूरे क्षेत्र पर दावा करता है, जबकि आसियान के सदस्य फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया और ब्रुनेई भी तटीय क्षेत्रों पर अपना दावा जताते हैं। अमेरिका के प्रमुख सहयोगी फिलीपीन के जहाजों का चीन के समुद्री बेड़े के साथ अक्सर टकराव होता रहा है। हालांकि रविवार तड़के हेगसेथ ने एक्स पर लिखा कि उन्होंने शनिवार को चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल डोंग जुन से फिर बात की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों ने किसी भी समस्या पर चर्चा करने के लिए सैन्य संचार चैनल स्थापित करने पर सहमति जताई है।

सीरिया के राष्ट्रपति की मेजबानी करेंगे ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सीरिया के राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के साथ व्हाइट हाउस में वार्ता करेंगे। एक प्रशासनिक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। यह अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' में किसी सीरियाई राष्ट्रपति की पहली यात्रा होगी। इस बैठक की औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। अधिकारी ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बताया कि बैठक 10 नवंबर को होने की संभावना है। ट्रंप ने मई में सऊदी अरब में अल-शरा से मुलाकात की थी, जो अमेरिका और सीरिया के नेताओं के बीच 25 वर्षों में पहली मुलाकात थी। सीरिया दशकों से जारी अंतर्राष्ट्रीय अलगाव से उबरने के लिए संघर्ष कर रहा है। ट्रंप की खाड़ी सहयोग परिषद के नेताओं के साथ बैठक के इतर हुई इस बैठक को सीरिया के लिए एक बड़े घटनाक्रम के रूप में देखा गया।

शासन परिवर्तन की अमेरिकी रणनीति अब समाप्त : तुलसी गबार्ड

मनामा। अमेरिकी खुफिया विभाग की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने अमेरिका द्वारा दूसरे देशों में सत्ता परिवर्तन के इतिहास की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासन काल में अब यह रणनीति खत्म हो गयी है। गबार्ड ने शनिवार को बहरीन में 21वें मनामा संवाद में दावा किया कि अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत ट्रंप प्रशासन तख्ता पलट की बजाय कूटनीति और आपसी समझौतों को प्राथमिकता देता है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि अमेरिका की पुरानी सोच अब पीछे छूट गई है और यही हमें बहुत लंबे समय से पीछे धकेल रही है। दशकों से, हमारी विदेश नीति शासन परिवर्तन या राष्ट्र निर्माण के एक बेकारऔर अंतहीन चक्र में फँसी हुई है। उल्लेखनीय है कि अमेरिका को लोकतंत्र को बढ़ावा देने या राष्ट्रीय हितों की रक्षा के नाम पर सरकारों को उखाड़ फेंकने की नीतियों को अपनाने के लिए लंबे समय से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2003 में इराक और 2011 में लीबिया से लेकर 2014 में यूक्रेन में 'रंगीन क्रांति' यानि अहिंसक तरीके से सत्ता पलटने का समर्थन करने तक अमेरिका की इस विदेश नीति की तीखी आलोचना हो रही है।

दिल्ली में यमुनोत्सव...

यमुना संसद अभियान के तहत यमुनोत्सव 2025 के पहले दिन रविवार को नई दिल्ली में यमुना के किनारे वासुदेव घाट पर पारंपरिक परिधानों में सजी महिलाएं अनुष्ठान करने के लिए एकत्रित हुईं।

पाकिस्तान की इमारत में धमाका, एक की मौत

पेशावर। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को आतंकवाद निरोधक विभाग के पुलिस थाने में हुए विस्फोट में एक अधिकारी की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए।

पुलिस ने बताया कि विस्फोट प्रांत की राजधानी पेशावर के भीड़भाड़ वाले यूनिवर्सिटी रोड पर स्थित आतंकवाद निरोधक विभाग थाना के गोला-बारूद डिपो के अंदर हुआ। पुलिस ने बताया कि यह विस्फोट डिपो में रखे पुराने विस्फोटक पदार्थ के कारण हुआ। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल यह घटना आतंकवादी कृत्य नहीं लगती। कैपिटल सिटी पुलिस अधिकारी डॉ. मियां सईद ने बताया कि कई विस्फोटों के बाद सीटीडी भवन का एक हिस्सा ढह गया, जिसके बाद आग अन्य गोला-बारूद भंडारों तक फैल गई।

रूस ने लांच की परमाणु ड्रोन से लैस पनडुब्बी

मॉस्को, एजेंसी

- **घातक हथियारों और रोबोटिक प्रणाली से लैस है खाबरोवस्क**

रूस ने अपने नए परमाणु पनडुब्बी का जलावतरण किया है, जो 'पोसेइडॉन' परमाणु ड्रोन से लैस है। इसे 'डूम्सडे मिसाइल (प्रलयकारी मिसाइल)' कहा जा रहा है, जो तटीय देशों को नष्ट कर देने में सक्षम है।। रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने सेवमाश शिपयार्ड के सेवेरोद्विंस्क में रूसी नौसेना प्रमुख एडमिरल अलेक्जेंडर मोइसेयेव और अन्य शीर्ष जहाज निर्माण अधिकारियों की उपस्थिति में एक भव्य समारोह में परमाणु पनडुब्बी खाबरोवस्क का जलावतरण किया। बेलौसोव ने शनिवार देर रात टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में कहा कि आज हमारे लिए एक महत्वपूर्ण घटना है- परमाणु ऊर्जा से चालित मिसाइल क्रूजर खाबरोवस्क का प्रसिद्ध सेवमाश से जलावतरण किया जा रहा है। सेवमाश शिपयार्ड में इससे पहले भारत के लिए विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य का नवीनीकरण किया गया था। रूस की समाचार एजेंसी 'तास' के मुताबिक, रक्षा मंत्री ने रेखांकित किया कि पानी के नीचे के हथियारों और रोबोटिक प्रणाली से लैस यह पनडुब्बी रूस को अपनी समुद्री सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने और दुनिया के महासागरों के विभिन्न क्षेत्रों में अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में सक्षम बनाएगी।

यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र में ड्रोन हमले में दो लोगों की मौत

कीव। यूक्रेन के दक्षिण-पश्चिमी ओडेसा क्षेत्र में ड्रोन हमले में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही रूस ने देश की ऊर्जा अवसंरचना पर भी हमला करना जारी रखा।

देश के आपातकालीन सेवा विभाग के अनुसार, रविवार तड़के यूक्रेन के काला सागर तट पर ओडेसा क्षेत्र में एक कार पार्किंग पर रूसी ड्रोन ने हमला किया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। ओडेसा के क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह किपर ने बताया कि इस हमले में तीन अन्य लोग घायल हो गए। रूस द्वारा जपोरिज्जिया क्षेत्र पर ड्रोन और मिसाइल से हमला किए जाने के बाद अनेक निवासियों को बिजली के बिना रहना पड़ा। क्षेत्रीय गवर्नर इवान फेडोरोव ने बताया कि हमलों में लगभग 60,000 लोगों को बिजली आपूर्ति के बाधित होने का सामना करना पड़ा और दो लोग घायल हुए। उन्होंने टेलीग्राम पर मलबे में बदली इमारतों की तस्वीरें पोस्ट कीं। यूक्रेन के राष्ट्रीय ऊर्जा ऑपरेटर, उक्रेनेर्गो ने कहा कि यूक्रेन की विद्युत ग्रिड पर हमलों के परिणामस्वरूप, रविवार को कई क्षेत्रों में बिजली कटौती का सामना करना पड़ा।

केंद्र सरकार को और अधिक सहनशील होने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

- **ब्रिटिश प्रोफेसर के निर्वासन पर बोले कांग्रेस सांसद शशि थरूर**

लंदन की प्रोफेसर फ्रांसेस्का ओरसिनी को वीजा शर्तों के कथित उल्लंघन के कारण दिल्ली हवाई अड्डे से निर्वासित किए जाने के कुछ दिनों बाद कांग्रेस नेता शशि थरूर ने रविवार को कहा कि भारत सरकार को अधिक सहनशील, व्यापक सोच और बड़ा दिल वाला होने की जरूरत है।

तिरुवनंतपुरम से सांसद ने कहा कि मामूली वीजा उल्लंघन के कारण विदेशी विद्वानों और शिक्षाविदों को निर्वासन के तहत वापस भेजने के लिए हवाई अड्डे के आव्रजन काउंटर पर असम्मानजनक रवैया दिखाना देश को विदेशी शैक्षणिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किसी भी नकारात्मक लेख से कहीं अधिक नुकसान पहुंचा रहा है।

थरूर की यह टिप्पणी भाजपा के पूर्व सांसद स्वपन दासगुप्ता के एक पोस्ट के जवाब में आई है, जिसमें उन्होंने एक अखबार में प्रकाशित अपने लेख को साझा करते हुए तर्क दिया था कि वीजा शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करना सरकार का कर्तव्य है, लेकिन किसी प्रोफेसर की छात्रवृत्ति का मूल्यांकन करना उसका काम नहीं है।

अमेरिका ने फिर किया जहाज पर हमला, तीन तस्कर मारे गए

वेस्ट पाम बीच। अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई सागर में मादक पदार्थों के तस्करों पर एक और घातक हमला किया है। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि जिस पोत पर हमला किया गया, उसका संचालन अमेरिका द्वारा आतंकवादी संगठन घोषित किए गए एक समूह कर रहा था, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि किस समूह को निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि हमले में तीन लोग मारे गए। सितंबर की शुरुआत से कैरेबियाई या पूर्वी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी सेना द्वारा किया गया यह कम से कम 15वां ऐसा हमला है।

हेगसेथ ने लिखा कि यह पोत, हर दूसरे पोत की तरह-हमारी खुफिया जानकारी के अनुसार अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था। यह मादक पदार्थों की तस्करी के एक ज्ञात रास्ते से गुजर रहा था और मादक पदार्थ ले जा रहा था। अमेरिकी सेना के इस प्रकार के हमलों में अब तक कम से कम 64 लोग मारे गए हैं। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने इस क्षेत्र में असामान्य रूप से बड़ी संख्या में युद्धपोतों की तैनाती की है।

मेक्सिको में स्टोर में आग, 23 की मौत

मेक्सिको सिटी, एजेंसी

- **झुलसे 12 लोगों को छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया**

उत्तर-पश्चिम मेक्सिको में शनिवार को एक 'डिपार्टमेंटल स्टोर' में आग लगने और विस्फोट होने से बच्चों सहित 23 लोगों की मौत हो गई और 12 घायल हो गए। सोनोरा के गवर्नर अल्फोंसो दुराजो ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में बताया कि आग सोनोरा राज्य की राजधानी हर्मोसिलो शहर में लगी।

सोनोरा के अटॉर्नी जनरल गुस्तावो सालास चावेज ने बताया कि कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई है और घायलों को हर्मोसिलो के छह अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सालास चावेज ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लोगों की मौत सांस के साथ जहरीली गैस शरीर में जाने के कारण हुई। उन्होंने कहा कि हमें फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं मिला है जिससे यह अनुमान लगाया जा सके कि आग जानबूझकर लगाई गई थी। उन्होंने यह भी बताया कि अधिकारी मामले की हर पहलू से जांच करेंगे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में 'वाल्डो' के स्टोर में भीषण आग लगी हुई दिखाई दे रही है। एक वीडियो में एक जला हुआ आदमी स्टोर के प्रवेश द्वार से कुछ मीटर की दूरी पर गिरा नजर आ रहा है।

केन्या में भूस्खलन में 21 की गई जान

नैरोबी। केन्या के पश्चिमी रिफ्ट घाटी क्षेत्र में भूस्खलन के बाद कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य लोग लापता हो गए। क्षेत्र में पिछले कई दिन से भारी बारिश हो रही है। पश्चिमी केन्या की एल्गेयो मारक्वेट काउंटी में चेसोंगोच के पहाड़ी इलाके में शनिवार को हुए भूस्खलन से 1,000 से अधिक मकान तबाह हो गए। सरकार ने घायल 30 लोगों को हवाई मार्ग से एल्डोरेट शहर के अस्पताल में पहुंचाया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 नवंबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 4 नवंबर 02 .05 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

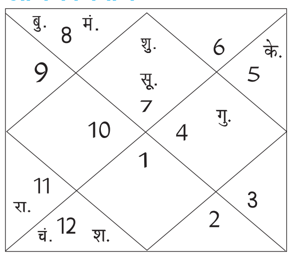

दिशाशूल- पूर्व, ऋतु- हेमंत।

चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।

ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 15.05 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष: आज दवाइयों पर धन खर्च हो सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। निरर्थक कार्यों में समय बर्बाद होगा। आपकी सोच के अनुसार काम नहीं होंगे। विद्यार्थियों को एकाग्रता में कमी महसूस होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता हो सकती है।

वृष: आज आय की स्थिति मजबूत रहेगी। पुराने मित्रों के माध्यम से आर्थिक सहयोग प्राप्त होगा। काम का दबाव कम होगा। कला जगत से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। काम के तरीके में परिवर्तन कर सकते हैं।

मिथुन: आज आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। प्रबंधन संबंधी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार के लोगों को आप समय देंगे। स्वास्थ्य समस्याओं में सुधार होगा। वैवाहिक जीवन का तनाव दूर होगा। काम करने के तरीके में बदलाव ला सकते हैं।

कर्क: आज उधार दिया हुआ धन फंस सकता है। उच्च शिक्षा के लिए विदेश यात्रा कर सकते हैं। घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी। कोई महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण हो सकता है। अधीनस्थ कर्मचारियों से अधिक बहसबाजी न करें। विवादित मामले उभरने की आशंका है।

सिंह: आज शत्रु पक्ष को कमजोर आंकने की गलती न करें। घर में साफ-सफाई का ध्यान रखें। बच्चों की परेशानियों को समझें। स्वास्थ्य कमजोर रहने वाला है। शाम के समय जीवनसाथी के साथ डिनर के लिए जा सकते हैं।

कन्या: आज जॉब में आपको प्रशंसा प्राप्त होगी। साझेदारी में काम करने से लाभ मिलेगा। परिवार में विवाह को लेकर चर्चा हो सकती है। आपकी आय में वृद्धि होगी। नए कार्यों की शुरुआत करने के लिए दिन शुभ है।

तुला: आज कार्यक्षेत्र में अधिकारियों की आज्ञा का पालन करना पड़ेगा। गूढ़ विषयों का अध्ययन करने में रुचि जागृत होगी। सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेंगे। समाज में आपकी ख्याति में वृद्धि होगी। विरोधियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

वृश्चिक: आज विद्यार्थी कुछ नया सीखने का प्रयास करेंगे। सामाजिक कार्य में आपका मन लगेगा। आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। आपकी अच्छी आदतों से लोग प्रसन्न होंगे। मित्रों से अपने प्रेम की अभिव्यक्ति कर सकते हैं।

धनु: आज शत्रुओं से आपको सावधान रहना चाहिए। शेयर मार्केट से लाभ प्राप्त होगा। व्यापार में नया प्रयोग करेंगे। परोपकार में धन खर्च करेंगे। अपनी क्षमताओं को विकसित करने का प्रयास करें। मित्र आपसे मिलने घर आ सकते हैं।

मकर: आज सरकारी कार्यों में आपको काफी अच्छा लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में आपको उच्च पद सौंपा जा सकता है। आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। अविवाहित लोगों का विवाह तय होगा। आप पिकनिक के लिए जा सकते हैं।

कुंभ: आज अति आत्मविश्वास के कारण नुकसान हो सकता है। परिजनों के साथ संवाद बनाकर रखें। मन का तनाव दूर होगा। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। अचल संपत्ति की खरीदारी कर सकते हैं। इष्ट मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन: आज धर्म कार्यों में मन लगेगा। जॉब में उच्च पद प्राप्त होने की संभावना है। मनोनुकूल काम होने से आप प्रसन्न रहेंगे। कारोबार में बढ़ोतरी होने के योग बन रहे हैं। आपका मूड काफी अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

सुडोकू-149

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1				2		3		
	4		5			6		
	2		6					
6				3				
7								4
5				9				3
		1			7		9	
		6	2					
				1				6

सुडोकू - 148 का हल

1	5	7	8	9	2	3	4	6
8	4	2	3	5	6	1	9	7
9	6	3	7	4	1	8	2	5
7	3	6	2	8	4	5	1	9
2	9	1	5	3	7	6	8	4
5	8	4	6	1	9	7	3	2
4	2	8	1	7	5	9	6	3
6	1	5	9	2	3	4	7	8
3	7	9	4	6	8	2	5	1

टॉस जीतना बहुत जरूरी था। हार का सिलसिला तोड़कर जीत की तरफ आकर अच्छा लगा। जिन लड़कों को आज मौका मिला वे कड़ा अभ्यास कर रहे थे। वॉशिंगटन सुंदर लचीलापन देने वाला बल्लेबाज है और बुमराह तथा अर्शदीप दोनों एक खतरनाक संयोजन हैं।
– सूर्यकुमार यादव

स्टेडियम

अयोध्या, सोमवार 3 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

विदेश में हो सकती है आईपीएल नीलामी

नई दिल्ली : आईपीएल नीलामी स्थल को लेकर सोच में बदलाव होता दिख रहा है, जिसके अब विदेश में आयोजित होने की संभावना है। हालांकि फ्रेंचाइजियों को अभी तक आधिकारिक तौर पर शहर के बारे में सूचित नहीं किया गया है, लेकिन उन्हें इसके बारे में संकेत जरूर दिए गए हैं। हमेशा की तरह, संभावित स्थल खाड़ी क्षेत्र में कहीं माना जा रहा है। संयुक्त अरब अमीरात में अबू धाबी एक मजबूत संभावना है, लेकिन ओमान और कतर जैसे अन्य मध्य पूर्वी स्थानों पर भी विचार किया जा रहा है। यह घटनाक्रम पहले की योजना से बिल्कुल अलग है, जब ऐसा लग रहा था कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) भारत में ही नीलामी आयोजित करने का इच्छुक है। हालांकि, अब एक आदर्श स्थान हासिल करने में चुनौतियाँ नजर आ रही हैं, क्योंकि निर्धारित समय देश में त्योहारों और शादियों के मौसम से टकरा रहा है।

हाइलो ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

सारब्रूकेन (जर्मनी) : उभरती बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को यहां 475,000 डॉलर इनामी हाइलो ओपन के महिला एकल सेमीफाइनल में इंडोनेशिया की शीर्ष वरीय पुत्री कुसुमा वर्दानी से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिससे इस टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। रोहतक की 18 वर्षीय खिलाड़ी उन्नति ने इस सप्ताह प्रभावशाली प्रदर्शन किया, लेकिन वह वर्दानी की गति और सटीकता की बराबरी नहीं कर सकी और शनिवार रात 35 मिनट तक चले मुकाबले में 7-21, 13-21 से हार गई। उन्नति उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं जिसने पिछले महीने गुवाहाटी में बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में अपना पहला पदक (कांस्य) जीता था।

87 रन

शेफाली वर्मा।

शेफाली और दीप्ति की बदौलत भारतीय टीम ने बनाए 298 रन

आईसीसी महिला विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका की अयाबोंगा खाका ने लिए तीन विकेट

नवी मुंबई, एजेंसी

चोटिल प्रतिका रावल की जगह टीम में आयी शेफाली वर्मा (78 गेंद में 87 रन) और दीप्ति शर्मा (58 गेंद में 58 रन) की अर्धशतकीय पारियों के साथ रिचा घोष की तेज तर्रार बल्लेबाजी (24 गेंद में 34 रन) के बूते भारत ने रविवार को यहां आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में सात विकेट पर 298 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया।

बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर शेफाली ने स्मृति मंधाना (58 गेंद में 45 रन) के साथ पहले विकेट के लिए शतकीय (106 गेंद में 104 रन) और जेमिमा रॉड्रिग्स (37 गेंद में 24 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 62 गेंद में 62 रन की साझेदारी कर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। इससे पहले चार जुलाई 2022 को श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 71 रन की पारी खेलने वाली शेफाली ने 21वें ओवर में सुने लुस की गेंद पर ऐनेक बॉश से मिले जीवनदान का फायदा उठाते हुए वनडे की अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान सात चौके और दो छक्के लगाये। भारतीय टीम 26वें ओवर के बाद लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही जिससे टीम शानदार शुरूआत के बावजूद रन गति को तेज करने में नाकाम रही। दीप्ति शर्मा इस दौरान वनडे विश्व कप में 15 विकेट और 200 रन पूरे करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया जबकि रिचा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीन चौके और दो छक्के जड़े। दक्षिण अफ्रीका के लिए आयोबोंगा खाका सबसे सफल गेंदबाज रही। उन्होंने 58 रन देकर तीन विकेट लिये।

भारतीय बल्लेबाज दीप्ति शर्मा स्वीप शॉट लगाकर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज को छकाती हुईं। एजेंसी

शेफाली और मंधाना ने भारत को शानदार शुरुआत दिलाई। स्मृति ने मारिजान काप के पहले ओवर में खेल परिस्थितियों से सामंजस्य बिठाने की कोशिश की तो वहीं शेफाली ने दूसरे ओवर में अपनी पारी का आगाज आयोबोंगा खाका की गेंद पर चौके साथ किया। मंधाना ने काप की गेंद पर प्वाइंट क्षेत्र में कट कर शानदार चौका लगाया। शफाली ने काप तो वहीं मंधाना ने खाका के खिलाफ छठे ओवर में लगातार दो कलात्मक चौके लगाकर अपनी शानदार लय को जारी रखा।

दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड ने तेज गेंदबाजों के असरहीन दिखने के बाद आठवें ओवर में स्पिन का सहारा लेते हुए नोनकुलुलेको म्लाबा (47 रन पर एक विकेट) को गेंद थमाई लेकिन शेफाली ने उनका स्वागत भी चौके से किया। भारत ने शुरुआती 10 ओवर में बिना किसी नुकसान के 64 रन के साथ इस विश्व कप में पावरप्ले का अपना सर्वोच्च स्कोर बनाया। पावरप्ले के बाद भारत की रनगति पर थोड़ा अंकुश लगा लेकिन नाडिन डि क्लार्क (52 रन पर एक विकेट) की गेंद पर शेफाली ने अपनी पारी का पहला छक्का जड़ दबाव कम किया। मंधाना ने 18वें ओवर में क्लो ट्रायोन की गेंद पर चौके से साथ पहले विकेट के लिए 104 गेंद में शतकीय साझेदारी पूरी की। वह हालांकि इसी ओवर में दो गेंद बाद ही विकेटकीपर सिनालो जाफ्ता को कैच देकर पवेलियन लौट गयी। सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विजयी गाथा लिखने वाली जेमिमा रोड्रिग्स का स्वागत दर्शकों ने शोर मचाकर किया। शेफाली ने इसी ओवर में एक रन चुराकर लगभग तीन साल के अंतराल पर वनडे में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। शेफाली को 20वें ओवर में सुने लुस की गेंद पर जीवनदान मिला जब ऐनेक बॉश ने डीप मिडविकट पर उनका कैच टपका दिया। शेफाली को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण उपचार लेना पड़ा लेकिन उन्होंने वनडे में अपना सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाने के बाद 25वें ओवर में लुस की गेंद पर उनके सिर के ऊपर से पारी का दूसरा छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 150 रन पर पहुंचा दिया। पारी की शुरुआत में तीन ओवर में 29 रन लुटाने वाली खाका ने इसके बाद लगातार दो ओवरों में शेफाली और जेमिमा को चलता कर मैच में दक्षिण अफ्रीका की वापसी की कोशिश की। शेफाली ने कवर क्षेत्र में लुस को आसान कैच दिया तो वहीं जेमिमा के करारे प्रहार पर वोल्वार्ट्ट ने शानदार कैच लपका। कप्तान हरमनप्रीत कौर (29 गेंद में 20 रन) और दीप्ति ने इसके बाद सतर्कता से बल्लेबाजी करते हुए पारी आगे बढाई।

भारत

298/7 (50 ओवर)

स्मृति मंधाना का जाफ्ता बो ट्रायोन	45
शेफाली वर्मा का लुस बो खाका	87
जेमिमा का वोल्वार्ट्ट बो खाका	24
हरमनप्रीत कौर बो म्लाबा	20
दीप्ति शर्मा रन आउट	58
अमनजोत कौर का एवं बो डि क्लार्क	12
रिचा घोष का डर्कसेन बो खाका	34
राधा यादव नाबाद	03

गेंदबाजी : काप 10-1-59-0, खाका 9-0-58-3, म्लाबा 10-0-47-1, डि क्लार्क 9-0-52-1, लुस 5-0-34-0, ट्रायोन 7-0-46-1

नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में फाइनल मैच से पहले क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर आईसीसी महिला विश्व कप ट्रॉफी व अन्य लोगों के साथ फोटो सेशन कराते हुए। तिरंगा लहराकर प्रसन्नता व्यक्त करते भारतीय दर्शक। राष्ट्रगान गातीं बॉलीवुड गायिका सुनिधि चौहान। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर व दक्षिण अफ्रीकी कप्तान लॉरा वोल्वार्ड।

वाशिंगटन की तूफानी पारी से भारत ने टी-20 सीरीज में बराबरी की

- तीसरे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराया

होबार्ट, एजेंसी

अर्शदीप सिंह की उम्दा गेंदबाजी के बाद वाशिंगटन सुंदर की तूफानी पारी से भारत ने तीसरे टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया को पांच विकेट से हराकर पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी।

ऑस्ट्रेलिया के 187 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने वाशिंगटन की 23 गेंद में चार छक्कों और तीन चौकों से नाबाद 49 रन की पारी और जितेश शर्मा (13 गेंद में नाबाद 22) के साथ उनकी छठे विकेट की 25 गेंद में 43 रन की अटूट साझेदारी की बदौलत 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 188 रन बनाकर जीत दर्ज की। तिलक वर्मा (29), अभिषेक शर्मा (25) और कप्तान सूर्यकुमार यादव (24) ने भी उपयोगी पारियां खेलीं।

वाशिंगटन को इस मैच में गेंदबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उन्होंने बल्ले से एकादश में अपने चयन को सही साबित किया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एलिस ने 36 रन देकर तीन विकेट चटकाए लेकिन अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाए। अर्शदीप (35 रन पर तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (33 रन पर दो विकेट) ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 74 रन कर दिया था लेकिन टिम डेविड (74) और मार्कस स्टोइनिस (64) ने ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़कर मेजबान टीम का स्कोर छह विकेट पर 186 रन तक पहुंचाया। डेविड ने 38 गेंद का सामना करते हुए पांच छक्के और आठ चौके मारे जबकि स्टोइनिस ने 39 गेंद की पारी में दो छक्के और आठ चौके जड़े।

तूफानी पारी के दौरान शॉट लगाते वाशिंगटन सुंदर। एजेंसी

लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने पावर प्ले में 64 रन जोड़े लेकिन फॉर्म में चल रहे अभिषेक और शुभमन गिल (15) के विकेट गंवा दिए। अभिषेक ने बार्टलेट पर छक्के से खाता खोला और फिर सीन एबट की लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का मारा। वह हालांकि एलिस की गेंद को हवा में लहराकर विकेटकीपर जोश इंग्लिस को कैच दे बैठे। कप्तान सूर्यकुमार यादव (24) ने आते ही एलिस और एबट पर छक्के मारे लेकिन एलिस ने गिल को पगबाधा कर दिया। सूर्यकुमार भी स्टोइनिस की गेंद पर एक्स्ट्रा कवर पर एलिस को आसान कैच दे बैठे। तिलक और अक्षर पटेल ने इसके बाद पारी को संभाला। दोनों ने 10वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचाया।

एलिस की गेंद पर बार्टलेट ने अक्षर का शानदार कैच लपककर भारत को चौथा झटका दिया। वाशिंगटन ने इसके बाद मोर्चा संभाला। उन्होंने एलिस पर छक्के के साथ शुरुआत की और फिर एबट की लगातार गेंदों पर चौका और दो छक्के मारे। भारत का स्कोर पांच विकेट पर 145 रन हो गया। भारत को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 35 रन की दरकार थी और वाशिंगटन ने जितेश के साथ मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया।

49 रनों की अपनी नाबाद पारी के दौरान वाशिंगटन सुंदर ने तीन चौके और चार छक्के लगाए, उन्होंने 23 गेंदों का सामना किया

ऑस्ट्रेलिया

186/6 (20 ओवर)

ट्रेविस हेड का सूर्यकुमार बो अर्शदीप	06
मिचेल मार्श का वर्मा बो चक्रवर्ती	11
जोश इंग्लिस का अक्षर बो अर्शदीप	01
टिम डेविड का वर्मा बो दुबे	74
मिचेल ओवेन बो चक्रवर्ती	00
स्टोइनिस का स्थानापन्न बो अर्शदीप	64
मैथ्यू शॉर्ट नाबाद	26
जेवियर बार्टलेट नाबाद	03

गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-35-3, बुमराह 4-0-26-0, चक्रवर्ती 4-0-33-2, अक्षर 4-0-35-0, शिवम 3-0-43-1, अभिषेक 1-0-13-0

भारत

188/5 (18.3 ओवर)

अभिषेक शर्मा का इंग्लिस बो एलिस	25
शुभमन गिल पगबाधा बो इंग्लिस	15
सूर्यकुमार का एलिस बो स्टोइनिस	24
तिलक वर्मा का इंग्लिस बो बार्टलेट	29
अक्षर पटेल का बार्टलेट बो एलिस	17
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	49
जितेश शर्मा नाबाद	22

विकेट पतन : 1-33, 2-61, 3-76, 4-111, 5-145 **गेंदबाजी :** बार्टलेट 4-0-30-1, एबट 3.3-0-56-0, एलिस 4-0-36-3, कुहनेमन 4-0-31-0, स्टोइनिस 2-0-22-1, शॉर्ट 1-0-13-0

अर्धशतक लगाने के बाद जश्न मनाते भारत ए के कप्तान ऋषभ पंत। एजेंसी

भारत ए की रोमांचक जीत

- पंत और पुछल्ले बल्लेबाजों के सामने दक्षिण अफ्रीका ए तीन विकेट से परास्त

बेंगलुरु, एजेंसी

कप्तान ऋषभ पंत की 90 रन की शानदार पारी और निचले क्रम के बल्लेबाजों की दमदार पारियों की बदौलत भारत ए ने रविवार को यहां पहले चार दिवसीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका ए को तीन विकेट से हरा दिया। भारत ए अब दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे हो गया है। दूसरा मैच अगले गुरुवार से बीसीसीआई सीओई मैदान पर ही खेला जाएगा।

भारत ए ने मैच के चौथे और अंतिम दिन सुबह अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 119 रन से आगे बढ़ाई। पंत (90 रन, 113 गेंद, 11 चौके, चार छक्के) और आयुष बडोनी (34 रन, 47 गेंद) ने सुबह अच्छी शुरुआत की और 12 ओवर में 63 रन जोड़े। भारत को 275 रन के लक्ष्य के सामने अंतिम दिन 166 रन की जरूरत थी।

पंत और बडोनी ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। पंत ने दिन की दूसरी ही गेंद पर तेज गेंदबाज ओकुहले सेले पर छक्का जड़ा और उसके बाद एक हाथ से शॉट लगाकर थर्ड मैन क्षेत्र में दो चौके लगाए। सेले ने दिन के पहले ओवर में 14 रन दिए। पंत हालांकि अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्हें तियान वान वुरेन की गेंद पर पुल करने का समय नहीं मिला और गेंद हवा में लहरा गई। लेसेगो सेनोक्वाने ने दूसरी स्लिप से दौड़ते हुए कैच लपका। सेनोक्वाने के लिए यह बड़ी राहत की बात थी क्योंकि उन्होंने प्रेनेलन सुब्रायन की गेंद पर फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर पंत का कैच छोड़ा था। पंत तब 80 रन पर खेल रहे थे। लेकिन जिस तरह से पंत ने दूसरी पारी में बल्लेबाजी की और मैच में 139.3 ओवर तक विकेटकीपिंग की, वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए सीनियर टीम की घोषणा करने से पहले चयनकर्ताओं के लिए एक सुखद संकेत हो सकता है।

निर्णय | न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने 93 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बनाए हैं 2575 रन

केन विलियम्सन ने टी-20 क्रिकेट से लिया संन्यास

ऑकलैंड, एजेंसी

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियम्सन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज शुरू होने से कुछ दिन पहले रविवार को टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की।

न्यूजीलैंड के लिए 93 टी-20 मैच खेलने वाले विलियम्सन को हाल ही में 2026 के सत्र के लिए आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया था। संन्यास लेने की घोषणा करने के कारण इस 35 वर्षीय बल्लेबाज को बुधवार से यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टी-20 टीम में शामिल नहीं किया गया। विलियम्सन ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 2575 रन बनाए, लेकिन वह एक भी शतक नहीं लगा पाए। वह कैरेबियाई टीम के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की तैयारी के सिलसिले में आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में भी नहीं खेलेंगे। विलियम्सनने न्यूजीलैंड की तरफ से टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाए हैं। उनका औसत 33 है और उन्होंने 18 अर्धशतक लगाए हैं। इस प्रारूप में उनका उच्चतम स्कोर 95 रन है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारूपों में 19,000 से अधिक रन बनाने वाले इस क्रिकेटर ने 2011 में टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और 75 मैच में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें 2016 और 2022 में दो टी-20 विश्व कप सेमीफाइनल और 2021 में फाइनल में कप्तानी करना शामिल है। विलियम्सन ने न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) से कहा यह (टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलना) कुछ ऐसा है जिसका हिस्सा बनना मुझे शुरू से ही पसंद था। मैं इन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं।

आगामी टेस्ट सीरीज की तरफ देंगे ध्यान

विलियम्सन ने कहा इस प्रारूप को अलविदा कहने का यह टीम और मेरे लिए सही समय है। इससे टीम को आगे बढ़ाने और टी-20 विश्व कप के लिए टीम तैयार करने में मदद मिलेगी। न्यूजीलैंड की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले विलियम्सन ने कहा कि टेस्ट और वनडे को लेकर उनकी राय स्पष्ट है और उनका ध्यान अभी वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैच की सीरीज पर है जिसका पहला मैच दो दिसंबर से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। उन्होंने कहा मुझे इस टीम की बहुत परवाह है। न्यूजीलैंड की तरफ से खेलना बहुत मायने रखता है।